शिक्षक संदर्शिका

कक्षा-1

हिन्दी

2024-25

शिक्षक संदर्शिका निर्माण समिति

प्रकाशक : हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्

प्रकाशन वर्ष : 2024

संकल्पना एवं निर्माण : एस.सी.ई.आर.टी., हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्, शैक्षणिक प्रकोष्ठ और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

दिशाबोध :

- डॉ. जी. अनुपमा, आई.ए.एस. अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा
- श्री जितेंद्र कुमार, आई.ए.एस. निदेशक, स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्, स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा
- श्री रिप्पूदमन सिंह ढिल्लो, आई.ए.एस. निदेशक, प्राथमिक शिक्षा स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा
- डॉ. धीर झिंगरन, निदेशक, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

प्रबंधकीय मार्गदर्शन :

- श्री कुलदीप मेहता, सहायक निदेशक अकादमिक शाखा (शैक्षणिक प्रकोष्ठ)
- डॉ. प्रमोद कुमार, कार्यक्रम अधिकारी अकादमिक शाखा (शैक्षणिक प्रकोष्ठ)

अकादमिक परामर्श एवं मार्गदर्शन :

- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुरुग्राम
- डॉ. धीर झिंगरन, निदेशक, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन
- रमेश चन्द्र, निदेशक (अकादमिक), लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

सामग्री निर्माण एवं समीक्षा समूह :

- अलीमुद्दीन खांन, हीना परवीन, आनन्द द्विवेदी, राजिन्दर सिंह, जयदीप वैष्णव (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन)

विभागीय समीक्षा समूह : एफ.एल.एन. (FLN) प्रकोष्ठ

समन्वयन :

- डॉ. प्रमोद कुमार, कार्यक्रम अधिकारी अकादमिक शाखा
- विक्रम पाल, सीनियर प्रोग्राम मैनेजर (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन) हरियाणा
- अलीमुद्दीन खांन, अकादमिक लीड (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन) हरियाणा

चित्रांकन : हबीब अली, निखिल खत्री, निलेश गहलोत, अबीरा बंदोपाध्याय, सुशांत दास

लेआउट एवं ग्राफिक डिजाइन : प्रेमचन्द सैनी, जयपुर (राजस्थान)

मुद्रक :

शिक्षकों के लिए

हम सभी जानते हैं कि बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ-साथ सीखने के लिए अनुकूल एंव उत्साहजनक परिवेश का होना भी आवश्यक है। बच्चे अपने आस-पास उपलब्ध सन्दर्भ और परिवेश से भाषाई अनुभव लेते रहते हैं, परन्तु बहुत से भाषाई कौशलों का विकास केवल परिवेशीय अनुभव से नहीं होता है। इन कौशलों का विकास व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से करना होता है। विद्यालय वो जगह है जहाँ बच्चे न केवल अपनी मौखिक भाषा को समृद्ध करते हैं बल्कि ज़रूरी पठन और लेखन सम्बन्धी कौशलों को भी विकसित करते हैं।

बच्चों में भाषा एवं गणितीय बुनियादी कौशलों के विकास के लिए देश में निपुण भारत मिशन चल रहा है। हरियाणा में भी स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, गुरूग्राम के नेतृत्व में निपुण हरियाणा मिशन चल रहा है। इस अभियान में सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन (सी.एस.एफ.) और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल. एल.एफ.) संस्थाओं द्वारा अकादमिक और तकनीकी सहयोग दिया जा रहा है। मुझे खुशी हो रही है कि स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् के नेतृत्व और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, गुरुग्राम के तकनीक सहयोग से लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन की अकादमिक टीम ने बच्चों के भाषा विकास को सुनिश्चित करने के लिए उत्कृष्ट शिक्षण सामग्री का निर्माण किया है। साथ ही शिक्षकों की मदद के लिए शिक्षक संदर्शिका भी बनाई है। इस शिक्षक संदर्शिका में शिक्षकों के लिए वो सभी दिशा-निर्देश विस्तार-पूर्वक दिए गए हैं जो उन्हें सामग्री के उपयोग और गतिविधियों के संचालन में मदद करेंगे। संदर्शिका में भाषा शिक्षण की रूपरेखा, साप्ताहिक/दिवसवार, शिक्षण कार्य-योजना, पाठ योजनाएँ और सीख आकलन योजना को भी शामिल किया गया है, जो शिक्षक को व्यवस्थित शिक्षण कार्य संचालन में मदद करेंगी।

सभी शिक्षक साथियों को मेरा सुझाव है कि इस शिक्षक संदर्शिका को ठीक से पढ़कर समझ लें और भाषा शिक्षण की योजना बनाने में इसकी नियमित मदद लें। मेरा विश्वास है कि यह संदर्शिका आपके लिए एक शिक्षक सहयोगी की भूमिका निभायेगी। मुझे आशा है, आप इस शिक्षक संदर्शिका की मदद से बच्चों के साथ शिक्षण सामग्री का गुणवत्तापूर्ण उपयोग करेंगे, जिससे हम बच्चों के बुनियादी कौशल विकास के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर पायेंगे।

धन्यवाद

निदेशक
प्राथमिक शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग,
हरियाणा

विषय सूची

क्र.सं.	विषय वस्तु	पृ.सं.
1	संदर्शिका में उपयोग होने वाले संकेतकों (Icons) का विवरण	1
2	संदर्शिका का उपयोग	2
3	निपुण हरियाणा	3
4	सीखने–सिखाने के सिद्धांत एवं मान्यताएँ	4
5	सीखने की परिकल्पना	5
6	भाषा शिक्षण की पद्धति	6
7	कक्षा–1 के लिए लक्षित दक्षताएँ (2024–25)	8
8	कक्षा में भाषा शिक्षण की रूपरेखा	9
9	कक्षा–1 में भाषा शिक्षण के लिए उपयोग में आने वाली सामग्री का विवरण	10
10	भाषा शिक्षण की वार्षिक योजना	11
11	डिकोडिंग का साप्ताहिक शिक्षण ढ़ाँचा	12
12	साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा	13
13	पाठ्यपुस्तक (झिलमिल) के उपयोग की रणनीति	15
14	गतिविधियों पर कार्य कैसे करें ?	16
15	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ	17
16	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ	30
17	पठन गतिविधियाँ	44
18	आकलन एवं पुनरावृत्ति	50
19	साप्ताहिक व दैनिक योजना	53
20	दैनिक शिक्षण योजनाओं के नमूने	79
21	साप्ताहिक आकलन ट्रैकर	87
22	स्किल पासबुक (सावधिक आकलन–1 और 2) ट्रैकर	89
23	वार्षिक आकलन ट्रैकर	91
24	प्रिंट–रिच वातावरण	92
25	कक्षा–कक्ष प्रबंधन	93

संदर्शिका में उपयोग होने वाले संकेतकों (Icons) का विवरण

	पृष्ठ संख्या
	दिवस/पाठ/गतिविधि का उद्देश्य
	शिक्षण योजना
	गतिविधि के चरण
	साप्ताहिक आकलन (मैंने सीख लिया)
	पुनरावृत्ति / रेमेडियल कार्य
	मौखिक भाषा विकास और लेखन
	डिकोडिंग और लेखन
	पठन
	निर्धारित समय
	शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा
	तैयारी और सामग्री
	ध्यान देने योग्य बातें
	शिक्षक या बच्चे का कथन
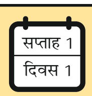	कैलेंडर (सप्ताह/दिवस)
	गतिविधि

संदर्शिका का उपयोग

यह शिक्षक संदर्शिका कक्षा-1 में भाषा शिक्षण करवाने वाले शिक्षकों के शिक्षण कार्य को बेहतर बनाने में इस्तेमाल के लिए तैयार की गई है। इस संदर्शिका में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति के अंतर्गत शिक्षण प्रक्रिया की विभिन्न गतिविधियों के बारे (क्या, क्यों और कैसे) में विस्तार से बताया गया है। कक्षा शिक्षण में कक्षा प्रबंधन और शैक्षिक मान्यताओं की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है। अत: इन बिन्दुओं को भी संदर्शिका में शामिल किया गया है। शिक्षक संदर्शिका का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षकों के लिए कार्यक्रम के उद्देश्य, भाषा शिक्षण की एप्रोच और सिद्धांतों को समझाना है। साथ ही अकादमिक सत्र 2024-25 के लिए निर्धारित की गई दक्षताओं पर शिक्षण कार्य करने की रणनीति, शिक्षण गतिविधि और सामग्री के उपयोग को विस्तार से प्रस्तुत करना है।

संदर्शिका का उपयोग प्रभावी रूप से कैसे कर सकते हैं? आइये, इसे समझें :

कार्यक्रम के सैद्धांतिक पहलुओं को समझना

पृष्ठ 4 से 7

संदर्शिका के सैद्धांतिक भाग को पहले पढ़ लें, ताकि आगे बताए गए कार्यों को समझने में आसानी हो। इस भाग में कार्यक्रम की एप्रोच और सिद्धांतों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

कार्यक्रम के अधिगम लक्ष्य और भाषा शिक्षण की रणनीति को समझना

पृष्ठ 8 से 15

इस वर्ष के लिए तय वार्षिक लक्ष्य, वार्षिक और साप्ताहिक योजना, सामग्री इत्यादि के बारे में बताया गया है। इनको ही आधार बनाकर आगे की दैनिक योजनाएँ तैयार की गई हैं।

गतिविधियों का विस्तृत विवरण

पृष्ठ 16 से 49

भाषा शिक्षण के प्रत्येक आयाम में क्या-क्या गतिविधि की जानी है उसका विस्तृत विवरण दिया गया है। गतिविधि करने के लिए प्रस्तावित समय और सामग्री भी बताई गई है। कक्षा शिक्षण की तैयारी के लिए यह हिस्सा प्रमुखत: उपयोगी है।

आकलन और पुनरावृत्ति

पृष्ठ 50 से 52

इस भाग में बच्चों के सीखने के आकलन की रणनीति बताई गई है। आकलन के बाद बच्चों के स्तर में सुधार के लिए किस तरह पुनरावृत्ति कार्य किये जाएँ, इसका विवरण दिया गया है।

कक्षा शिक्षण के लिए दैनिक योजना और शिक्षण योजनाएँ

पृष्ठ 53 से 78

यह इस संदर्शिका का सबसे अहम भाग है। इस भाग को पहले समझ लें और फिर शिक्षण प्रक्रिया के दौरान दैनिक योजना और गतिविधियों का उपयोग करें।

- दिन की शुरुआत में पहले उस दिन की दिवसवार योजना देखें।
- योजना के अनुसार प्रत्येक गतिविधि के लिए सामग्री और अन्य तैयारी कर लें।
- गतिविधि के अंत में ट्रैकर वाले कॉलम में अपने हस्ताक्षर और दिनाँक दर्ज करें।

पाठ योजनाएँ, दक्षता ट्रैकर, प्रिंट-रिच और कक्षा प्रबंधन

पृष्ठ 79 से 95

- यहाँ शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए बेहतर कक्षा प्रबंधन और प्रिंट-रिच वातावरण निर्माण के बारे में बताया गया है। साथ ही, बच्चों के विद्यालय और घर पर सीखने में अभिभावक किस तरह भूमिका निभा सकते हैं, इसको भी शामिल किया गया है।
- साप्ताहिक, सावधिक और वार्षिक आकलन ट्रैकर में प्रत्येक बच्चे के परिणाम को तय समय पर भरें। उदाहरण के लिए एक सप्ताह की सभी गतिविधियों की पाठ योजनाएँ दी गई हैं।

- कक्षा प्रक्रिया के दौरान इस संदर्शिका को अपने पास रखें। कक्षा में जाने से पूर्व योजना और गतिविधियों के तरीकों को एक बार पढ़ लें।
- अगर संदर्शिका में किसी बिंदु पर आपका कोई प्रश्न है, तो आप शिक्षकों के Whatsapp समूह में प्रश्न पूछ सकते हैं।
- ब्लॉक या संकुल स्तर पर होने वाली बैठकों में संदर्शिका अपने साथ जरूर लेकर जाएँ, ताकि अकादमिक चर्चा और संदर्भ के रूप में आप इसका उपयोग कर सकें।

निपुण हरियाणा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बुनियादी एवं संख्या ज्ञान मिशन की स्थापना की गई है। इस मिशन के तहत हमारे विद्यालयों में ऐसा अनुकूल वातावरण बनाने पर ज़ोर दिया गया है, जिसमें बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के सीखने को सुनिश्चित किया जा सके। इसके अंतर्गत, हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा कक्षा–3 के बाद पठन, लेखन और संख्या ज्ञान कौशल की अपेक्षित शिक्षण–दक्षताओं को प्राप्त कर ले। यह मिशन 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों की अधिगम आवश्यकताओं पर केन्द्रित है। इस मिशन को निपुण भारत (आधारभूत साक्षरता और गणना में कुशलता के लिए राष्ट्रीय पहल) का नाम दिया गया है। हरियाणा राज्य में भी इस मिशन को निपुण हरियाणा के नाम से लागू किया जा रहा है। राज्य में अंग्रेजी को दूसरी भाषा के रूप में मिशन में शामिल किया गया है।

निपुण हरियाणा मिशन का लक्ष्य

इन दीर्घकालिक लक्ष्यों को 2026–27 तक प्राप्त करने के लिए देश भर में 'मिशन मोड' में काम किया जाएगा। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत 2025–2026 तक इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना बनाई है। निपुण कार्यक्रम के वृहत्तर लक्ष्यों को नीचे देखा जा सकता है:

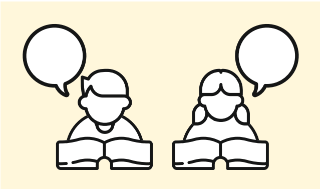

समझ के साथ पढ़ना

बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है 'समझ के साथ पढ़ना'। बच्चा जब किसी पाठ को पढ़कर उसका अर्थ समझने लगे तब माना जाता है कि वह समझ के साथ पढ़ रहा है। समझ के साथ पढ़ने के लिए कुछ बेहद ज़रूरी चरण होते हैं जैसे, ध्वनि जागरूकता, वर्ण पहचान, डिकोडिंग और पठन। इन पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाना आवश्यक है।

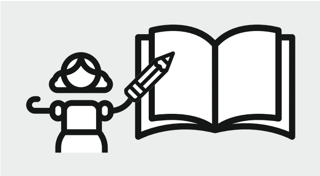

लिखना

समझ के साथ पढ़ने के साथ ही लिखने के कौशल का विकास भी बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है। समझ के साथ लिखने का कौशल विकसित करने के लिए बच्चों को क्रमशः उभरता लेखन, देखकर लिखना, साझा लेखन, रचनात्मक लेखन आदि चरणों से गुज़रना होगा।

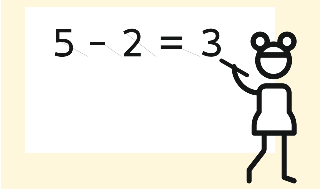

बेसिक गणितीय संक्रिया

बुनियादी गणित में संक्रियाओं की समझ एक महत्वपूर्ण घटक है। जोड़, घटाव, गुणा और भाग केवल संख्याओं का अमूर्त उपयोग नहीं हैं। इन संक्रियाओं का अनुप्रयोग दैनिक जीवन में व्यापक रूप में होता है। ये संक्रियाएँ विषयवस्तु के विश्लेषण, वर्णन और जीवन के संदर्भ में सरल समस्याओं की व्याख्या और समाधान के लिए उपयोगी हैं।

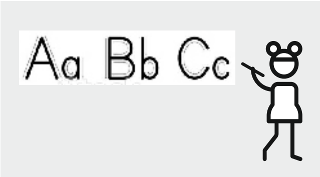

मिशन में अंग्रेजी भाषा

बच्चे अंग्रेजी में छोटे वाक्य स्पष्ट शब्दावली और व्याकरण के नियमों को लागू करके उपयोग कर पायें। वे सहजता के साथ कुछ परिवेशीय विषयों पर शब्दावली ग्रहण कर चुके हों और उन्हें उपयोग करें। साथ ही वे कुछ सरल प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर कम से कम हाँ या नहीं में दे पाएँ।

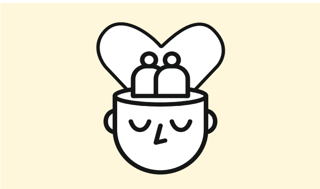

जीवन के बुनियादी कौशल

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत केवल बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया गया है बल्कि बच्चों को विद्यालय और घर में ऐसा माहौल देना प्रस्तावित है जिससे वो जीवन जीने के कुछ बुनियादी कौशल भी हासिल कर पाएँ। इसके लिए बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मज़बूत बनाने की गतिविधियाँ की जाएगी।

सीखने-सिखाने के सिद्धांत एवं मान्यताएँ

सीखने-सिखाने के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं, जो कक्षा-कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी रहे हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

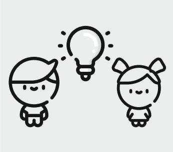

1. **सभी बच्चे सीख सकते हैं :** सभी बच्चों में मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण सभी बच्चे सीखने के लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह ज़रूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्राय: इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान कार्य में उनकी सक्रिय रूप से सहभागिता कितनी रही।

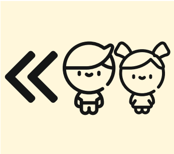

2. **कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव का उपयोग करना :** अगर हम कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें तो जहाँ एक तरफ बच्चों की समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वहीं दूसरी तरफ, कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया रोचक और प्रभावी हो जाती है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं, जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक हैं।

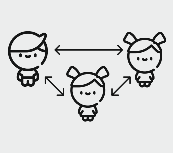

3. **बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना :** कक्षा- कक्षीय प्रक्रिया केवल शिक्षक केन्द्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपने हम-उम्र साथियों के साथ ज़्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नई बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर दिए जाएँ तो इसके परिणाम बेहतर होंगे।

4. **सीखने में बच्चों की मदद करना :** शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में सबसे ज़्यादा समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहें तो बच्चों को खुद से कार्य या अभ्यास करने के अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर ज़रूरत के हिसाब से शिक्षक को उनकी मदद करनी चाहिए।

5. **कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना :** यह ज़रूरी है कि कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करवा सकते हैं। शिक्षक और बच्चों के बीच, बच्चों और बच्चों के बीच संबंध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

6. **सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना :** एक शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिससे सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग-अलग रणनीतियाँ बनाई जा सकती हैं।

7. **सोचने की प्रक्रिया के मौके और प्रोत्साहन देना :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए, जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें सोचने और कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में सहभागिता के दौरान नियमित रूप से प्रोत्साहन मिले।

8. **बच्चों के घर की भाषा का उपयोग एवं सघन बातचीत के अवसर देना :** प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज़्यादा अपने घर की भाषा में सहज होते हैं और इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारा चिंतन संबंधी कार्य करते हैं। इसलिए उनके घर की भाषा एवं चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अवसर मिलेंगे, वे भाषायी रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ ही, उनमें अभिव्यक्ति-क्षमता और कल्पना-शक्ति का भी विकास होगा।

9. **सतत् आकलन :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत आकलन बहुत आवश्यक है। सतत आकलन के द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन-सा बच्चा अभी किस स्तर पर है और उसके लिए कौन-सी शिक्षण रणनीति ज़्यादा कारगर होगी।

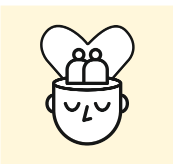

10. **सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम :** अनेक शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मज़बूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में, हमें बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग-अलग पहलुओं पर भी काम करते रहना होगा।

सीखने की परिकल्पना

बच्चे कैसे सीखते हैं?

बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ-साथ सीखने के लिए अनुकूल एवं उत्साहजनक परिवेश का होना भी ज़रूरी है। ये दोनों घटक: 'जन्मजात क्षमता' एवं 'सामाजिक परिवेश' साथ मिलकर बच्चों के अनुभव और समझ को गढ़ते हैं।

बच्चे अपनी इस समझ और अनुभव को स्वाभाविक रूप से अपने हाव-भाव के साथ घर की भाषा में सहजता से अभिव्यक्त करते हैं। इसलिए, यह कथन कि बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो वे खाली तख्ती की तरह नहीं होते हैं, बिलकुल सही है। बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो अपने साथ समृद्ध अनुभव लेकर आते हैं, जिसे घर की भाषा में मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकते हैं।

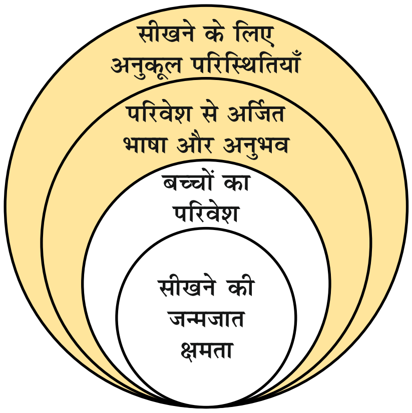

बच्चों के सीखने में विद्यालयों की भूमिका

ऐसे में अगर हम विद्यालयों में बच्चों के परिवेश, उनके अभी तक के अनुभव, समझ और उनके घर की भाषा के लिए जगह बनाते हैं और उनका प्रोत्साहन करते हैं तो उनके 'सीखने के अनुभव' और 'गति' को बल मिलता है। इसके साथ ही, इस तरह के अनुकूल वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने के प्रति रुचि एवं उत्साह को विकसित करते हैं।

सीखने की प्रक्रिया

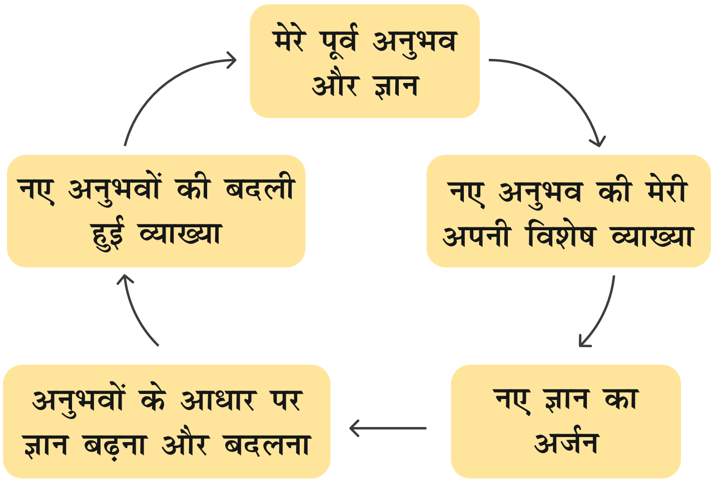

सीखना एक सतत प्रक्रिया है- यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितनी की बड़ों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते एवं गढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नए विचारों को बनाते हैं। इस तरह, नए अनुभव, उनके पहले के (संबंधित) अनुभवों से जुड़ते हैं और उनकी समझ को बढ़ाते एवं समृद्ध करते हैं या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए, ताकि हम हमेशा सजग रहें कि हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, शिक्षण अधिगम सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाइयों की पहचान कर सकें। साथ ही, लक्षित दक्षताओं को हासिल करने में बच्चों की मदद कर पाएँ। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएँगे या उनमें संशोधन कर, बिल्कुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएँगे। यह उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगा।

भाषा शिक्षण की पद्धति

संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति

पढ़ने की वास्तविक प्रक्रिया को यदि समझने का प्रयास करें तो हम पाएँगे कि 'शब्द-पहचान' और 'अर्थ निर्माण' की क्रिया साथ-साथ हो रही होती हैं। कुशल पठन न तो शब्दों को पहचाने बिना और न ही अर्थ समझे बिना किया जा सकता है। संतुलित भाषा पद्धति में बच्चों के साथ शब्द पहचान और अर्थ निर्माण पर साथ-साथ कार्य किया जाता है।

1. शब्द पहचान/डिकोडिंग

शब्द पहचान वर्ण-ध्वनि के संबंध को समझते हुए शब्द को पढ़ पाने की क्षमता है। डिकोडिंग सिखाने की प्रक्रिया को अंश आधारित भाषा शिक्षण कहा जाता है।

2. अर्थ निर्माण

अर्थ निर्माण का आशय भाषा के विभिन्न पहलुओं की समझ से है जिसके तहत समृद्ध शब्द-भंडार, सांसारिक समझ, वाक्य-विन्यास की समझ जैसे अर्थ निर्माण के कौशल आते हैं। सांसारिक समझ से अर्थ यह है कि स्कूल बोलने से बच्चे को स्कूल की पूरी तस्वीर और अनुभव नज़र आए। अर्थ निर्माण के कौशल के तहत कई चीज़ें आती हैं जैसे, अपने पूर्व ज्ञान का इस्तेमाल करना अथवा पाठ को अपने अनुभवों से जोड़ पाना, अनुमान लगाना, पाठ के अलग-अलग हिस्सों को आपस में जोड़ पाना, निष्कर्ष निकालना इत्यादि।

भाषा शिक्षण में दोनों तरह के कौशलों के कार्य में संतुलन होना चाहिए और बच्चों को इन दोनों प्रक्रियाओं को साथ-साथ विकसित करने के मौके मिलने चाहिए। इसे संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति कहा जाता है।

संतुलित भाषा पद्धति में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन सभी पर व्यवस्थित एवं नियमित रूप से कार्य करने की जरूरत है। प्रारंभिक कक्षाओं में प्रत्येक दिन निम्नलिखित चारों घटकों के अंतर्गत भाषा शिक्षण का कार्य किया जाना चाहिए।

भाषा शिक्षण की संतुलित पद्धति के चार मुख्य घटक

मौखिक भाषा विकास	डिकोडिंग	पठन	लेखन
कक्षा में बातचीत/कहानी/कविता/खेल के द्वारा भाषा विकास	ध्वनि चेतना, डिकोडिंग, शब्द/सरल वाक्य स्तर की गतिविधियाँ	शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना, बच्चों के द्वारा शिक्षक के मार्गदर्शन में और स्वतंत्र रूप से पढ़ना	बुनियादी लेखन और उच्चस्तरीय लेखन

मौखिक भाषा विकास: स्कूल आ रहे बच्चे मौखिक भाषा का उपयोग वैसे ही करते हैं जैसे वयस्क कर रहे होते हैं। उनका ज्ञान और समझ मौखिक भाषा में होता है। वे जानते हैं कि कोई बात कही जाती है। वे अपनी भाषा में संवाद के तरीके और इसकी शब्दावली से परिचित होते हैं। पढ़ना और लिखना एक तरह से मौखिक भाषा के पहलू सुनकर और बोलकर अपनी बात कहने का ही विस्तार हैं। बहुत से बच्चों की घर की भाषा स्कूल की भाषा से अलग होती है इसलिए बच्चों द्वारा स्कूल में स्थानीय भाषा के उपयोग को हतोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। बच्चे अपनी भाषा में जो जानते हैं, उसका साक्षरता अर्जित करने में उपयोग किया जाना चाहिए। मौखिक भाषा से जुड़ाव शुरुआती कक्षाओं में पढ़ना-लिखना सीखने के लिए ज़रूरी है। इससे सोचने, समझने, तर्क और विश्लेषण करने के कौशल मौखिक भाषा की गतिविधियों के माध्यम अच्छी तरह से विकसित होते हैं। ये पढ़कर समझने और लिखकर अपनी बात कहने की बुनियाद बनते हैं।

डिकोडिंगः पढ़ने के संदर्भ में डिकोडिंग को समझें तो यह कह सकते हैं कि अक्षर-ध्वनि संबंधों के ज्ञान का प्रयोग करके किसी शब्द को प्रिंट से ध्वनि में बदलने को डिकोडिंग कहा जाता है। इसमें नीचे चित्र में दी गई प्रक्रिया होती है। डिकोडिंग कौशल के लिए ज़रूरी है कि इन दोनों प्रक्रियाओं को अच्छे से करने की क्षमता हासिल की जाए। यह तभी संभव है जब वर्ण/अक्षर को तेजी से पहचाना जाए और उन्हें जोड़कर पढ़ने की कला सीखी जाए। शुरुआत में बच्चे ध्वनियों का अलग-अलग उच्चारण करते हैं पर जब उन्हें ध्वनियों को जोड़कर एक साथ बोलने का अधिक से अधिक अभ्यास मिलता है तो जल्दी ही सीधे-सीधे पूरे शब्दों को पढ़ना शुरू कर देते हैं। इसके लिए ज़रूरी है कि वर्ण/अक्षर सिखाने का एक क्रम काम में लिया जाए। जिससे बच्चे कुछ वर्णों और अक्षरों को पहचानने के साथ ही शब्द बनाना और पढ़ना सीखने लगें।

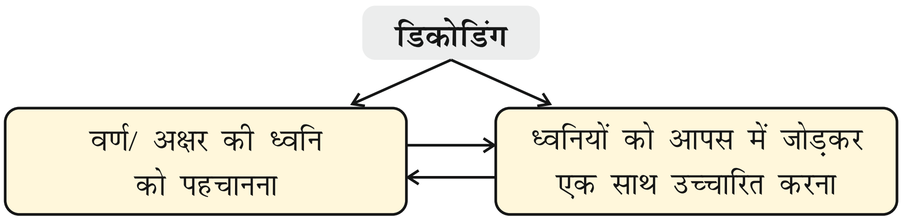

पठनः बच्चों के पठन कौशल विकास में योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की जरूरत होती हैं। सिर्फ शब्द पहचान के कौशल आ जाने से बच्चे स्वतः पढ़ना नहीं सीख जाते। उन्हें कई स्तरों पर मदद की आवश्यकता होती है। किताबों के प्रति लगाव और प्रिंट चेतना से शुरूआत करके स्वतंत्र पठन तक बच्चों को कैसे ले जाएँ, एक रणनीति बनाकर इस पर कार्य किया जाना चाहिए। जब बच्चे विद्यालय में आते हैं, तो किताबों को पढ़कर सुनाने और साझा पठन के माध्यम से उन्हें पढ़ने की प्रक्रिया में शामिल करने की रणनीति प्रभावी मानी जाती है। यह ना सिर्फ बच्चों को किताबों के साथ जुड़ने और पढ़ने के अनुभव लेने के मौके प्रदान करती है बल्कि लिखित भाषा के स्वरूप को समझने और उनसे अर्थ निकालने की प्रक्रिया भी यही से प्रारंभ हो जाती है।

लेखनः बच्चे स्वतंत्र रूप से अपनी बात लिख पाएँ, यह प्रारंभिक कक्षा के बच्चों के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है। उभरते लेखन से प्रारंभ होकर रचनात्मक लेखन के सफ़र तक बच्चे न सिर्फ आकृति को लिखकर अपनी बात बता पाते हैं बल्कि उनके सोचने और अभिव्यक्त करने के तरीके में सकारात्मक बदलाव आना शुरू हो जाता है। इसलिए पढ़ना सीखने के साथ-साथ लेखन कौशल के विकास में भी एक कारगर रणनीति की ज़रूरत होती है। लेखन के लिए आवश्यक कौशलों को इन दो वर्गों में बाँटकर देखा जा सकता है-

- **बुनियादी लेखन :** लिपि और ध्वनि के संबंध की समझ, सही वाक्य-संरचना और विराम चिन्हों की समझ। ये लेखन के बुनियादी कौशल हैं।
- **उच्चस्तरीय लेखन :** क्या लिखना है, इस बारे में सोचना, बात को क्रमबद्ध और तार्किक तरीके से व्यक्त करने का कौशल। ये लेखन के उच्चस्तरीय और रचनात्मक कौशल हैं।

बच्चों के बुनियादी लेखन को समृद्ध करने के साथ-साथ स्वतंत्र और अभिव्यक्ति लेखन का अभ्यास कराया जाना चाहिए। उच्चस्तरीय लेखन ज़्यादातर मौखिक गतिविधि से जुड़े होंगे। बुनियादी लेखन डिकोडिंग संबंधित लेखन से जुड़े होंगे।

कक्षा 1 में लेखन की गतिविधियाँ इस प्रकार हैं-

मौखिक भाषा से संबंधित लेखन | **डिकोडिंग से संबंधित लेखन**

कक्षा–1 के लिए लक्षित दक्षताएँ (2024–25)

एक शिक्षक के तौर पर आप यह बेहतर जानते और समझते हैं कि कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कुछ दक्षताओं का विकास करना होता है। ये दक्षताएँ विषयवार अलग–अलग होती हैं और कक्षावार क्रमिक रूप से आगे बढ़ती हैं। कक्षा 1 में भाषा की मुख्य अधिगम दक्षताओं को नीचे दी जा रही सूची में देखा जा सकता है :

मौखिक भाषा विकास	HIN101	विद्यार्थी सरल निर्देश / अभिवादन / शिष्टाचार / परिचय से संबंधित शब्दों / वाक्यों को सुनकर समझ सकते हैं और उसके अनुसार काम कर सकते हैं।
	HIN102	विद्यार्थी 4–6 पंक्तियों की कविता / बालगीत को सुनकर लय के साथ दोहरा सकते हैं ।
	HIN103	विद्यार्थी 5–6 पंक्तियों की छोटी कहानी को सुनकर समझ सकते है और उसे अपने शब्दों में बता सकते हैं तथा उस पर आधारित सरल प्रश्नों के जबाव घर की भाषा में दे सकते है।
	HIN104	विद्यार्थी अपने परिवेश में उपलब्ध परिचित चीजों के नाम हिन्दी में बता सकते हैं।
	HIN105	विद्यार्थी अपने बारे में और अपने आस–पास के परिवेश की चीजों के बारे में 3–4 वाक्य बोल सकते हैं और उनके बारे में, सरल प्रश्नों के जवाब घर की भाषा में दे सकते हैं।
	HIN106	विद्यार्थी चित्र को देखकर उसके बारे में 3–4 वाक्य घर की भाषा में बता सकते हैं।
डिकोडिंग	HIN107	विद्यार्थी परिचित लिखे हुए शब्दों को पढ़कर (लोगोग्राफिक) बता सकते हैं।
	HIN108	विद्यार्थी वर्ण एवं मात्र सहित वर्णों की ध्वनि एवं आकृति चिन्ह को पहचान–कर बता सकते हैं। (सभी वर्ण और 9 मात्राएँ, अनुस्वार व अनुनासिक – ा, ि, ी, ु, ू, ृ, े, ै, ो, ौ, ं, ँ)
पठन	HIN109	विद्यार्थी दो / तीन / चार अक्षर वाले सरल शब्दों को एवं चार–पाँच शब्दों वाले एक / दो सरल वाक्यों को पढ़कर (सीखे गए वर्ण / मात्राओं से बनने वाले) समझ सकते हैं।
	HIN110	विद्यार्थी चार–पाँच वाक्यों वाली सरल कहानी / पाठ को पढ़कर (सीखे गए वर्ण / मात्राओं से बनने वाले) समझ सकते हैं।
लेखन	HIN111	विद्यार्थी बिन्दुओं को मिलाकर चित्र बना सकते हैं एवं आड़ी-तिरछी रेखाओं को ठीक से बना सकते हैं।
	HIN112	विद्यार्थी अपना एवं अपने दोस्तों का नाम लिख सकते हैं। सुनी गई कहानी / कविता, घटना, पात्र के चित्र तथा परिवेश की चीजों के चित्र बनाकर उनमें रंग भर सकते हैं और देखकर उनके नाम लिख सकते हैं।
	HIN113	विद्यार्थी बिना मात्रा एवं मात्रा सहित वर्ण तथा दो / तीन / चार अक्षरों वाले शब्द लिख (सीखे गए वर्ण / मात्राओं से बनने वाले) सकते हैं।
	HIN114	विद्यार्थी चार–पाँच शब्दों वाला एक सरल वाक्य लिख (सीखे गए वर्ण / मात्राओं से बनने वाले) सकते हैं।

इन दक्षताओं को अकादमिक सत्र में प्राप्त करने के लिए शिक्षण योजनाएँ बनाई गई हैं जो इस शिक्षक संदर्शिका में दी गई हैं। इन शिक्षण योजनाओं में विभिन्न गतिविधियों एवं शिक्षण सामग्रियों को काम में लिया गया है, जो क्रमिक रूप से बच्चों को लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करेंगी। प्रत्येक शिक्षण योजना किसी निर्धारित शिक्षण उद्देश्य पर आधारित है। जैसा कि हमने पहले भी बात की है कि ये शिक्षण योजनाएँ 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' पर आधारित हैं, अत: मौखिक भाषा, डिकोडिंग, पठन एवं लेखन पर साथ–साथ कार्य किया जाएगा।

कक्षा-1 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा

संदर्शिका में 24 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है जिसमें चार खण्डीय रूपरेखा पर ज़ोर दिया गया है। इसमें मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग एवं पठन के व्यवस्थित शिक्षण को प्रस्तावित किया गया है। लेखन संबंधी गतिविधियाँ मौखिक और डिकोडिंग कार्य के साथ-साथ की जाएँगी। इसीलिए लेखन को अलग खण्ड की तरह नहीं दिखाया गया है। इन आयामों के अंतर्गत गतिविधियों को इस व्यवस्था में रखा गया है -

सामान्य रूपरेखा

90 मिनट शिक्षण योजना

खंड-1	खंड-2	खंड-3
मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं सम्बंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)
गतिविधियाँ	**गतिविधियाँ**	**गतिविधियाँ**
• कविता/बालगीत • चित्रों/चित्र–चार्ट पर चर्चा • मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना • कहानी पढ़कर सुनाना • अनुभव सुनना–सुनाना • मौखिक भाषा सम्बन्धी खेल/गतिविधि • उपरोक्त गतिविधियों से सम्बंधित लेखन	• ध्वनि चेतना की गतिविधियाँ • वर्ण/अक्षर पहचान की गतिविधियाँ • मात्रा पहचान की गतिविधियाँ • मिलाकर पढ़ना • शब्द/वाक्य आधारित गतिविधियाँ • अभ्यास पुस्तिका पर डिकोडिंग सम्बंधित कार्य • उपरोक्त गतिविधियों से सम्बंधित लेखन कार्य और श्रुतलेख	• बिग बुक आधारित कार्यः कहानी पढ़कर सुनाना, साझा पठन • लोगोग्राफिक रूप से शब्द पहचान के मौके • मार्गदर्शन में पठन • स्वतंत्र पठन (पुस्तक को उलटने पलटने का मौका देना और पुस्तक पढ़ने का प्रयास)
सामग्री	**सामग्री**	**सामग्री**
• कहानी की किताबें • झिलमिल कक्षा–1 • चित्र–चार्ट • कविता पोस्टर • नानी कहे कहानी	• झिलमिल कक्षा–1 • नई उमंग अभ्यास पुस्तिका • वर्ण/अक्षर कार्ड • ग्रिड कार्ड	• बिगबुक • नई उमंग अभ्यास पुस्तिका से पठन भाग के पाठ • पुस्तकालय से छोटी कहानियों की किताबें

कक्षा-1 में भाषा शिक्षण के लिए उपयोग में आने वाली सामग्री का विवरण

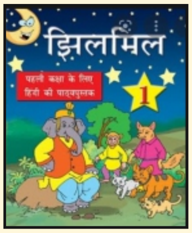

1. पाठ्यपुस्तक (झिलमिल-1)

पाठ्यपुस्तक का उपयोग कई तरह की गतिविधियों और कार्यों के लिए किया जाएगा।

2. अभ्यास पुस्तिका (नई उमंग)

सभी बच्चों के लिए अभ्यास पुस्तिका उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग डिकोडिंग और लेखन के लिए किया जाएगा।

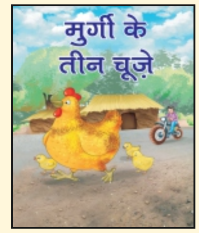

3. बिगबुक

कक्षा-1 के लिए 8 अलग-अलग बिगबुक उपलब्ध रहेंगी, जिनका उपयोग मुख्य रूप से बच्चों के साथ साझा पठन के लिए किया जाएगा।

4. कविता/बालगीत पोस्टर

कक्षा में 10 अलग-अलग कविता / बालगीतों के पोस्टर उपलब्ध रहेंगे। इन पोस्टरों में बच्चों के स्तर के परिवेशीय बालगीत/कविताएँ शामिल किये गए हैं।

5. चित्र-चार्ट

कक्षा-1 में सभी बच्चों के लिए बड़े आकार के 8 अलग-अलग चित्र-चार्ट उपलब्ध रहेंगे। इनका उपयोग मुख्य रूप से बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

6. नानी कहे कहानी

कक्षा-1 में 'नानी कहे कहानी' उपलब्ध रहेगी। इसमें शिक्षकों के लिए हिंदी भाषा की कविताओं, पहेलियों और कहानियों का संकलन दिया गया है।

ग	का
आ	र

7. वर्ण/अक्षर कार्ड

कक्षा-1 में 64 वर्ण/अक्षर और मात्रा कार्ड उपलब्ध रहेंगे। शिक्षक इनका उपयोग बच्चों को वर्ण, अक्षर और मात्राओं की पहचान के लिए करेंगे।

आ	म	न
क	म	ग
आ	ग	म
क	र	म

8. ग्रिड कार्ड

कक्षा-1 में 18 ग्रिड कार्ड बच्चों के लिए उपलब्ध रहेंगे। शिक्षक इनका उपयोग बच्चों के साथ वर्ण और अक्षर की पहचान के साथ-साथ वर्णों/अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाकर पढ़ने के अभ्यास के लिए भी कर सकेंगे।

9. कहानी की पुस्तकें

स्कूलों में बच्चों के स्तर की विभिन्न कहानी की किताबें उपलब्ध हैं। इन किताबों को कहानी सुनाने और बच्चों को उलटने-पलटने/पढ़ने के लिए काम लिया जाएगा।

नोट: यदि सामग्री संख्या 4, 5, 6, 7 और 8 कक्षा में उपलब्ध नहीं है तो आप स्वयं से इन सामग्रियों का निर्माण करें। यदि सामग्री संख्या 3 और 9 कक्षा में उपलब्ध नहीं है तो पुस्तकालय से या अपने आसपास से किताबों का प्रयोग कर सकते हैं।

भाषा शिक्षण की वार्षिक योजना

अकादमिक सत्र 2024–25 में कुल 24 सप्ताह की शिक्षण योजना पर कार्य किया जाएगा। इसमें भाषा शिक्षण के 4 घटकों (मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन एवं लेखन) पर कार्य होगा ताकि बच्चे निर्धारित कौशल एवं दक्षताओं में निपुणता हासिल कर पाएँ। नीचे अलग–अलग सप्ताह समूहों में किन दक्षताओं पर कार्य किया जाना है, इसे प्रदर्शित किया जा रहा है।

सप्ताह संख्या	किये जाने वाले कामों का विवरण
सप्ताह 1—4	• मौखिक भाषा से जुड़ी गतिविधियाँ–बालगीत, कहानी सुनाना/कहानी पढ़कर सुनाना, चित्र पर चर्चा, अनुभव पर चर्चा और मौखिक खेल। • ध्वनि जागरुकता के कार्य। • बिग बुक पर कार्य–आदर्श पठन, साझा पठन और दो दिन स्वतंत्र पठन, लोगोग्रफिक पठन। • अनगढ़ लेखन।
सप्ताह 5—10	• मौखिक भाषा से जुड़ी गतिविधियाँ–बालगीत, कहानी सुनाना/कहानी पढ़कर सुनाना, चित्र पर चर्चा, अनुभव पर चर्चा और मौखिक खेल। • डिकोडिंग में वर्ण/मात्रा पहचान की गतिविधियाँ, अभ्यास पुस्तिका में कार्य। • बिग बुक पर कार्य–आदर्श पठन, साझा पठन और स्वतंत्र पठन, लोगोग्रफिक पठन। • मौखिक भाषा और पठन–आधारित लेखन।
सप्ताह 11	• सावधिक आकलन 1 और रेमेडियल कार्य।
सप्ताह 12—19	• मौखिक भाषा से जुड़ी गतिविधियाँ–बालगीत, कहानी सुनाना/कहानी पढ़कर सुनाना, चित्र पर चर्चा, अनुभव पर चर्चा, अभिनय और मौखिक खेल। • डिकोडिंग में वर्ण/मात्रा पहचान की गतिविधायाँ, अभ्यास पुस्तिका में कार्य। • ग्रेडेड पाठ और डिकोडेबल पाठ पर पठन अभ्यास, 1 दिन स्वतंत्र पठन। • मौखिक भाषा और पठन–आधाारित लेखन।
सप्ताह 20	• सावधिक आकलन 2 और रेमेडियल कार्य
सप्ताह 21—24	• मौखिक भाषा से जुड़ी गतिविधियाँ–बालगीत, कहानी सुनाना/कहानी पढ़कर सुनाना, चित्र पर चर्चा, अनुभव पर चर्चा/अभिनय और मौखिक खेल। • डिकोडिंग में वर्ण/मात्रा पहचान की गतिविधियाँ, अभ्यास पुस्तिका में कार्य। • ग्रेडेड पाठ और डिकोडेबल पाठ पर पठन अभ्यास, 1 दिन स्वतंत्र पठन। • मौखिक भाषा और पठन–आधारित लेखन।
सत्र के अंत में	• वार्षिक आकलन

डिकोडिंग का साप्ताहिक शिक्षण ढाँचा

24 सप्ताह की योजना को दो हिस्सो में देखा जा सकता है-

खंड-1 (सप्ताह 1 से 4)

इसमें प्रत्येक सप्ताह 6 दिन का शिक्षण कार्य मानते हुए दैनिक कार्य किया जाएगा। सप्ताह के सभी दिन उभरती साक्षरता/विद्याप्रवेश के कौशलों पर कार्य होगा। अभ्यास पुस्तिका में प्रत्येक सप्ताह के लिए 5 कार्य पत्रक दिए गए है। छठे दिन शिक्षक जरूरत के हिसाब से दोहरान कार्य या बच्चों को स्वतंत्र रूप से कार्य दे सकता है।

आइए, खण्ड-1 को नीचे दिए गए डायग्राम की मदद से समझते हैं-

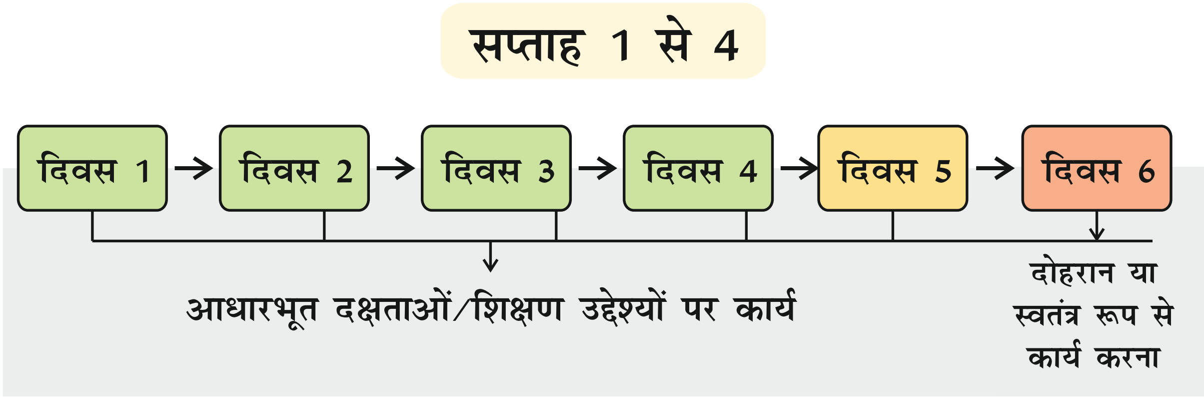

खंड-2 (सप्ताह 5 से 24)

इसमें प्रत्येक सप्ताह 6 दिन का शिक्षण कार्य मानते हुए दैनिक कार्य किया जाएगा, जिसमें पहले चार दिन नए कौशलों पर कार्य होगा। पाँचवें दिन उन कौशलों पर सामान्य पुनरावृत्ति और साप्ताहिक आकलन किया जाएगा। आकलन के आधार पर दो समूहों में पुनरावृत्ति कार्य होगा। समूह 1 उन बच्चों का होगा जो सीखने में संघर्ष कर रहे है। इनके साथ शिक्षक के निर्देशन में कार्य होगा। समूह 2 दक्षता हासिल कर चुके बच्चों का होगा। ये बच्चें स्वतंत्र रूप से कार्य करेंगे।

आइए, खण्ड-2 को नीचे दिए गए डायग्राम की मदद से समझते हैं-

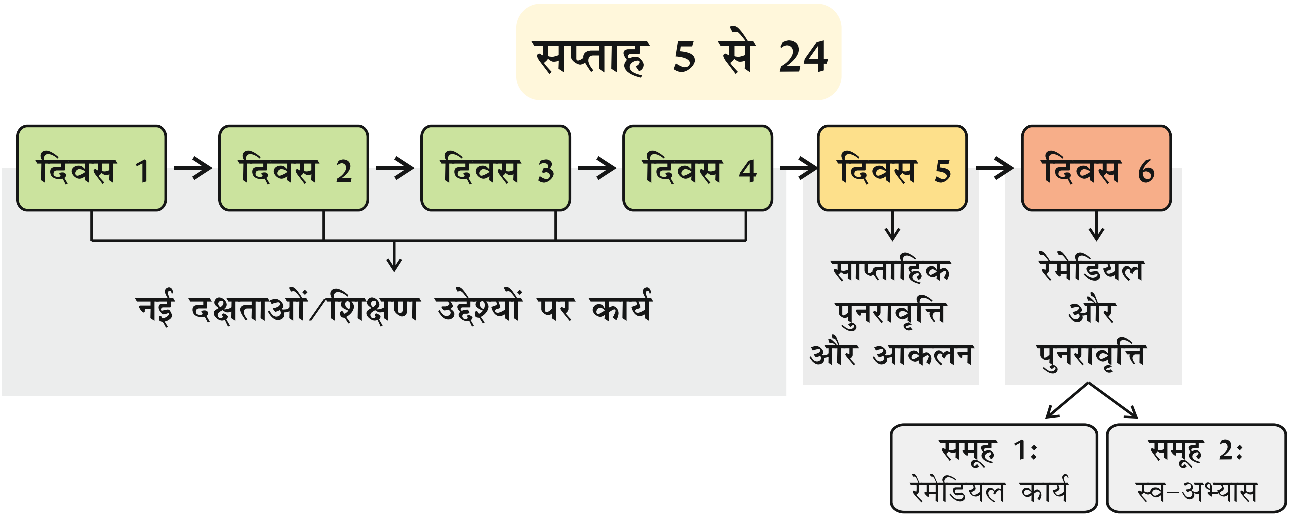

साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा

सप्ताह 1 से 11

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन (सामान्य पुनरावृत्ति एवं साप्ताहिक आकलन)	छठा दिन (साप्ताहिक पुनरावृत्ति दो समूह में)
मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	बालगीत/ कविता	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा	✓					
	कहानी पढ़कर सुनना और चर्चा				✓		
	चित्रों और चित्र–चार्ट पर चर्चा		✓	✓			
	अनुभव पर चर्चा					✓	
	मौखिक खेल/गतिविधि						✓
	सम्बंधित लेखन	✓	✓	✓	✓	✓	✓
डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट) (सप्ताह 5 से 10)	ध्वनि जागरूकता (सप्ताह 1 से 4)	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	वर्ण/अक्षर पहचान	✓	✓	✓	✓		
	शब्द/वाक्य पठन	✓	✓	✓	✓		
	अभ्यास पुस्तिका पर कार्य	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	झिलमिल पर कार्य	✓	✓	✓	✓		
	आकलन एवं रेमेडियल कार्य					✓	✓
पठन एवं संबंधित लेखन (20 मिनट)	बच्चों को बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना/साझा पठन करना	✓	✓	✓	✓		
	मार्गदर्शन में पठन (सप्ताह 7 से 10)					✓	
	किताबें उलटना–पलटना स्वतंत्र पठन (सप्ताह 1 से 6)					✓	✓
	किताबें उलटना–पलटना स्वतंत्र पठन (सप्ताह 7 से 10)						✓
सप्ताह 11 सावधिक आकलन 1 और रेमेडियल कार्य							

*सप्ताह 1 से 6 तक पाँचवे और छठे दिन बच्चों को पुस्तकालय की किताबों को उलटने पलटने के लिए स्वतंत्र पठन हेतु दी जाएँगी। सप्ताह 7 से यह कार्य केवल छठे दिन ही होगा।

*डिकोडिंग खण्ड के दौरान शुरूआती 4 सप्ताह केवल अभ्यास पुस्तिका पर कार्य और ध्वनि जागरूकता की गतिविधियाँ की जाएँगी।

सप्ताह 12 से 24

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन (सामान्य पुनरावृत्ति एवं साप्ताहिक आकलन)	छठा दिन (साप्ताहिक पुनरावृत्ति दो समूह में)
मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	बालगीत/ कविता	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा	✓					
	कहानी पढ़कर सुनना और चर्चा				✓		
	चित्रों और चित्र–चार्ट पर चर्चा		✓	✓			
	अनुभव पर चर्चा/अभिनय					✓	
	मौखिक खेल/गतिविधि						✓
	सम्बंधित लेखन	✓	✓	✓	✓	✓	✓
डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट) (सप्ताह 5 से 10)	वर्ण/अक्षर पहचान	✓	✓	✓	✓		
	शब्द/वाक्य पठन	✓	✓	✓	✓		
	अभ्यास पुस्तिका पर कार्य	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	झिलमिल पर कार्य	✓	✓	✓	✓		
	आकलन एवं रेमेडियल कार्य					✓	✓
पठन एवं संबंधित लेखन (20 मिनट)	मार्गदर्शन में पठन (डिकोडेबल पाठ से)		✓	✓	✓	✓	
	मार्गदर्शन में पठन (ग्रेडेड पाठ)	✓					
	किताबें उलटना–पलटना स्वतंत्र पठन (पुस्तकालय की किताबों से)						✓
सप्ताह 20 सावधिक आकलन 2 और रेमेडियल कार्य							
सप्ताह 24 के बाद वार्षिक आकलन							

पाठ्यपुस्तक (झिलमिल- 1) के उपयोग की रणनीति

भाषा विकास का मतलब मौखिक, पठन और लेखन कौशलों का सामानांतर ढंग से विकास है। इसीलिए हमारा मानना है कि शुरुआती कक्षाओं में भाषा के सभी आयामों (मौखिक, डिकोडिंग, पठन और लेखन) पर सामानांतर कार्य किया जाना चाहिए। इसके लिए विविध तरह की गतिविधियों और सामग्रियों का उपयोग अपेक्षित है। हम ये भी मानते हैं कि भाषाई कौशलों के विकास के लिए किसी एक पुस्तक की वजाय शिक्षण सामग्री पैकेज की जरुरत होती है, जिसमें विविध तरह की सामग्री और गतिविधियाँ समाहित हों। भले ही शिक्षक के दृष्टिकोण से सामग्री का पैकेज के रूप में होना थोड़ा चुनौतीपूर्ण लगता हो, पर बेहतर प्रशिक्षण और स्पष्ट दिशा निर्देशों द्वारा यह आसानी से किया जा सकता है। इसके लिए प्रत्येक शिक्षक संदर्शिका की जरुरत होती है जिसमें सामग्री के उपयोग और गतिविधियों को करने के स्पष्ट निर्देश उदाहरणों सहित दिए गए हों।

निपुण हरियाणा के तहत बच्चों में कक्षा 1 के अंत तक जिन भाषाई कौशलों के विकास का लक्ष्य रखा गया है, उन्हें हासिल करने के लिए वर्तमान सत्र (2024–25) में भाषा शिक्षण के लिए शिक्षण सामग्री पैकेज का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पैकेज में प्रत्येक बच्चे के लिए पाठ्यपुस्तक झिलमिल के अलावा, एक अभ्यास पुस्तिका भी दी गई है। कक्षावार कुछ सहायक शिक्षण सामग्री (चित्र–चार्ट, कविता–कहानी चार्ट, बिग बुक, कार्ड आदि) भी उपलब्ध करवाई गई है। इस सामग्री पर बच्चों के साथ कैसे कार्य करना है, इसके लिए शिक्षक को एक शिक्षक संदर्शिका उपलब्ध करवाई गई है। शिक्षक संदर्शिका में साप्ताहिक और दैनिक शिक्षण योजना के साथ साथ प्रत्येक सामग्री के उपयोग का व्यवस्थित और विस्तृत विवरण है। पाठ्यपुस्तक के अध्यायों की प्रकृति को देखते हुए एक रणनीति के साथ इसका उपयोग किया गया है। यानि शिक्षण में पाठ्यपुस्तक का उपयोग नियमित रूप से किया जाना चाहिए। कक्षा 1 में झिलमिल पाठ्यपुस्तक का उपयोग सत्र 2024–25 में पूरे वर्ष भर किस तरह से करना है ये नीचे दिए गए विवरण से समझते हैं।

भाषाई आयाम	विवरण और उपयोग
मौखिक भाषा विकास	• झिलमिल में कुल 14 कविताएँ दी गयी हैं। कविता पोस्टर, नानी कहे कहानी और स्थानीय कविताओं के साथ–साथ सप्ताह में कम से कम एक दिन झिलमिल से कविता गाने को योजना में रखा गया है। • झिलमिल में कुछ सघन चित्रों के साथ कई अन्य तरह के चित्र भी दिए गए है। यह बच्चों की पसंद, पक्षी, पशु, फल, फूल, यातायात के साधन आदि के बारे में है। साथ ही एकाध चित्र कहानियाँ भी दी गई हैं। इन सभी तरह के चित्रों पर चर्चा को योजनाओं में शामिल किया गया है। विस्तृत जानकारी के लिए साप्ताहिक / दैनिक योजना ट्रैकर में देखा जा सकता है।
डिकोडिंग पठन	• जिस वर्ण पर योजना के तहत कार्य किया जा रहा है, झिलमिल के उस वर्ण के पृष्ठ पर कार्य सुझाया गया है। उदाहरण के लिए – सप्ताह 10 में वर्ण "ख" पर कार्य प्रस्तावित है तो उस सप्ताह में झिलमिल के पृष्ठ 46 पर दिए गए "ख" अभ्यास के कार्य को भी करना है। इसको आप गृह कार्य में भी दे सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए साप्ताहिक / दैनिक योजना ट्रैकर में देखा जा सकता है।

गतिविधियों पर कार्य कैसे करें ?

इस संदर्शिका के पृष्ठ 17–49 पर साप्ताहिक और दिवसवार योजना की गतिविधियों का विस्तृत विवरण है, जिसे इस प्रकार समझ सकते हैं –

- मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ — 17 से 29
- डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ — 30 से 43
- पठन गतिविधियाँ — 44 से 49
- पुनरावृत्ति और आकलन — 53 से 78
- साप्ताहिक व दैनिक शिक्षण योजना — 50 से 52

गतिविधि के मुख्य चरण

प्रत्येक गतिविधि करवाने के लिए मुख्य चरण दिए गए हैं। शिक्षक कक्षा में गतिविधि करवाने के इन चरणों को पढ़कर समझ लें। आप इसको आधार बनाकर अपनी शिक्षण योजना तैयार कर सकते हैं।

शिक्षण योजना

शिक्षण योजना गतिविधि को कक्षा में करवाने के लिए एक विस्तृत उदाहरण है। इसमें आपको गतिविधि के लक्ष्य, आवश्यक तैयारी एवं सामग्री की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। साथ ही, ध्यान रखने योग्य मुख्य बातों के साथ गतिविधि को करवाने की प्रक्रिया भी दी गई है।

गतिविधियों को कक्षा में प्रभावी रूप से करवाने के लिए निम्न बातों का ध्यान रखें–

- शिक्षक दिवसवार योजना को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें तथा जिस गतिविधि को कक्षा में करवाना है, उस गतिविधि के लिए दी गई शिक्षण योजना एवं गतिविधियों के चरणों को समझते हुए आवश्यक पूर्व तैयारी कर लें।
- शिक्षण योजना में प्रत्येक गतिविधि/दिवस के लिए एक अधिगम उद्देश्य निर्धारित है, जिसके लिए आइकन का उपयोग किया गया है। शिक्षण योजना के लिए आइकन का उपयोग किया गया है।
- किसी गतिविधि को नए विषयवस्तु के साथ कक्षा में करने के लिए मुख्य चरण शिक्षण योजना के नीचे दिए गए हैं। इन चरणों को आधार बनाकर आप इस गतिविधि को आगे कक्षा में करवाएँ। मुख्य चरणों के लिए आइकन का उपयोग किया गया है।
- गतिविधियों को करवाते समय तथा करवाने के बाद अनौपचारिक आकलन के द्वारा बच्चों के सीखने की स्थिति जाँचें और अपनी शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा करें। समय–समय पर समीक्षा के आधार पर शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव करें।
- पृष्ठ 79–86 पर उदाहरण स्वरूप शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं, जिनको आधार बनाकर आप कक्षा में गतिविधियाँ करवाएँ।
- शिक्षक स्वयं भी अलग–अलग विषयवस्तु और दक्षताओं के लिए शिक्षण योजना का निर्माण करके लागू कर सकते हैं। शिक्षक अपनी शिक्षण योजना बनाने के लिए दिए गए शिक्षण योजना के उदाहरणों को आधार बना सकते हैं।

मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ

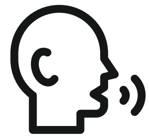

मौखिक भाषा विकास

5 मिनट

वातावरण निर्माण के लिए बालगीत / कविताएँ गाना (6 दिन)

25 मिनट

- चित्रों/चित्र–चार्ट पर चर्चा (2 दिन)
- अनुभव पर चर्चा/अभिनय (1 दिन)
- मौखिक कहानी सुनाना/पढ़कर कहानी सुनाना और चर्चा (1 दिन)
- मौखिक खेल/गतिविधि (1 दिन)
- संबंधित लेखन (6 दिन)

बालगीत/कविता सुनना-सुनाना

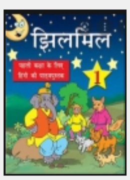

सामग्री : नानी कहे कहानी, झिलमिल–1, कविता पोस्टर

5-7 मिनट

इस गतिविधि के लिए झिलमिल–1, कविता पोस्टर और ''नानी कहे कहानी'' से कोई भी कविता ली जा सकती है। आप स्थानीय कविताओं को भी शामिल करें। प्रतिदिन एक कविता पर कार्य करें। शुरुआत के दिनों में छोटी–छोटी कविताओं का चयन करें। कविताओं पर कार्य करने के लिए नीचे दिए गए क्रम के आधार पर कार्य को किया जा सकता है

- शिक्षक पहले बच्चों को कविता लय के साथ गाकर सुनाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों को साथ में दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा 2–3 बार करें ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और बच्चों से सुनाने को कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी हुई कविता उनसे सुनें।
- शिक्षक आवश्यकतानुसार बालगीत/कविता पर बच्चों से चर्चा करें।

चित्रों/चित्र-चार्ट पर कार्य

सामग्री : चित्र–चार्ट, झिलमिल

20 मिनट

चित्र पर चर्चा के लिए चित्र-चार्ट और पाठ्यपुस्तक के चित्र काम में लें। चित्र पर बातचीत करने के विविध स्तर हो सकते हैं, जो क्रमशः सरल यानि जो दिख रहा है उनके नाम बताने से लेकर, संबंध बताने वाले, तर्क करने वाले और खुद के अनुभवों से जोड़ने वाले हो सकते हैं। इस बात का ध्यान रखने की अत्यधिक आवश्यकता है कि बातचीत के लिए बच्चों को अपनी भाषा के उपयोग के मौके मिलने चाहिए।

चित्र-चार्ट पर कार्य करने की शिक्षण योजना का उदाहरण

चित्र के बारे में अपनी भाषा में 2-3 वाक्यों में बताना।

मौखिक भाषा — **20 मिनट**

चित्र पर चर्चा एवं लेखन कार्य

तैयारी और सामग्री

- चित्र-चार्ट- सर्कस, बोर्ड, चाक
- चार्ट को देखकर समझना और चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का चयन करना

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- स्थानीय भाषा में बात करते हुए चर्चा प्रारंभ करें।
- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- अगर बातचीत में ऐसा कोई शब्द आता है, जो ज्यादातर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- अगर इस विषय में कोई पूर्व बातचीत हुई है तो उसे भी चर्चा में शामिल करें।
- खुले छोर के प्रश्न के उत्तर एक से अधिक हो सकते हैं। अतः यह ध्यान रखें कि बच्चों के उत्तरों को नकारा न जाए।

प्रक्रिया (पहला दिन)

- बच्चों को उपसमूहों (4-5 बच्चों के) में बिठाएँ। प्रत्येक समूह को एक चित्र-चार्ट दें।
- बच्चों को चित्र देखने के लिए कहें और प्रश्नों के द्वारा संवाद करने के लिए प्रेरित करें।
- किसी एक समूह के साथ जुड़कर बच्चों से बंद छोर के सीधे एवं सरल प्रश्न पूछें। जैसे-
  - यह चित्र कहाँ का है?
  - चित्र में क्या हो रहा है?
  - चित्र में क्या-क्या दिख रहा है?
- चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों के अनुभवों से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछें।
- दूसरे समूहों में जाकर बच्चों की मदद करें।
- संबंधित लेखन कार्य जैसे- चित्र से जुड़े शब्द लिखें और फिर साथ में पढ़ें या दोहराएँ या साझा लेखन करवाएँ।

प्रक्रिया (दूसरा दिन)

- बच्चों को उपसमूहों (4-5 बच्चों के) में बिठाएँ। प्रत्येक समूह को एक चित्र-चार्ट दें और आपस में चर्चा करने के कहें।
- कक्षा में घूमकर देखें कि बच्चे आपस में बातचीत कर पा रहे हैं या नहीं, उनकी चर्चा करने में मदद करें।
- किसी एक समूह में जाकर खुले छोर वाले सवाल पूछें। जैसे-
  - बच्चे सर्कस में कैसे पहुँचे होंगे?
  - आइसक्रीम कितने रुपये की मिली होगी?
  - क्या तुम किसी मेले में गए हो, वहाँ तुमने क्या किया?
- अब दूसरे समूहों में जाकर बच्चों की बातचीत में मदद करें।
- संबंधित लेखन कार्य (कल्पना वाले) करवाएँ। जैसे-
  - मेले से आप क्या-क्या खरीदेंगे? उन चीजों के चित्र बनाओ।
  - मेले में जो चीजें देखी उनके चित्र बनाओ?

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में भाग लिया?
- क्या सभी बच्चे अपनी बात बोल पा रहे थे?
- क्या बच्चों को अपनी घर की भाषा में बोलने का मौका मिला?
- अगर नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें, जो पीछे रहे और अगली बार कक्षा में उन्हें विशेष रूप से मौके देने और भाग लेने के लिए प्रेरित करने पर जोर दें।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें-

पहला दिन	दूसरा दिन
बच्चों के बीच समूह (4-5 बच्चों के) बनाकर चित्र-चार्ट दें।	पहले दिन की तरह बच्चों के समूह में चित्र-चार्ट दें और उन्हें आपस में चर्चा करने को कहें।
बच्चों को चित्र के बारे में बताएँ और प्रश्नों के द्वारा उन्हें संवाद के लिए प्रेरित करें।	बच्चों के बीच आपस में संवाद को बढ़ावा देना और गौर करें कि सभी बच्चे इस बातचीत में भाग ले रहे हैं या नहीं।
बंद छोर वाले सरल और आसान प्रश्न पूछकर चर्चा करें।	समूह में जाकर बच्चों को कल्पना करने, अनुमान लगाने (खुले छोर वाले) वाले प्रश्न इत्यादि की मदद से चर्चा करना।
चित्र से जुड़े शब्दों को बच्चों से पूछकर लिखें और फिर साथ में पढ़ें।	बच्चों को उनकी कल्पना से जुड़े लेखन कार्य करवाना। जैसे- दुकान से आपने क्या-क्या खरीदा, उनका चित्र बनाओ?

ध्यान रखने योग्य बातें:

- चर्चा बच्चों की स्थानीय/घर की भाषा में हो।
- चित्र चार्टों की उपलब्धता के आधार पर बच्चों के उप समूह बनाएँ।
- बातचीत के दौरान बच्चों के उच्चारण की गलतियों पर ध्यान न दें।
- बातचीत की शुरूआत बंद छोर के सवालों से होनी चाहिए। बाद में खुले छोर के और अनुभवों से जुड़े सवाल पूछें जाएँ।
- चित्र-चार्ट पर चर्चा पूरी होने के बाद उससे जुड़ा लेखन कार्य जरूर करवाएँ।

मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना

सामग्री: नानी कहे कहानी या स्थानीय कहानी

20 मिनट

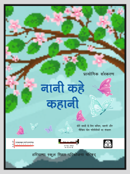

कहानी सुनाने से पहले शिक्षक तैयारी के तौर पर कहानी समझ लें। बच्चों के लिए कहानी ऐसी ली जाए, जो रोचक, छोटी, सरल और उनके बौद्धिक स्तर के अनुरूप हो। कहानी के लिए स्पष्ट और सरल भाषा शैली का इस्तेमाल करें। इसके साथ-साथ स्थानीय भाषा के शब्दों का उपयोग करें। आप स्थानीय कहानियों का भी चयन करें।

कहानी सुनाने की शिक्षण योजना का उदाहरण

बच्चे द्वारा कहानी को सुनकर समझ पाना और प्रतिक्रिया देना

मौखिक भाषा — 20 मिनट

मौखिक रूप से कहानी सुनाना और चर्चा

तैयारी और सामग्री

- नानी कहे कहानी या स्थानीय कहानियाँ, आदि।
- शिक्षक द्वारा कहानी को पहले से पढ़कर उस पर अपनी समझ बनाना और कहानी में आए कठिन शब्दों या अवधारणा की पहचान करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कहानी सुनाने के दौरान स्पष्ट और सरल भाषा शैली का इस्तेमाल करें।
- ऐसी कहानी का चयन करें जो बच्चों के लिए रोचक, सरल, छोटी व उनके बौद्धिक स्तर के अनुरूप हो।
- कहानी में अनुमान लगाते समय अधिक सवाल न पूछें क्योंकि इससे कहानी सुनने का मजा खराब हो सकता है।
- कहानी पर चर्चा स्थानीय भाषा या हिन्दी में ही करें।

प्रक्रिया

- कक्षा की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसमें सभी बच्चों को हिस्सा लेने के लिए उनका प्रोत्साहन करें। (5-7 मिनट)
- अब बच्चों को गोल घेरे में बिठाएँ और शिक्षक स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ और कहें- आज मैं आप सभी को एक कहानी सुनाऊँगा/सुनाऊँगी, जिसका नाम है - 'कछुआ और खरगोश।' अब बच्चों से कहानी के नाम से अनुमान लगाने के लिए कहें। जैसे- बच्चों के अनुसार कहानी में कौन-कौन होगा? क्या हुआ होगा? आदि।
- अब शिक्षक 'कछुआ और खरगोश' कहानी को बच्चों को आवाज में उतार-चढ़ाव और हाव-भाव का उपयोग करते हुए कहानी मौखिक रूप से सुनाएँ। (स्थानीय भाषा में)
- कहानी सुनाते समय अधिक चर्चा करने से बचें। बीच-बीच में 1-2 अनुमान लगाने वाले प्रश्नों को पूछकर यह सुनिश्चित करें कि बच्चों का पूरा ध्यान कहानी सुनने पर है या नहीं। जैसे-
  - क्या खरगोश जीत जाएगा?
  - खरगोश बीच में क्यों रुका होगा?
  - अब कछुआ क्या करेगा? आदि।
- कहानी सुनाने के दौरान यदि कोई कठिन या अनजान शब्द आता है तो बच्चों को उनका अर्थ संदर्भ के साथ समझाएँ, जैसे- जीत, गति, रेस आदि। कहानी सुनाते समय या चर्चा के लिए स्थानीय या हिन्दी का ही प्रयोग करें।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों से कहानी से संबंधित बंद छोर (तथ्यात्मक) और खुले छोर (उच्च स्तरीय चिंतन) दोनों तरह के प्रश्न पूछें। जैसे-

- ◯ कहानी में कौन-कौन था?
- ◯ दौड़ लगाने की बात किसने की थी?
- ◯ दौड़ में जीत किसकी हुई?
- ◯ अगर खरगोश आराम न करता तो दौड कौन् जीतता?
- ◯ कहानी में कछुआ की जगह अगर लोमड़ी होती तो कौन दौड़ जीतता?
- ◯ इस कहानी को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है? आदि।

- उपरोक्त प्रश्नों की मदद से चर्चा को समृद्ध करें।
- बच्चों को अपनी नोटबुक निकालने को कहें। उन्हें बताएँ- आप 'खरगोश और कछुआ' के अलावा किन-किन जानवरों के बीच रेस देखना चाहते हैं? चित्र बनाकर बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चे समझने में कठिनाई महसूस कर रहे थे? इसका कारण जानने की कोशिश करें।
- जो बच्चे सुनने में ध्यान नहीं दे पा रहे थे, उनसे बात करें और कारण जानकर उस पर कार्य करने पर जोर दें ।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

1. कहानी सुनाने से पहले बच्चों को कहानी का नाम बताएँ और अनुमान लगवाएँ। (कहानी में क्या होगा? कहानी में कौन होंगे?)
2. कहानी सुनाते समय आवाज में उतार-चढ़ाव और हाव-भाव का उपयोग करें।
3. कहानी सुनाने के दौरान बच्चों से बीच-बीच में एक-दो अनुमान लगाने से संबंधित प्रश्न पूछें। यह भी ध्यान रखें कि बच्चों से अधिक सवाल न पूछे जाएँ क्योंकि इससे कहानी सुनने का मज़ा खराब हो सकता है।
4. अगर कोई कठिन या अनजान शब्द कहानी के दौरान मिले तो बच्चों को उसका अर्थ स्थानीय भाषा की मदद से समझा दें।
5. कहानी सुनाने के बाद बच्चों से बातचीत करें। बंद और खुले छोर के प्रश्नों की मदद लें, जो बच्चों को समझ बढ़ाने में मदद करें।
6. अंत में, कहानी से जुड़ी कोई लेखन गतिविधि जैसे- चित्र बनाना, पात्रों के नाम लिखना, रंग भरना इत्यादि करवाएँ।

कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा

सामग्री: नानी कहे कहानी, कहानी की किताबें (कक्षा-1 के स्तर की)

20 मिनट

पढ़कर सुनाना एक संवादात्मक प्रकिया है, जिसमें बच्चे और शिक्षक लिखित पाठ को आधार बनाकर समृद्ध चर्चा करते हैं। इसके लिए बिगबुक या कहानी की कोई अच्छी किताब ली जा सकती है। किताब का चयन बच्चों के परिवेश, भाषाई स्तर, रुचि, इत्यादि को ध्यान में रखकर करना चाहिए। कहानी पढ़कर सुनाने और चर्चा की शिक्षण योजना इस प्रकार है-

कहानी पढ़कर सुनाने की शिक्षण योजना का उदाहरण

बच्चे कहानी की लिखित भाषा को सुनकर, वाक्य बनावट और शब्दावली को समझ सकेंगे।

मौखिक भाषा — 20 मिनट

कहानी पढ़कर सुनाना और चर्चा

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय से कहानी की किताब 'चूहे को मिली पेंसिल' निकाल लें। (कक्षा-1 के स्तर की)
- शिक्षक कहानी को पहले से पढ़कर उस पर अपनी समझ बना लें और कहानी में आए कठिन शब्द या अवधारणा की पहचान कर लें।
- शिक्षक कहानी के कुछ मुख्य शब्दों, जैसे- चूहा, पेंसिल, बिल्ली, बिल, लकड़ी, दाँत, चित्र, चबाकर, गोला, पनीर, चहका, डर आदि के कार्ड बनाकर दीवार पर चिपका सकते हैं या बोर्ड पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिख सकते हैं।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- पढ़कर सुनाने के दौरान स्पष्ट और सरल भाषा शैली का इस्तेमाल करें।
- बातचीत के लिए स्थानीय या हिन्दी भाषा का उपयोग करें।
- पठन के दौरान अधिक चर्चा नहीं की जाए। यह जरूर सुनिश्चित करें कि बच्चों का पूरा ध्यान कहानी सुनने पर हो।

प्रक्रिया — 20 मिनट

- कक्षा की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसमें सभी बच्चों को हिस्सा लेने के लिए उनका प्रोत्साहन करें। इस गतिविधि के लिए 5 से 7 मिनट का ही समय दें।
- अब बच्चों को गोल घेरे में बिठाएँ और शिक्षक स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ और कहें- *आज हम एक कहानी सुनेंगे, जिसका नाम है- 'चूहे को मिली पेंसिल'।* अब बच्चों को किताब का चित्र दिखाते कुछ प्रश्न पूछकर कहानी के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें, जैसे- आपके अनुसार कहानी में कौन-कौन होगा? कहानी किस बारे में होगी? क्या आपने कभी चूहा देखा है? यदि हाँ, तो कहाँ? चूहे को हमारे घर में क्या-क्या मिलता होगा? आदि।
- अब शिक्षक 'चूहे को मिली पेंसिल' कहानी को बच्चों को ऊँची आवाज में, उतार-चढ़ाव और हाव-भाव के साथ सुनाएँ। यहाँ लिखित पाठ को आदर्श तरीके से पढ़ा जाना जरूरी है। कहानी 2-3 बार पढ़ें। कहानी में आए कठिन शब्दों का अर्थ स्थानीय भाषा या हिन्दी में बताएँ।
- शिक्षक कहानी सुनाने के बाद बच्चों के अनुमान पर चर्चा करें, जैसे-
  आप सभी ने कहानी सुनने से पहले जो अनुमान लगाया था, क्या कहानी उसी बारे में थी? यदि नहीं तो क्या अलग था?
  क्या वे ही लोग थे कहानी में, जिनका अनुमान आपने लगाया था? यदि नहीं तो क्या अलग था? आदि।
- अब प्रश्नों की मदद से चर्चा को समृद्ध करें और बच्चों से कहानी से संबंधित बंद छोर (तथ्यात्मक) और खुले छोर (उच्च स्तरीय चिंतन) दोनों तरह के प्रश्न पूछें। जैसे-
  पेंसिल ने किसका चित्र बनाया? चूहा पेंसिल को क्यों कुतरना चाहता था? पेंसिल बिल्ली के अलावा और क्या बना सकती थी, जिससे चूहे को डर लगता? चूहे और क्या-क्या कुतरते हैं? अगर तुम पेंसिल की जगह होते तो क्या करते? इस कहानी को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है? आदि।
- अंत में, शिक्षक पहले से लिखे गए मुख्य शब्दों को सभी बच्चों के साथ मिलकर पढ़ें और बच्चों का प्रक्रिया में हिस्सा लेने और प्रोत्साहन के लिए सभी बच्चों से एक दूसरे के लिए तालियाँ बजवाएँ और समापन करें।
- कहानी से संबंधित कोई लेखन गतिविधि करवाएँ। जैसे- आप बिल्ली के अलावा और किसका चित्र बनाते? बनाकर दिखाओ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- यह लिखित पाठ है, जिससे बच्चे पूरी तरह परिचित ना हों। क्या वे सहजता के साथ सुन रहे थे?
- जो बच्चे कहानी नहीं समझ पाए, उनके लिए फिर से चर्चा करें।

नोट: यहाँ कहानी चूहे को मिली पेन्सिल उदाहरणार्थ ली गई है, आप कोई अन्य कहानी भी चुन सकते है। उस पर कार्य के चरण इसी तरह रखें।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- कहानी सुनाने से पहले कहानी के शीर्षक और चित्र को दिखाकर कहानी के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- बच्चों को गोले या नजदीक में बिठाकर ऊँची आवाज में उचित लय और उतार-चढ़ाव के साथ कहानी को पढ़कर सुनाएँ। इसे 2-3 बार पढ़ें।
- पठन के दौरान अधिक चर्चा नहीं की जाए। ये जरूर सुनिश्चित करें कि बच्चों का कहानी सुनने पर पूरा ध्यान है।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों के अनुमान पर चर्चा करें और कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।
- बच्चों से बंद छोर एवं खुले छोर दोनों तरह के प्रश्नों को पूछें।
- अंत में, कहानी से जुड़ी कोई लेखन गतिविधि करवाएँ।

अनुभव सुनना-सुनाना

20 मिनट

सामग्री : कुछ नहीं

बच्चों से उनके अनुभव सुनने से पहले शिक्षक को भी अपने अनुभव सुनाने चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर बच्चों से उनकी दिनचर्या पर बातचीत कर रहे हैं तो शिक्षक बता सकते हैं कि वे दिनभर क्या-क्या करते हैं। किसी एक दिन एक अनुभव पर बातचीत कर सकते हैं। बच्चों के साथ अनुभव आधारित चर्चा के लिए निम्न चरणों का ध्यान रखें :

- शिक्षक पहले किसी एक विषय का चयन करें। यह विषय बच्चों के स्तर एवं परिवेश से हो।
- चयनित विषय पर बच्चों के साथ थोड़ी बातचीत करके उनके पूर्वज्ञान को सक्रिय करें।
- शिक्षक विषय से संबधित अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।
- इसके बाद प्रत्येक बच्चे को अपने अनुभव सुनाने का अवसर दें। अगर कक्षा में ज़्यादा बच्चे हों तो कोशिश करें कि प्रत्येक सप्ताह में एक बार सभी बच्चों को अपने अनुभव साझा करने का एक बार मौका ज़रूर मिले।

उदाहरण के तौर पर अनुभवों के निम्न विषय हो सकते है – दिनचर्या, मेला, यात्रा, शादी, खेल प्रतियोगिता, पिकनिक, स्कूल का कोई उत्सव, अपने दोस्त के बारे में, पहली बस/ट्रेन यात्रा, त्योहार, किसी लड़ाई का दृश्य, फिल्म देखने का अनुभव, अपने खेत और फसलों से जुड़ा अनुभव आदि।

अभिनय

20 मिनट

सामग्री : कुछ नहीं

किसी सुनी गई कहानी या अनुभव का अभिनय करना, बच्चों के लिए शब्दों और भावनाओं का संबंध बिठाने का उपयुक्त तरीका है। आपने देखा होगा कि बचपन से ही बच्चे अपने घरवालों की नकल करते हैं, क्योंकि यह संबंध बिठाना बचपन से ही आरंम्भ हो जाता है। मौखिक भाषा विकास के लिए अभिनय करना एक अच्छा मौका प्रदान करता है। अभिनय के दो मुख्य उद्देश्य हो सकते हैं।

- भाषा के इस्तेमाल के जरिए अभिव्यक्ति के लिए।
- बातचीत करने के लिए एक नैसर्गिक या सहज स्थिति देने के लिए।

यह ध्यान रखना जरुरी है कि शुरूआती कक्षाओं में अभिनय का उद्देश्य नाटक तैयार करना नहीं है। अभिव्यक्ति और बातचीत के लिए एक प्रभावी स्थिति देना इसका मुख्य मकसद है। कक्षा में अभिनय करवाने के लिए बच्चों को कराये गए पाठ, सुनाई गयी कहानी, कहानी की घटनाओं एवं रोजमर्रा के जीवन अनुभव काम में लिए जा सकते हैं।
यहाँ यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अभिनय में भी बच्चों को आसान कार्य से धीरे–धीरे जटिल गतिविधियों की ओर ले जाने की तैयारी शामिल हो। पहली ही बार में पूरे पाठ के अभिनय करने की अपेक्षा से बच्चों में अभिनय के प्रति डर का भाव पैदा कर सकती है। इसके लिए पहले अभिनय के छोटे–छोटे हिस्सों पर काम करना चाहिए जिससे बच्चे स्वाभाविक रूप से सहज हों। जैसे– हाव–भाव, कल्पना करना, डायलॉग बोलना, अपनी बात खुलकर कहना, आदि। फिर जोड़ियों में स्थिति आधारित छोटे सीन बनाना और फिर अलग–अलग घटनाओं पर अभिनय करना। इसके लिए एक प्रस्तावित क्रम यह हो सकता है –

- **किसी एक भाव या प्रतिक्रिया का अभिनय करना:** शुरुआत में बहुत से रोचक खेल जो चेहरे के हाव–भाव, आवाज, प्रतिक्रिया देने पर केन्द्रित हो, किये जा सकते हैं। बच्चों से किसी खास घटना का जिक्र कर उस पर अभिनय करने को कहा जाए। उदाहरण के लिए बच्चों से चर्चा करें कि गुस्सा कैसे करते हैं और फिर अलग–अलग परिस्थिति में गुस्सा दिखाना, कोई स्थिति देना, जैसे घर में साँप घुस गया है। इस पर तुम और बाकी परिवार वाले कैसे प्रतिक्रिया दोगे ?
- **स्थिति आधारित बातचीत:** छोटी–छोटी घटनाओं की कल्पना कर (अकेले और जोड़ियों में) अभिनय करना। शिक्षक सभी बच्चों को जोड़ियों में बाँटे और हर जोड़ी को एक स्थिति दें जिस पर उन्हें मिलकर एक रोल प्ले करना है। उदाहरणार्थ तुम्हारी एक छोटी दो साल की बहन है मीना। एक दिन जब तुम कमरे में आए तो तुमने देखा कि तुम्हारा सारा पाउडर मीना ने जमीन पर गिरा दिया है। अब मम्मी से उसकी शिकायत कैसे करोगे ?
- **कहानी में आये पात्रों और घटनाओं का जोड़ियों और समूहों में अभिनय:** यह किसी कहानी का एक भाग हो सकता है या पूरी कहानी भी हो सकती है। लेकिन अगर पूरी कहानी ले रहे हैं तो वह छोटी और 3–4 घटनाओं वाली ही होनी चाहिए। इसमें निम्न चरण हो सकते हैं –

1. यह तय करना कि कौन बच्चा क्या बनेगा ?
2. अपनी भूमिका की तैयारी करना और प्रस्तुत करना (शिक्षक अवलोकन करेगा)।
3. एक–एक कर अंशों को देखना और सुझाव देना, अन्य बच्चों के भी सुझाव लेना।
4. अंत में पूरी घटना पर बच्चों द्वारा प्रस्तुति देना और समीक्षा करना।

अभिनय की गतिविधियाँ कक्षा–1 के कुछ अंतिम सप्ताहो में शुरू की जानी है।
तब तक बच्चे स्कूल में काफी अनुभव ले चुके होते है।

मौखिक खेल और गतिविधियाँ

सामग्री: नानी कहे कहानी और गतिविधियों के अनुसार अलग-अलग सामग्री

20 मिनट

- इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य है- भाषा को मजे के लिए इस्तेमाल करना, बच्चों की मानसिक क्षमताओं का विकास करना, विचारों को व्यक्त करने एवं अधिक से अधिक बोलने के अवसर देना, शब्दावली में वृद्धि करना। लगभग 10-15 मिनट के लिए सभी बच्चों के साथ छोटी-छोटी मौखिक खेल और गतिविधियाँ की जाएँगी, जिनका विवरण नीचे दिया गया है।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- बच्चों की रुचि अनुसार एक गतिविधि को कुछ दिनों तक लगातार भी करा सकते हैं या अदल-बदलकर भी करा सकते हैं।
- कुछ गतिविधियाँ ऐसी हैं, जो एक से अधिक तरीके से करवाई जा सकती हैं। जरूरत के अनुसार गतिविधि का तरीका और जटिलता अवश्य बदलें।
- खेल के दौरान यह सुनिश्चित करें कि हर बच्चे को बोलने का अवसर मिले। जो बच्चे कम बोल रहे हों, उन्हें अधिक प्रोत्साहन दें।

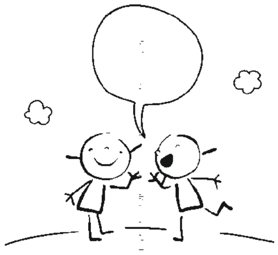

- कुछ गतिविधियों के उदाहरण दिए गए हैं, जिन्हें आप कक्षा में हू-ब-हू या थोड़े बदलाव के साथ करवा सकते हैं। अपनी ओर से नए-नए खेल भी जोड़ते रहें।

1. आओ मुझे जानो

15-20 मिनट

इस गतिविधि में बच्चे अपना नाम बताएँगे। बाकी बच्चे इन नामों और क्रियाओं (यदि कोई क्रिया की गई है) को दोहराएँगे।

बच्चों को आराम से बिठाएँ।

- बच्चों को अपना परिचय दें और अभिवादन के तौर पर कोई क्रिया करें। जैसे- एक हाथ उठाना या ताली बजाना। बच्चों को भी वह क्रिया करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अब बच्चों से कहें कि वे भी एक-एक करके अपना नाम बताएँ और साथ में कोई क्रिया करें।
- जब कोई बच्चा अपना परिचय देते हुए कोई क्रिया करेगा तो दूसरे बच्चों से भी उस क्रिया को दोहराने के लिए कहें।

2. बताओ मेरा नाम

15-20 मिनट

बच्चों के बीच घनिष्ठता का भाव पैदा करना।

बच्चों को घेरे में आराम से बिठाएँ और कागज की गेंद बनाकर रखें।

- बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद एक-एक बच्चे की तरफ़ आगे बढ़ाएँगे। जिसके पास भी कागज़ की गेंद पहुँचेगी, उसे अपने दोस्तों के नाम बताने होंगे। वे कक्षा के साथी या अपने मोहल्ले-पड़ोस के किसी भी दोस्त का नाम बता सकते हैं।
- बच्चों को बताएँ कि अगर कक्षा में से किसी एक बच्चे को पहले ही कोई दूसरा बच्चा अपने दोस्त के रूप में बता चुका है, तो ऐसे बच्चे का नाम ना दोहराया जाए।
- बच्चों को बारी-बारी से इस गतिविधि में हिस्सा लेने के लिए मदद दें।
- ख़्याल रखें कि गतिविधि में सभी शामिल हों और कोई भी छूटने ना पाए। साथ ही, अगर किसी बच्चे को इस गतिविधि में सहज महसूस नहीं होता है तो उसे हिस्सा लेने के लिए मजबूर भी ना करें।
- आप भी इस गतिविधि में हिस्सा ले सकते हैं। इसके लिए बच्चों के साथ गोले में बैठ जाएँ। आपकी बारी आने पर अपने दोस्त का नाम बताएँ।

3. महसूस करें और चलें

15-20 मिनट

शिक्षक के दिए गए संकेत का पालन करना।

- बच्चों को बताएँ कि आप एक इशारा करेंगे, जिसको देखकर बच्चों को एक ख़ास ढंग से चलना होगा।
- बच्चों को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से निम्नलिखित संकेत दें। इन संकेतों को भी दिखाएँ :
  - कछुए की तरह धीरे-धीरे चलें। कक्षा के सारे हिस्सों को जा-जाकर देखें।
  - खरगोश की तरह उछल-कूद करें। कक्षा के दूर वाले छोर तक जाकर वापस आएँ। ध्यान रहे कि इस बीच आपकी किसी से टक्कर ना हो।
  - हाथी की तरह चलें। इसका मतलब है कि आप बहुत बड़े हैं और आपको काफ़ी बड़ी जगह की ज़रूरत होनी चाहिए।
- ख़्याल रखें कि किसी को भी चोट न लगे।

4. क्या अच्छा लगा

15-20 मिनट

कक्षा में अपनी भावनाएँ सामने रखना।

- बच्चों को घेरे में आराम से बिठाएँ और यह सुनिश्चित करें कि वे सहज महसूस कर रहे हों।
- कागज़ की एक गेंद या खिलौना जिसे बच्चे एक-दूसरे के पास बढ़ा सकें।
- नोट- यह गतिविधि कक्षा में अंतिम समय पर करवाई जा सकती है।
- बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद घेरे में घुमाएँगे। गेंद जिसके पास भी पहुँचेगी उसे बताना होगा कि कल उन्हें कौन-सी गतिविधि सबसे ज़्यादा अच्छी लगी। इस गतिविधि में सभी बारी-बारी से अपनी बात कहेंगे।
- इस चर्चा की शुरुआत आप करें और बच्चों को बताएँ कि कल आपको सबसे अच्छी गतिविधि कौन-सी लगी थी?
- सभी बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने के लिए मदद और मौका दें।
- सहभागिता बढ़ाने के लिए एक सहज और सुरक्षित माहौल तैयार करें।

5. वादा और फिंगर-प्रिंट

15-20 मिनट

गतिविधि को नियम द्वारा सुचारू रूप से चलाना।

अखबार, पेंट/रंग, स्टैम्प, चार्ट पेपर पर पेड़ की आकृति बनी हुई।

- शिक्षक बच्चों से अनौपचारिक तौर पर चर्चा करें कि हम सब साथ में काम कर रहे हैं तो क्या कर सकते हैं, जिससे सभी कि बातों को बराबर रूप से सुना जाए, सुरक्षित तरीके से कक्षा में व्यवहार किया जा सके और किसी भी दूसरे को हमारी बातों से बुरा ना लगे। सारी बातचीत इन तीनों बातों के इर्द-गिर्द बुनी जाएँ।
- बच्चों को अपने पीछे-पीछे निम्नलिखित वादों को दोहराने के लिए कहें :

  क. मैं वादा करता/करती हूँ कि जब दूसरे बोल रहे होंगे तो मैं ध्यान से सुनूँगा/सुनूँगी।

  ख. मैं वादा करता/करती हूँ कि किसी भी गतिविधि के दौरान मैं अपनी बारी आने का इंतज़ार करूँगा/करूँगी।

  ग. मैं वादा करता/करती हूँ कि जब मुझे कुछ बोलना होगा तो पहले मैं अपना हाथ उठाऊँगा/उठाऊँगी।
- अब बच्चे अपने हाथों की निशानी के रूप में पेड़ पर बारी-बारी से अपने अँगूठे के छाप बनाएँ।
- बच्चों को अपने अँगूठों को रंग में डुबोकर पेड़ की आकृति वाले चार्ट पर छापा बनाने में मदद दें। थोड़ी ही देर में उनके फिंगरप्रिंट्स पेड़ की पत्तियों जैसी दिखने लगेंगे।
- यह सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने कपड़े या कक्षा को गंदा न करें।
- इस गतिविधि में शिक्षक भी हिस्सा लें और पेड़ पर अपने वादों की छाप छोड़ें।

6. बिल्कुल मेरी तरह

15-20 मिनट

बच्चे अपने बारे में कक्षा में बता सकें।

बच्चों को घेरे में आराम से बिठाएँ और कागज की गेंद बनाकर रखें।

- कागज़ की गेंद एक-एक करके बच्चों के बीच आगे बढ़ाएँ।
- गेंद जिस बच्चे के पास पहुँचेगी, उसे तीन से पाँच वाक्यों में अपने बारे में बताने के लिए कहें। उन्हें बताएँ कि इन वाक्यों में वे अपने परिवार, अपनी पसंद के भोजन, अपने पसंदीदा खेल और इस तरह की दूसरी चीज़ों के बारे में बता सकते हैं।
- बाकी बच्चों को ग़ौर से सुनने के लिए कहें। अगर किसी अन्य बच्चे की पसंद-नापसंद भी वैसी ही है तो उन्हें कहें कि वे अपना हाथ उठाएँ और ज़ोर से कहें ''बिल्कुल मेरी तरह।''
- सबसे पहले गेंद अपने हाथ में लेकर कुछ वाक्यों में अपना परिचय दें। इसके बाद गेंद बच्चों को सौंप दें।
- बच्चों की सहभागिता बढ़ाने के लिए एक सुरक्षित माहौल मुहैया कराएँ।

7. मुझे कब अच्छा लगा

15-20 मिनट

अपने अनुभव के आधार पर दूसरों के प्रति आभार व्यक्त कर पाना।

बच्चों को घेरे में आराम से बिठाएँ और कागज की गेंद बनाकर रखें।

- बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद बारी-बारी से उनके बीच घुमाएँगे। गेंद जिसके पास पहुँचेगी, उस बच्चे को यह बताना है कि एक अनुभव जब अच्छा लगा और मन थैंक यू (Thank you) बोलने को करता है। जैसे- आपकी किसी ने मदद की और आपका मन हुआ कि उसको थैंक यू (Thank you) बोलूँ। इस गतिविधि में सभी बच्चे बारी-बारी से हिस्सा लेंगे।
- गतिविधि की शुरुआत आप खुद करें और सबसे पहले बताएँ कि आप किन-किन चीज़ों के लिए थैंक यू (Thank you) बोलना चाहते हैं। इस गतिविधि में आप किसी ख़ास बच्चे का नाम न लें बल्कि पूरी कक्षा को एक साथ संबोधित करें।
- बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने का मौका दें।
- बच्चों की सहभागिता बढ़ाने के लिए एक सुरक्षित माहौल तैयार करें।

8. भावनाएँ

15-20 मिनट

बच्चे संकेतों की मदद से अपने आपको अभिव्यक्त करके दिखाएँगे।

- बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ ख़ास स्थितियाँ देंगे और उन्हें ये दिखाना है कि वे उस स्थिति में होते तो किस तरह की प्रतिक्रिया देते। उन्हें ये करके दिखाना है कि उस स्थिति में वे कैसा महसूस करते और क्या क्रिया करते।
- इसके बाद बच्चों को भावनाएँ चुननी हैं।
- बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों पर बातचीत करें:
  - मम्मी ने गुलाब जामुन बनाएँ हैं और आपको औरों से दो ज़्यादा गुलाब जामुन दिए हैं। आपको कैसा लगा?
  - आज सुबह सीढ़ियों से उतरते हुए आप गिर पड़े थे। गिरने पर क्या हुआ और आपको कैसा लगा?

9. आओ करें दोस्तों की तारीफ

15-20 मिनट

बच्चे संकेतों की मदद से अपने आपको अभिव्यक्त करके दिखाएँगे।

- **जरूरी चीजें:** बच्चों को आराम से घेरे में बिठाएँ। बच्चों के बीच घुमाने के लिए कागज की गेंद या खिलौना।

- बच्चों को बताएँ कि आपको एक-एक करके गेंद आपस में घुमानी है। जिसके पास गेंद पहुँचेगी, उसे कक्षा के किसी बच्चे के बारे में तारीफ़ की एक बात कहनी है। सभी बच्चे बारी-बारी से अपनी बात कहेंगे।
- शिक्षक पहल करें और पूरी कक्षा की तारीफ़ करें। ख़्याल रखें कि आप किसी एक बच्चे का नाम ना लें बल्कि पूरी कक्षा को संबोधित करते हुए अपनी बात कहें।
- बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने के लिए मदद करें।
- बच्चों की सहभागिता बढ़ाने के लिए एक सुरक्षित माहौल तैयार करें।

मौखिक भाषा से जुड़ी लेखन गतिविधियाँ

मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों के दौरान लेखन पर भी कार्य शामिल है। ये सभी गतिविधियाँ मौखिक गतिविधियाँ जैसे- चित्र-चार्ट पर चर्चा, कहानी सुनाना, खेल आदि से जुड़ी हुई हैं। इन्हें करवाते समय दिए गए चरणों का अनुसरण करें-

चित्र बनाना — 10 मिनट

- मौखिक गतिविधि के बाद चित्र बनवाएँ, रंग भरवाएँ और नाम लिखवाएँ।
- बने हुए चित्र पर कक्षा में बातचीत करें।
- चित्र के बारे में बच्चों को कुछ शब्द लिखने को कहें।
- अंत में चित्रों को दीवार पर चस्पा सकते हैं।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- बच्चों को चित्र बनाने के मौके दें। इस दौरान बच्चों को ये न सुझाएँ कि चित्र कैसे बनाएँ कौन-से रंग इस्तेमाल करें, आदि।
- इन चित्रों का संबंध कहानी या पाठ से हो सकता है, जो उस दिन उन्हें बताया/सुनाया गया हो। बच्चे जो कुछ भी बनाएँ, उन पर बातचीत करें।

साझा-लेखन * — 10 मिनट

- शिक्षक बच्चों से बात करें और उन्हें अनुभव/घटना/कहानी बताने को कहें।
- शिक्षक बच्चों को बताएँ कि जो वो बता रहे हैं, उसको यहाँ बोर्ड पर लिखा जाएगा।
- बच्चे अपने अनुभव साझा करें और शिक्षक उन्हें बोर्ड पर लिखते जाएँ।
- लिखना पूरा होने पर शिक्षक बच्चों के साथ मिलकर इसे पढ़ें।
- पढ़ने के दौरान मुख्य शब्दों की ओर बच्चों का ध्यान दिलवाएँ।

स्वतंत्र लेखन — 10 मिनट

- बच्चों को किसी चित्र/कहानी/कोई अनुभव के बारे में अपनी बात लिखने के लिए कुछ समय दें।
- लिखने के बाद उन्हें अपनी लिखावट साझा करने को कहें और इस पर बातचीत करें।
- बच्चों के लेखन कार्य को कक्षा में प्रदर्शित करें और एक निश्चित समय अंतराल के बाद इन्हें बदलें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- लेखन के दौरान जैसा चाहे लिख सकते हैं। वे शायद अच्छे से न लिख पाएँ, सिर्फ कोई लकीर, आकृति, वर्ण ऐसा ही कुछ लिखें। आप बच्चों के साथ पढ़ें और उन्हें प्रोत्साहित करते रहें।

नोट: शिक्षक गतिविधि का चुनाव दिवसवार योजना से करें। बच्चों की रूचि को ध्यान में रखकर गतिविधियों में बदलाव कर सकते हैं। यहाँ दी गई गतिविधियाँ मौखिक भाषा विकास की मुख्य गतिविधियों में शामिल हैं।

डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ

ध्वनि चेतना/डिकोडिंग (40 मिनट)

1 से 4 सप्ताह (ध्वनि चेतना)

- परिवेशीय आवाजों की पहचान
- तुकांत शब्द बनाना
- वाक्यों में शब्द पहचान कराना
- शब्द में ध्वनि पहचान कराना
- शब्द में प्रथम ध्वनि पहचान

5 से 24 सप्ताह (डिकोडिंग)

- वर्ण पहचान
- अक्षर पहचान
- वर्णों और अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना।
- शब्द पठन

परिवेशीय आवाजों की पहचान

10-15 मिनट

सामग्रीः कुछ नहीं

बच्चों को ध्वनि-चेतना की प्रारंभिक गतिविधि के रूप में उनके परिवेश में पाए जाने वाली विभिन्न आवाजों की पहचान करवाएँ और उन्हें नकल करने को कहें।

बच्चे अलग-अलग आवाजों को पहचान लें और उसे बोलकर बताएँ।
जैसे- पक्षी, जानवर, वाहन, घंटी इत्यादि।

तुकांत शब्द बनाना

10-15 मिनट

सामग्रीः कुछ नहीं

तुकांत शब्द बनाने की गतिविधि से वर्ण/अक्षर और ध्वनि संबंध की पहचान मजबूत होती है। इसके लिए वैसे शब्दों का चयन पहले कर लेना अच्छा है, जिसके साथ आप गतिविधि करना चाहते हैं। तुकांत शब्दों पर कार्य करने के दौरान शिक्षक को यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि ये शब्द सार्थक एवं निरर्थक दोनों ही हो सकते हैं। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य यह है कि बच्चे ध्वनियों में भेद कर सकें, समान सुनाई देने वाले शब्दों को छाँट/पहचान सकें। इसके साथ-साथ बच्चे ध्वनियों को मिलाकर मौखिक रूप से शब्द बनाना (सार्थक/निरर्थक) भी सीखेंगे।

तुकांत शब्द बनाने की शिक्षण योजना का उदाहरण

बच्चे ध्वनियों की तुकबंदी कर पाएँगे

ध्वनि चेतना

15-20 मिनट

तुकांत शब्द बनाना

तैयारी और सामग्री

- शिक्षक तुकांत शब्द बनाने के चरणों को पहले से पढ़कर समझ लें।
- शिक्षक ऐसे शब्दों की सूची बना कर रखें, जिनके तुकांत शब्द बच्चे आसानी से बना सकें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- तुकांत शब्द बनाने की प्रक्रिया में शिक्षक बच्चों द्वारा बनाए गए सार्थक और निरर्थक दोनों प्रकार के शब्दों को स्थान दें।
- बच्चों को आपस में (जोड़ों में एवं छोटे समूह में) कार्य करने के मौके दें।
- शिक्षक यह ध्यान दें कि शब्दों में शामिल ध्वनियों का स्पष्ट रूप से बच्चे उच्चारण करें।

प्रक्रिया

- कक्षा की शुरुआत में शिक्षक बच्चों के साथ छोटी कविता को हाव-भाव और लय में गायन के साथ करें। उदाहरण के लिए, आप नीचे दी गयी 'मछली जल की रानी है' कविता करवाएँ। इस गतिविधि के लिए 3-5 मिनट का समय दें।

  मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है।
  हाथ लगाओ तो डर जाएगी, बाहर निकालो तो मर जाएगी।
- शिक्षक कविता में आए तुकांत शब्दों को बच्चों को उदाहरण देकर तुकांत शब्दों को समझाएँ, जैसे- रानी-पानी, डर-मर आदि। शिक्षक कुछ अन्य तुकांत शब्दों का भी उदाहरण दें, जैसे- ताला-काला, मदन-बदन, आना-जाना आदि।
- अब शिक्षक बच्चों को एक-एक शब्द देकर उसका तुकांत शब्द बताने को कहें, जैसे- 'हरी'। जवाब में बच्चे बता सकते हैं- परी, दरी, चरी, मरी आदि। इसी प्रकार शिक्षक अन्य शब्द भी बच्चों को दें, जैसे- कल, रेल, हार आदि।
- अब शिक्षक प्रत्येक बच्चे को अलग-अलग शब्द देकर इस गतिविधि को करवाएँ, जैसे- लकड़ी, लहर, चील आदि।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया और तुकांत शब्द बनाए? यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और अगली कक्षा में उनके प्रतिभाग पर जोर दें।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

पहले शिक्षक अपनी तरफ से कुछ तुकांत शब्दों के उदाहरण बोलकर बताएँ।
ताला-काला, मदन-बदन, कपट-पपट।

फिर बच्चों को एक शब्द देकर तुकांत शब्द बताने को कहें, जैसे- हरी।
इसके तुकांत शब्द होंगे- परी, दरी, मरी, चरी आदि।

अलग-अलग शब्द लेकर प्रत्येक बच्चे के साथ इस गतिविधि को कराएँ,
जैसे- लकड़ी-मकड़ी-ककड़ी, लहर-शहर-टहर, चील-गील-नील आदि।

वाक्य में शब्द पहचान कराना

10-15 मिनट

वाक्य में शब्द पहचानने का काम मौखिक रूप में ध्वनि की चेतना के लिए किया जाता है। बच्चे इससे यह समझ पाते हैं कि एक वाक्य में कई शब्द होते हैं।

- शिक्षक पहले खुद 2-3 छोटे वाक्यों के साथ करके दिखाएँ। शिक्षक वाक्य बोलते समय हर शब्द पर एक ताली बजाएँ।
- बच्चों के लिए वाक्य को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से बोलें।
- बच्चों से पूछें कि इस वाक्य में कितने शब्द हैं।
- फिर पूछें, इस वाक्य में पहला शब्द क्या है? अंतिम शब्द कौन-सा है? बोलकर बताओ

शब्द में ध्वनि पहचान करवाना

10-15 मिनट

शब्द में ध्वनि पहचानने का काम भी मौखिक रूप में ध्वनि की चेतना के लिए किया जाता है। बच्चे इससे यह समझ पाते हैं कि एक शब्द में कई ध्वनियाँ होती हैं।

- शिक्षक पहले शब्द बोलें। शब्द में शामिल ध्वनियों का धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से उच्चारण करें और यह करते हुए प्रत्येक वर्ण/अक्षर पर एक ताली बजाएँ। फिर शब्द बोलें।
- बच्चों के साथ इन ध्वनियों का उच्चारण करें और शब्द बोलें।
- 3-4 नए शब्दों के साथ यह जारी रखें।
- अब आप शब्द बोलें और बच्चों को ध्वनियों का उच्चारण करने को कहें।

शब्द में प्रथम ध्वनि पहचान

10-15 मिनट

- शिक्षक किसी खास ध्वनि (जैसे 'म') से शुरू होने वाले शब्द बोलें। फिर शब्द की पहली ध्वनि का स्पष्ट रूप से उच्चारण करें। फिर 3-4 ऐसे शब्द बोलें, जिसमें 'म' पहली ध्वनि हो। बच्चों का ध्यान 'म' ध्वनि के उच्चारण पर दिलाएँ।
- फिर बच्चों को कुछ शब्द बोलें। अगर किसी शब्द में पहली ध्वनि 'म' है तो वे हाथ ऊपर करेंगे। अगर 'म' नहीं है तो हाथ नहीं उठाएँगे। इसे नए-नए शब्दों के साथ करें।
- अब बच्चों को इस ध्वनि से शुरू होने वाले शब्द बताने को कहें।

वर्ण पहचान पर कार्य

सामग्री: वर्ण कार्ड, पाठ्यपुस्तक (झिलमिल), अभ्यास पुस्तिका

40 मिनट

म

वर्ण पहचान के लिए शिक्षण योजना का उदाहरण

'न' वर्ण पहचान कर उसकी ध्वनि बताना और लिखना।

डिकोडिंग — 40 मिनट

वर्ण सीखना (वर्ण 'न')

न

तैयारी और सामग्री

- सामग्री - बोर्ड, चॉक, वर्ण कार्ड, पाठ्यपुस्तक, अभ्यास पुस्तिका
- शिक्षक वर्ण कार्ड पहले से ही अलग छाँटकर रखें।
- 'न' वर्ण से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- वर्ण सीखने का अर्थ है कि बच्चे वर्ण की आकृति तथा उससे संबंधित ध्वनि को पहचान व बोल सकें।
- पाठ्यपुस्तक और अभ्यास पुस्तिका दोनों का उपयोग करें।

प्रक्रिया

- कक्षा की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसमें सभी बच्चों को हिस्सा लेने के लिए उनका प्रोत्साहन करें। इस खेल गतिविधि के लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और शिक्षक स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ।
- शिक्षक बच्चों के साथ किसी परिचित शब्द (जैसे- नल) को मौखिक रूप से तोड़कर-जोड़कर बोलें, जैसे- (नल- 'न' 'ल') और ('न' 'ल' - नल)। अब बच्चों से शब्द की पहली आवाज ('न') पहचानने को कहें। इस प्रक्रिया को 3-4 सरल एवं परिचित शब्दों के साथ करें, जैसे- नदी, नमक।
- 'नल' शब्द को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक 'न' पर गोला लगाएँ और बच्चों को 'न' का उच्चारण करके बताएँ।
- फिर बच्चों को 'न' वर्ण का कार्ड दिखाएँ और 3-4 बार 'न' वर्ण का उच्चारण करें। अब बच्चों से 'न' वर्ण से शुरू होने वाले अन्य शब्द या नाम बताने को कहें और आप उन्हें बोर्ड पर लिखते जाएँ, जैसे- नदी, नथ, नमक, नटखट आदि। शिक्षक लिखे हुए सभी शब्दों को बच्चों के साथ मिलकर पढ़ें और उनकी पहली आवाज के प्रतीक 'न' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- बच्चों को 'न' वर्ण कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक से ढूँढ़कर बताने को कहें। शिक्षक पाठ्यपुस्तक में 'न' वर्ण पर गोला लगाने को भी कह सकते हैं।
- डिकोडिंग की खेल गतिविधि **'यह है मेरा अक्षर'** करवाएँ।
- बच्चों को डिकोडिंग के खेल के माध्यम से 'न' वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ। जैसे- सभी बच्चों को गोल घेरे में खड़े होने को कहें। अब शिक्षक हवा में उँगली से 'न' वर्ण लिखें और सभी बच्चों को दोहराने के लिए कहें। अब यही प्रक्रिया अलग-अलग प्रकार से करें और करवाएँ, जैसे- 'न' को पैर से, सिर से, कंधे से, कमर से, कोहनी से, घुटने से, जमीन पर चलकर आदि लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- अंत में, 'न' वर्ण लेखन से संबंधित अभ्यास कार्य अभ्यास पुस्तिका से समझते हुए पूरा करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चे **'न'** वर्ण पहचानने में कठिनाई महसूस कर रहे थे? जरूरत पड़ने पर गतिविधि दोहराएँ।
- क्या बच्चे 'न' लिखने का तरीका समझ पाए? अवलोकन करें।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

- शिक्षक किसी परिचित शब्द (जैसे- नल) की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें (नल/न/ल/) (/न/ल/ नल) और पहली आवाज /न/ को अलग करें।
- 'नल' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाएँ। फिर 'न' का कार्ड दिखाकर /न/ का 3-5 बार उच्चारण करें। बच्चों से 'न' की आवाज से शुरू होने वाले शब्द/नाम पूछकर बोर्ड पर लिखें। शब्द को तोड़कर पहली ध्वनि पर बल दें और /न/ पर गोला लगवाएँ।
- बच्चों को 'न' वर्ण को कक्षा में प्रदर्शित सामग्रियों और कक्षा-1 की पाठ्यपुस्तक से ढूँढकर बताने को कहें।
- वर्ण पहचान का कोई एक खेल करवाएँ।
- अलग-अलग तरीके से खेल द्वारा हवा में वर्ण लेखन का अभ्यास कराएँ।
- अभ्यास पुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में से वर्ण पहचान और लेखन का अभ्यास करवाएँ।

अक्षर पहचान पर कार्य

सामग्री: अक्षर कार्ड, ग्रिड, अभ्यास पुस्तिका, पाठ्यपुस्तक

40 मिनट

गा

न	ना	नी
ग	गा	गी
म	मा	मी

शिक्षण योजना का उदाहरण

अक्षर पहचान कर उसकी ध्वनि बताना और लिखना।

डिकोडिंग

40 मिनट

अक्षर पहचान

गा

तैयारी और सामग्री

- ग्रिड, पाठ्यपुस्तक, अभ्यास पुस्तिका, अक्षर कार्ड
- शिक्षक मात्रा के अनुसार प्रयोग होने वाली ग्रिड और अक्षर कार्ड का पहले ही चुनाव करके रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- गा, रा, ना, मा- यहाँ अक्षर को सीधे सिखाया जाता है। वर्ण और मात्रा को अलग-अलग नहीं बताना है।
- ग्रिड को 2-3 तरीकों के साथ इस्तेमाल करें।
- 'ा' से बने अक्षर सिखाने से पूर्व अब तक सीखे वर्ण-मात्रा दोहराएँ।

प्रक्रिया

- शिक्षक बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण से 'ा' मात्रा (लक्षित मात्रा) लगाकर उच्चारण करें। जैसे- 'ग', 'गा'। कुछ अन्य वर्ण लेकर (वही वर्ण, जिन पर अब तक के सप्ताहों में बच्चों के साथ कार्य किया जा चुका है), उसमें 'ा' मात्रा (लक्षित मात्रा) लगाकर ग्रिड बनाएँ और उच्चारण करें, जैसे- न – ना , र – रा , म – मा आदि।
- अब 'ा' मात्रा की ग्रिड से वर्ण/अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने साथ-साथ बोलने के लिए कहें।
- शिक्षक बच्चों से कक्षा में लगी सामग्री में वर्ण/अक्षर को खोजनें के लिए कहें।
- अब शिक्षक पूरी कक्षा को 4 से 5 बच्चों के समूह में बाँट दें और सभी समूह में 'ा' मात्रा की ग्रिड दें और सभी को समूह में पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को 'ा' मात्रा से बने अक्षर कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक से ढूँढ़कर बताने को कहें। शिक्षक पाठ्यपुस्तक में 'ा' मात्रा के अक्षरों पर गोला लगाने को भी कह सकते हैं।
- बच्चों को वर्ण/अक्षर पहचान का 'यह है मेरा अक्षर' खेल करवाएँ।
- अंत में, अक्षर पहचान से संबंधित अभ्यास कार्य को अभ्यास पुस्तिका से करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे अक्षरों की पहचान कर पाए? यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और उनको अतिरिक्त अभ्यास करवाएँ।
- अगली कक्षाओं में पूर्व में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों का अभ्यास भी साथ में जरूर करवाएँ।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

1. वर्ण-मात्रा से लक्षित क्रमिक ग्रिड बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ।
2. वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से वर्ण-अक्षर पढ़ें और बच्चे को अपने बाद बोलने को कहें।
3. फिर बच्चों को छोटे ग्रिड कार्ड चार-पाँच के समूह में दें और साथ-साथ पढ़ने को कहें और गतिविधि करवाएँ।
4. अक्षर पहचान का कोई एक खेल करवाएँ।
5. अभ्यास पुस्तिका से अक्षर पहचान एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ।

मात्रा पहचान पर कार्य

सामग्रीः मात्रा कार्ड, उमंग अभ्यास पुस्तिका

40 मिनट

न ा

मात्रा पहचान कार्य के लिए शिक्षक निम्न चरणों का अनुसरण करें :

- मात्रा कार्ड से मात्रा दिखाएँ, उसका उच्चारण करके बताएँ। मात्रा को बोर्ड पर लिखें और उसका उच्चारण करके बताएँ।
- बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें (जो बच्चा सीख चुका हो) और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में मात्रा लगाकर अक्षर का उच्चारण करें। 5–6 वर्ण के साथ मात्रा लगाकर उच्चारण करें। फिर बच्चों को बोलने को कहें।
- वर्ण–मात्रा से लक्षित क्रमिक ग्रिड दिखाएँ और 4–5 बार उच्चारण करके दिखाएँ।
- फिर बच्चों को छोटे ग्रिड कार्ड 4–5 के समूह में दें और साथ–साथ पढ़ने को कहें।
- अक्षर पहचान का कोई एक खेल करवाएँ या वर्ण और मात्रा/अक्षर की मदद से शब्द बनवाएँ।
- उमंग अभ्यास पुस्तिका से पहचान, अभ्यास और लेखन का कार्य करवाएँ।

नोटः शुरूआती कुछ वर्ण सीखने के बाद मात्रा 'ा और ि' को सीखे गए वर्णों के साथ लगाकर अक्षर के रूप में सिखाया जाएगा। बाद में अलग से भी इन दोनों मात्राओं की पहचान करवाई जाएगी। आगे आने वाली मात्राओं को अलग से मात्रा के रूप में सीखे हुए वर्णों में लगाकर सिखाया जाएगा।

वर्णों/अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना (ब्लेंडिंग)

सामग्री: वर्ण/अक्षर कार्ड, अभ्यास पुस्तिका

20 मिनट

न	ना
म	मा
ग	गा
र	रा

ना

शिक्षण योजना का उदाहरण

वर्ण/अक्षर जोड़कर दो अक्षर वाले शब्द पढ़ना - ब्लेंडिंग

डिकोडिंग — 20 मिनट

वर्णों/अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना (ब्लेंडिंग)

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका, ग्रिड, अक्षर कार्ड
- शिक्षक मात्रा के अनुसार प्रयोग होने वाली ग्रिड और वर्ण/अक्षर कार्ड का पहले ही चुनाव करके रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चे सार्थक और निरर्थक दोनों तरह के शब्द बना सकते हैं।
- जोड़कर पढ़ने की गतिविधि से पूर्व सीखे गए वर्ण/अक्षर को दोहरा लें।

प्रक्रिया — 20-25 मिनट

- शिक्षक बोर्ड पर अब तक सीखें गए वर्ण/अक्षरों से बनने वाला कोई शब्द बॉक्स में तोड़कर बोलते हुए लिखें, जैसे - | ना | म |
- अब उसके सामने इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बने शब्द को लिखें, जैसे- | ना | म | → | नाम |
  और अलग-अलग उच्चारण करके जोड़कर पढ़ें। इसी तरीके से शब्द एक बार और पढ़ें।
- सभी वर्ण/अक्षरों को मिलाकर और शब्द बनाएँ और इसी तरह 3-4 बार पढ़ें। जैसे- नाम, राम, काल, काका, काम आदि।
- इसी प्रकार अब तक सीखे गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले कुछ और सरल शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- अब बच्चों को 4-5 छोटे समूह में बाँट दें और अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर के कुछ कार्ड बच्चों को दें और उनसे मिलाकर नए शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। यहाँ निरर्थक शब्द भी स्वीकार किए जा सकते हैं। ग्रिड भी इस्तेमाल करें।
- बच्चों के साथ मिलाकर पढ़ने से संबंधित कोई एक खेल खेलें। उदाहरण के लिए- चलो इस राह पर।
- अंत में, अभ्यास पुस्तिका में दिया गया मिलाकर पढ़ने का कार्य बच्चों से समूह में करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चे वर्ण/अक्षर को जोड़कर शब्द बना पाए? यदि नहीं तो, अतिरिक्त अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ ओर उसमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बने शब्द को लिखें (अभ्यास पुस्तिका में दिए गए तरीके के अनुसार)। फिर पहले अलग-अलग उच्चारण करके, फिर जोड़कर 2-3 बार पढ़ें।

2-3 बार दोनों शब्दों को बच्चों के साथ ऊपर की तरह जोड़कर पढ़ें।

बच्चों के साथ मिलकर एक शब्द मिलाकर पढ़ने की गतिविधि करवाएँ।

अब बच्चों को अभ्यास पुस्तिका में इस गतिविधि पर आधारित अभ्यासों को करने को कहें।

शब्द पढ़ना

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका, ग्रिड

20 मिनट

ना	ना	नी
मा	मा	मी
का	का	की

शिक्षण योजना का उदाहरण

2-3 वर्ण/अक्षर से बने शब्दों को प्रवाह के साथ पढ़ना

डिकोडिंग

20 मिनट

शब्द पठन

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका, ग्रिड
- शिक्षक मात्रा के अनुसार प्रयोग होने वाली ग्रिड का पहले ही चुनाव करके रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए शब्द पठन से शब्द देख लें।

प्रक्रिया

- शिक्षक अभ्यास पुस्तिका में दिए 4-5 शब्दों को बोर्ड पर लिखें और प्रत्येक शब्द को बोल-बोल कर धीरे-धीरे 2-3 बार पढ़ें।
- अब कक्षा में ज्यादातर बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को पढ़ने के लिए कहें।
- शब्द पठन से संबंधित कोई खेल या गतिविधि बच्चों के साथ खेलें।
- अब अभ्यास पुस्तिका में दिए शब्दों को सभी बच्चों को जोड़ी में पढ़ने के लिए कहें।
- शिक्षक बच्चों के पास जाएँ और शब्द पढ़ने में बच्चों की मदद करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया? यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और अगले कालांश में उनकी प्रतिभागिता पर जोर दें।
- अगली कक्षाओं में पूर्व में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों का अभ्यास भी साथ में जरूर करवाएँ।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

अभ्यास पुस्तिका में दिए शब्दों (4-5 शब्द) को बोर्ड पर लिखें। इन्हें दो बार धीरे-धीरे पढ़ें।

फिर इन्हें बच्चों को शब्द-दर-शब्द पढ़ने को कहें। आप बच्चों की जरूरत के अनुसार मदद करें।

अब बच्चों को अभ्यास पुस्तिका से इन शब्दों को पढ़ने को कहें। आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।

शब्द स्तर का कोई खेल बच्चों से करवाएँ।

अभ्यास पुस्तिका में इस गतिविधि से जुड़ा कार्य करवाएँ।

डिकोडिंग से जुड़ी खेल गतिविधियाँ

डिकोडिंग के लिए कई तरह की गतिविधियाँ तय की गई हैं। उन गतिविधियों के साथ खेल गतिविधियाँ भी शामिल हैं। इन खेल गतिविधियों में योजनानुसार दिए गए चरण के दौरान काम में लें।

इनमें से कोई एक गतिविधि कक्षा में करें, जो उस दिन सिखाए जा रहे वर्ण या सारणी के लिए उपयुक्त हो।

1. यह है मेरा अक्षर

10-15 मिनट

इस खेल में जमीन पर वर्ग सारणी में लिखे गए अक्षर/शब्द पर बच्चे बारी-बारी से कूदते हैं।

- जमीन पर वर्ग सारणी बनाएँ और प्रत्येक खाने में एक अक्षर लिख दें।
- बारी-बारी से किसी बच्चे को वर्ग सारणी में लिखे गए अक्षर पर कूदने के लिए कहें। उदाहरण के लिए आप किसी एक बच्चे को 'ब' पर कूदने को कहें। ये बच्चा 'ब' अक्षर पर कूदे और ऊँची आवाज में बोले 'ब'। इसके बाद बाकी बच्चे बताएँ कि क्या वह सही अक्षर पर कूदा है या नहीं।
- यदि बच्चा गलत अक्षर पर कूदे तो बाकि बच्चे बताएँ कि वह कौन-सा अक्षर है।
- इसी प्रकार, अलग-अलग बच्चों के लिए कोई अक्षर बोलें और बच्चे उस बोले गए अक्षर पर कूदें।

2. मिलकर खोजें

10-15 मिनट

इस गतिविधि में बच्चे विभिन्न प्रकार की किताब, कॉपी, आस-पास की पठन सामग्री इत्यादि में वर्ण/अक्षर खोजते हैं।

- सभी बच्चे गोल घेरे में बैठें। घेरे के बीच में वर्ण/अक्षर की कुछ पर्चियाँ रख दें। प्रत्यके वर्ण/अक्षर की दो-दो पर्चियाँ बनाएँ।
- सभी बच्चे एक एक पर्ची ले लें और उसे पढ़ें।
- बच्चे एक दूसरे से खोजें कि उनके जैसा वर्ण/अक्षर और किसके पास है। इसके लिए अपनी पर्ची पर लिखे वर्ण/अक्षर को बोल-बोलकर अपने साथी को ढूँढ सकते हैं।
- अपने जोड़ीदार साथी मिलने के बाद बच्चे उस वर्ण/अक्षर को कहानी की किताब, दीवार पर लगे चार्ट, कॉपी इत्यादि में खोजें और शिक्षक को दिखाएँ।

3. मैंने ख़ोज लिया

5-10 मिनट

इस गतिविधि में बच्चे कहानी या कविता में से अक्षर/ शब्द खोज कर लिखते हैं।

- आप कोई वर्ण/अक्षर बोले (जैसे 'क') और बच्चों से कहें कि उन्हें किताब का कोई भी एक पन्ना खोलना है और बताए गए वर्ण/अक्षर को उसी पन्ने में पाँच जगह ढूँढ़ना है। ढूँढ़े गए वर्ण/अक्षर पर उन्हें पेंसिल से गोला लगाना है। यह करने के लिए उनके पास केवल एक मिनट का समय होगा।
- जो बच्चे उस वर्ण/अक्षर को खोज लें, वे अपना हाथ ऊपर करें और बोलें- 'मुझ से नहीं छिपा, मैंने 'क' को खोज लिया।'
- इसी प्रकार से अलग-अलग वर्ण/अक्षर बोलें और खेल आगे बढ़ाएँ। इस दौरान शिक्षक कक्षा में घूमते हुए अवलोकन करें और जहाँ जरूरत हो, बच्चों की मदद करें।

(इस खेल के दौरान आप बच्चों से ढूँढ़े हुए वर्ण/अक्षर को अपनी कॉपी या चॉक से जमीन पर लिखने के लिए भी कह सकते हैं।)

4. हवा में अलग-अलग तरीके से लिखना (वर्ग सिखाने का पाँचवाँ चरण)

5-10 मिनट

इस गतिविधि में अपने शरीर के अलग-अलग अंगों से हवा में वर्ण/अक्षर लिखते हैं।

- शिक्षक वर्ण (जैसे: न) को पहले कोहनी से हवा में लिखकर दिखाएँ। फिर बच्चों को साथ-साथ ऐसा करने को कहें।
- इसी तरह पूरे हाथ से, सर से, पैर से, घुटने से और अंगुली से 'न' लिखकर दिखाएँ। बच्चे साथ-साथ शिक्षक को देख कर इसी तरह करें।
- अंत में, बच्चों को खुद इन अंगों से हवा में लिखने को कहें।

5. शब्द बनाओ, पढ़कर सुनाओ

5-10 मिनट

इस खेल में बच्चे वर्ण/अक्षर कार्ड के साथ सार्थक/निरर्थक शब्द बनाते व पढ़ते हैं।

- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और हर समूह को कम से कम 20-25 वर्ण/अक्षर कार्ड दे दें। हर बच्चे को दो-दो अक्षर कार्ड जोड़कर नए शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे ने दो अक्षर कार्ड जोड़ रखे हैं- 'कि' और 'बा', तो वो उनका बोलकर अभ्यास करें- कि....बा....किबा।
- हर बच्चा जितने हो सके, नए शब्द बनाए और पढ़े।

6. चलो, इस राह पर

5-10 मिनट

इस गतिविधि में बच्चे अक्षरों को पढ़ते हैं एवं अक्षरों से शब्द भी बनाते हैं।

- कुछ अक्षर कार्ड ले लें और उन्हें एक बड़े गोल आकार में रख दें।
- किसी एक बच्चे को उस गोल घेरे के आस-पास चक्कर लगाते हुए अक्षर पढ़ने के लिए कहें। गलती होने पर शिक्षक उसे ठीक करें।
- एक चक्कर पूरा होने के बाद, उसी बच्चे को घेरे के बीच बुलाएँ।
- फिर उसे उन अक्षरों में से कोई 2-3 अक्षर चुनकर शब्द बनाने को कहें। बच्चा चुने हुए अक्षर घेरे से उठाए और उसे बीच में रखते हुए शब्द बनाए। अक्षर जोड़कर शब्द बनाते समय बच्चे से ऊँची आवाज में अक्षर और शब्द बोलने को कहें।
- फिर किसी दूसरे बच्चे को बुलाकर यह प्रक्रिया दोबारा करें। इसी प्रकार खेल आगे बढ़ाएँ।

7. टपली बजा जा (शब्द कार्ड से गतिविधि)

10-15 मिनट

इस खेल में प्रत्येक बच्चे के पास शब्द कार्ड होता है और शिक्षक जो शब्द बच्चे के लिए बोलते हैं, वह बच्चा उस शब्द को खोजकर बताता है।

- गतिविधि प्रारम्भ करने से पहले बच्चों की संख्या के अनुसार शब्द कार्ड बना लें।
- सभी बच्चे गोल घेरे में बैठें। सभी बच्चों के आगे एक-एक कार्ड रख दें।
- शिक्षक किसी बच्चे के पीछे आकर उसकी आँख बंद करके बोलें- 'आ जा घड़ी आ जा। टपली बजा जा।' यहाँ पर 'घड़ी' शब्द कार्ड पर लिखा एक शब्द है और यह शब्द जिसके पास भी हो, वह चुपके से आकर उस बच्चे के सिर को छूकर वापस अपनी जगह पर जाकर बैठ जाए।

- शिक्षक फिर उस बच्चे की आँखों से अपना हाथ हटाते हुए बोलें– 'टपली जिसने है बजाई, उसको ढूँढो।'
- वह बच्चा पूरे गोले में घूमे और सबके आगे रखे हुए शब्द पढ़कर टपली बजाने वाले की खोज करे। यानि जिसके पास घड़ी शब्द है, जैसे ही वो उस बच्चे को ढूँढ़ ले, सब मिलकर बोलें– ''पकड़ लिया उसे पकड़ लिया, जो टपली बजाकर भागा था।''
- खेल आने बढ़ाने के लिए शिक्षक फिर किसी और बच्चे की आँखें बंद करें और ऊपर बताए नियम के अनुसार खेल को आगे बढ़ाएँ।

8. ढूँढ़ो नया शब्द

10 मिनट

इस खेल में बच्चे बताए गए शब्द को ग्रिड से ढूँढ़कर लिखते हैं।

- बच्चों को 2-1 की जोड़ी में बिठाएँ और हर जोड़ी को एक अक्षर ग्रिड कार्ड दें।
- फिर कोई भी एक ऐसा शब्द बोलें, जो उस ग्रिड में हो। बच्चों से वह शब्द ढूँढ़ने को कहें।
- जब बच्चे शब्द ढूँढ़ लें तो उनसे शब्द में आ रहे अक्षर/शब्द को ऊँची आवाज़ में बोलने को कहें। उदाहरण के लिए– अगर शब्द है पानी तो बच्चे ऊँची आवाज़ में कहें– /पा/ /नी/ पानी।
- फिर बच्चों से सही शब्द अपनी कॉपी या चॉक से ज़मीन पर लिखने को कहें।
- लिखे हुए शब्द को उन्हें फिर से पढ़ने को कहें।

9. मेरे शब्दों की जोड़ी

50 मिनट

इस खेल में बच्चे पर्ची में लिखे गए शब्द का मिलान चार्ट में लिखे गए शब्द से करते हैं।

- कुछ शब्दों की एक सारणी चार्ट पेपर पर बनाएँ और उन्हीं शब्दों की छोटी पर्चियाँ भी तैयार कर लें।
- सभी बच्चे एक गोल घेरे में बैठें। चार्ट को सामने दीवार/बोर्ड पर लगा दें और पर्चियों को एक खुले बॉक्स में डालकर बच्चों के बीच रख दें।
- शुरुआत में कोई भी एक बच्चा घेरे के बीच में रखे बॉक्स में से कोई एक पर्ची ले और उस शब्द को लेकर गोले के आसपास एक चक्कर लगाते हुए किसी भी बच्चे के पीछे पर्ची रख दे और उसे छूकर अपनी जगह पर आकर बैठ जाए।
- जिस बच्चे के पीछे पर्ची रखी गई है, वह उसे उठाए, पढ़कर बताए और सारणी में लिखे उस शब्द को खोजे।
- इसके बाद ये बच्चा बॉक्स में से कोई दूसरी पर्ची ले और घेरे के बाहर चक्कर लगाते हुए किसी भी बच्चे के पीछे रख दे।

ग्रिड पर कार्य का तरीका और संबंधित खेल गतिविधियाँ

ग्रिड कार्ड का उपयोग डिकोडिंग आधारित खेल-गतिविधियों में किया जाएगा। किस सप्ताह कौन-सा ग्रिड उपयोग में लें, यह दिवसवार योजना में दिया गया है। ग्रिड कार्ड पर मुख्यत: 3 प्रकार की खेल गतिविधियाँ हैं, जो जोड़े या समूह में कराई जानी चाहिए।

1. बोर्ड पर लिखे वर्ण/अक्षर या शब्द को ग्रिड कार्ड में खोजना

- शिक्षक बोर्ड पर कुछ वर्ण/अक्षर या शब्द लिख दें।
- अब बच्चों को ग्रिड कार्ड में से उन वर्णों/अक्षरों या शब्दों को खोजकर उन पर उंगली या कंकड़ रखने को कहें।
- जब बच्चे जोड़ों या समूह में यह कार्य कर रहे हों, तब शिक्षक घूम-घूमकर बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।
- शिक्षक बच्चों द्वारा खोजे गए वर्ण/अक्षर बताने को कहें।
- यदि बच्चों ने सही वर्ण/अक्षर/शब्द खोज लिया हो तो उन बच्चों को खोजे गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें।
- यदि बच्चों ने गलत वर्ण/अक्षर पर उंगली या कंकड़ रखा है तो उन्हें सही वर्ण/अक्षर खोजने में मदद करें।

2. मौखिक रूप से बोले गए वर्ण/अक्षर या शब्द को ग्रिड कार्ड में खोजना

- ऊपर दी गई गतिविधि की तरह ही वर्ण/अक्षर या शब्द खोजने की गतिविधि शिक्षक बोलकर भी करवाएँ।
- बच्चे शिक्षक द्वारा बोले गए वर्ण/अक्षर या शब्द ग्रिड में खोजकर कंकड़ या उंगली रखेंगे।
- शिक्षक घूम-घूमकर समूहों में बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।
- शिक्षक बच्चों से खोजे गए वर्ण/अक्षर बोलकर बताने को कहें।
- यदि बच्चों ने सही वर्ण/अक्षर/शब्द खोज लिया हो तो उन बच्चों को खोजे गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें।
- यदि बच्चों ने गलत वर्ण/अक्षर पर उंगली या कंकड़ रखा है तो उन्हें सही वर्ण/अक्षर खोजने में मदद करें।

3. ग्रिड कार्ड में दिए गए वर्ण/अक्षर से शब्द एवं फल, सब्जी, जानवर आदि के नाम बनाना

- इस गतिविधि में शिक्षक बच्चों को ग्रिड में दिए गए वर्ण एवं अक्षरों को मिलाकर जितने शब्द हो सकते हैं, उतने शब्द खोजकर कंकड़ रखने और उन शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें।
- जब बच्चे कार्य कर रहे हों, तब शिक्षक घूम-घूमकर बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।
- शिक्षक हर एक समूह/जोड़े द्वारा बनाए गए शब्दों को सबके सामने पढ़ने को कहें और उनके लिखित कार्य को देखें।
- अगर कोई गलती हुई हो तो उसे भी सुधारें।
- बच्चे डिकोडिंग संबंधित कार्य में सहज महसूस करने लगें, तब उन्हें सार्थक शब्द जैसे- फल, सब्जी, जानवर आदि का नाम खोजने को कहें।

☞ **ध्यान देने योग्य बातें:**

- उपर्युक्त गतिविधियाँ सरल से कठिनाई की ओर बढ़ते हुए क्रम में हैं, इसलिए इसे कक्षा में इसी क्रम में कराया जाना चाहिए, ताकि बच्चों को इन गतिविधियों में मजा भी आए एवं उन्हें सहजता भी महसूस हो।
- बच्चों को जोड़ों या समूह में बाँटने के बाद, उन्हें खेल संबंधी निर्देश एवं उदाहरण दें। हर गतिविधि के शुरुआत में शिक्षक बच्चों को 2-3 उदाहरण देकर समझाएँ कि बच्चों को गतिविधि कैसे करनी है। यह कार्य हर गतिविधि के पहले होना चाहिए।
- जब बच्चे ये गतिविधियाँ कर रहे हों, तब शिक्षक प्रोत्साहन करें और यह सुनिश्चित करें कि हर बच्चे की भागीदारी इन गतिविधियों में हों। प्रत्येक समूह या जोड़े में हर अधिगम स्तर के बच्चे होने चाहिएं। इस तरह से बच्चे एक-दूसरे की मदद करते हुए सीख सकते हैं।

डिकोडिंग से जुड़ी लेखन गतिविधियाँ

अभ्यास पुस्तिका पर कार्य

- डिकोडिंग से संबंधित लेखन की गतिविधियाँ करवाने से पहले उदाहरण देकर निर्देश दें।
- लेखन के दौरान देखें कि बच्चें सही तरह लिख रहे हैं।
- प्रत्येक बच्चे को उसके लेखन पर अपनी राय दें और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करें।

डिकोडिंग श्रुतलेख

- पिछले सप्ताह तक सीखे गए शब्दों में से 3 से 5 सरल वर्ण/अक्षर/शब्दों का चयन करें।
- जब बच्चे अपनी नोटबुक के साथ तैयार हों तो शिक्षक पहला वर्ण/अक्षर/शब्द बोलें। बच्चों को इसे दोहराने को कहें। इससे ये पता चल जाएगा कि बच्चों ने सही सुना है या नहीं।
- अब बच्चों को लिखने को कहें, फिर इसे कम से कम तीन बार बोलें।
- दूसरे और तीसरे वर्ण/अक्षर/शब्द के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।
- फिर शिक्षक बच्चों के लेखन की जाँच करें और सुधार के लिए अपनी राय दें।

☞ **ध्यान रखने योग्य बातें:**

- अभ्यास पुस्तिका में भी श्रुतलेख संबंधी गतिविधियाँ दी गई हैं, परन्तु पर्याप्त नहीं हैं। श्रुतलेखन पर कार्य नियमित तौर पर किया जाना चाहिए ताकि बच्चों में डिकोडिंग कौशल सुदृढ़ हो सकें।

पठन गतिविधियाँ

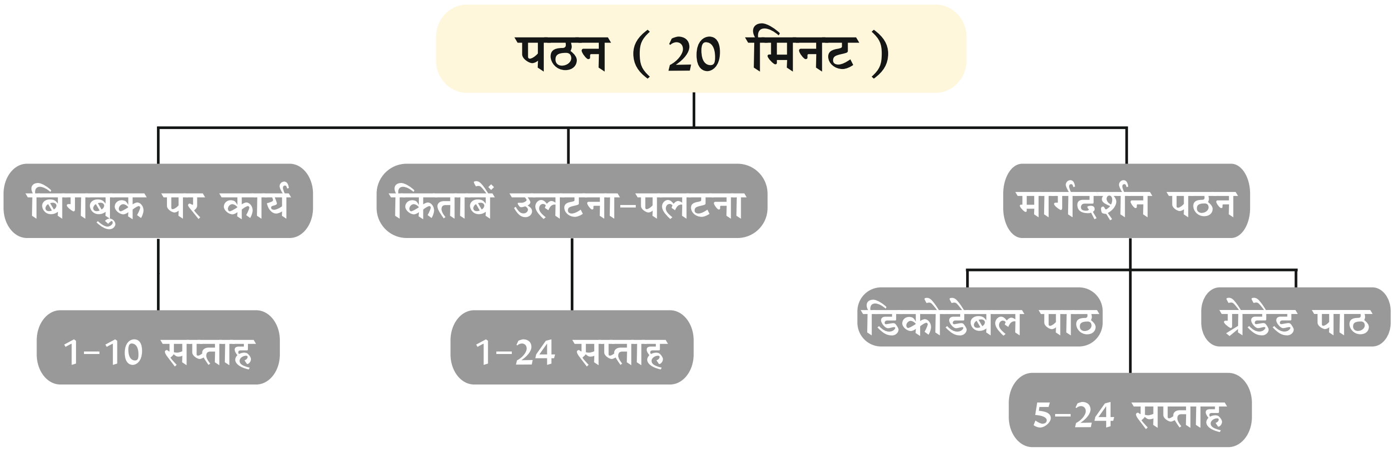

बिगबुक पर कार्य

सामग्री: बिगबुक

20 मिनट

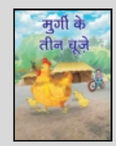

प्रत्येक सप्ताह के लिए एक बिगबुक पर काम करना प्रस्तावित है। दिवसवार योजना में हर सप्ताह के बिगबुक का नाम दिया गया है। शिक्षक नीचे दी गई योजना को आधार बनाकर बिगबुक पर कार्य करें।

शिक्षक अपनी सहुलियत और सामग्री उपलब्धता के हिसाब से बिगबुक बदलकर भी काम करवा सकता है।

बिगबुक पर सामान्य चर्चा करने की शिक्षण योजना का उदाहरण

पहला दिन : बिगबुक से परिचय

बिगबुक से कहानी सुनना और सामान्य चर्चा

पठन | 20 मिनट

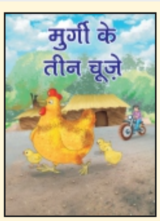

तैयारी और सामग्री

- बिगबुक: **मुर्गी के तीन चूज़े**
- शिक्षक कहानी को पहले से पढ़कर उस पर अपनी समझ बना लें और कहानी में आए कठिन शब्दों या अवधारणा की पहचान कर लें।
- शिक्षक कहानी के कुछ मुख्य शब्दों को खोजकर रखें ताकि शब्द दीवार में उन्हें लगा सकें और उन पर बच्चों से चर्चा कर सकें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को चर्चा में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।
- बच्चों को अपनी भाषा में बात कहने के भरपूर मौके दें।

प्रक्रिया

- शिक्षक सभी बच्चों को गोल घेरे में बिठाएँ और स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ।
- अब बिगबुक के मुख पृष्ठ बच्चों को दिखाएँ। शिक्षक इस तरह खड़े हों कि बिगबुक का मुख्य पृष्ठ बच्चों की ओर हो।
- अब बच्चों से बिगबुक के मुख पृष्ठ में दिख रहे चित्रों के आधार पर कहानी का अनुमान लगाने के लिए कहें और बातचीत करें जैसे– आपको यहाँ कौन कौन दिख रहा है? क्या आपने इन जानवरों / पक्षियों को कहीं देखा है? आपके अनुसार कहानी का क्या नाम होगा? ये कहानी किस बारे में होगी?
- इसी तरह बिगबुक के सभी पृष्ठों पर बने चित्रों को एक-एक करके पलटते जाएँ और पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर बच्चों से कहानी के घटनाक्रम का अनुमान लगाने को कहें।
- फिर शिक्षक पूरी कहानी को उचित हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाएँ और चर्चा करें, जैसे– आप सभी ने कहानी सुनने से पहले जो अनुमान लगाया था, क्या कहानी उसी बारे में थी? यदि नहीं तो क्या अलग था? क्या आपके कभी किसी मुर्गी को चूज़ों के साथ देखा है? कहाँ? आदि।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी और चर्चा में भाग लिया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिगबुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

1. शिक्षक बिगबुक के मुख्य पृष्ठ पर चर्चा कर अनुमान लगवाकर कहानी का नाम पढ़कर सुनाएँ।
2. बच्चों को मुख्य पृष्ठ और कहानी के नाम के आधार पर अनुमान लगाने को कहें कि कहानी में क्या होगा।
3. बिगबुक में प्रत्येक पेज के चित्रों को दिखाते हुए चर्चा करें और कहानी को आगे बढ़ाएँ। बच्चों को भी चित्रों के आधार पर कहानी की घटनाओं का अनुमान लगाने को कहें।
4. पूरी कहानी को हाव-भाव और आवाज में उतार-चढ़ाव के साथ बिगबुक में से पढ़ते हुए सुनाएँ। अंत में, बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें।

दूसरा दिन : कहानी पर बेहतर पकड़

कहानी पर बेहतर पकड़, विस्तृत चर्चा

पठन | 20 मिनट

तैयारी और सामग्री

- बिगबुक: **मुर्गी के तीन चूज़े**
- शिक्षक कहानी को पहले से पढ़कर उस पर अपनी समझ बना लें और कहानी में आए कठिन शब्द या अवधारणा की पहचान कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को चर्चा में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।
- बातचीत स्थानीय भाषा में करें।

तैयारी और सामग्री

- शिक्षक कहानी के कुछ मुख्य शब्दों को खोजकर रखें, ताकि शब्द दीवार में उन्हें लगा सकें और उन पर बच्चों से चर्चा कर सकें, जैसे- **मुर्गी**, **चूज़े**, बच्चे, खेलना, तीन इत्यादि।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में बात कहने के भरपूर मौके दें।

प्रक्रिया

- शिक्षक सभी बच्चों को गोल घेरे में बिठाएँ और स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ।
- कल पढ़ी गई कहानी के बारे में पूछें कि–
  - हमने कल कौन-सी कहानी पढ़ी थी? उसका क्या नाम था?
  - कहानी में क्या क्या हुआ था?
- अब बिगबुक के मुख पृष्ठ बच्चों को दिखाएँ। शिक्षक इस तरह खड़े हों कि बिगबुक का मुख्य पृष्ठ बच्चों की ओर हो।
- अब किताब के प्रत्येक पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को दिखाते हुए शब्दों पर उँगली रखते हुए कहानी पढ़कर सुनाएँ। फिर दोबारा पढ़ें।
- मुख्य शब्दों पर चर्चा करें।
- अब बच्चों से कहानी के संबंध में खुले छोर व बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे–
  - मुर्गी के कितने बच्चे थे?
  - तीनों अपने बच्चों क्या कर रहे थे ?
  - इस कहानी में आगे क्या हुआ ?

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी और चर्चा में भाग लिया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिगबुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

1. बच्चों से पिछले दिन की कहानी के बारे में चर्चा करें और मुख्य घटना को याद दिलाएँ।
2. शिक्षक बिगबुक को बच्चों की ओर दिखाएँ। फिर प्रत्येक पेज पर दिए गए चित्र को दिखाते हुए और शब्दों पर उँगली रखते हुए कहानी पढ़कर सुनाएँ। (दो बार)
3. कहानी पर विस्तृत चर्चा करें। कहानी पर आधारित बंद एवं खुले छोर (उच्चस्तरीय चिंतन के लिए) के प्रश्न बच्चों से पूछें। ध्यान दें कि हर बच्चे को उत्तर देने का मौका जरूर मिले।

तीसरा दिन: प्रिंट की समग्र एवं साझा-पठन

साझा पठन और प्रिंट की समझ

पठन

20 मिनट

तैयारी और सामग्री

- बिगबुक: मुर्गी के तीन चूज़े
- शिक्षक कहानी को पहले से पढ़कर उस पर अपनी समझ बना लें और कहानी में आए कठिन शब्द या अवधारणा की पहचान कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को चर्चा में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।
- बच्चों को अपनी भाषा में बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों को शब्द खोजने में मदद करें।

प्रक्रिया

- शिक्षक सभी बच्चों को गोल घेरे में बिठाएँ और स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ।
- कल पढ़ी गई कहानी के बारे में कुछ प्रश्न पूछें और थोड़ी चर्चा करें।
- अब बिगबुक के मुख पृष्ठ बच्चों को दिखाएँ। शिक्षक इस तरह खड़े हों कि बिगबुक का मुख्य पृष्ठ बच्चों की ओर हो और किताब के प्रत्येक पृष्ठ पर दिए गए चित्रों को दिखाते हुए शब्दों पर उंगली रखते हुए कहानी पढ़कर सुनाएँ।
- आप सभी पृष्ठों को धीरे-धीरे पलटें और बच्चों को यह समझने का मौका दें कि किताब बायें से दायें पढ़ते हैं और आगे पढ़ने के लिए पृष्ठ पलटे जाते हैं। जहाँ लाइन खत्म होती हैं, वहाँ थोड़ा रुकते हैं।
- शिक्षक बच्चों को अपने साथ-साथ कहानी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
- पढ़ते समय मुख्य शब्दों पर थोड़ा रुकें ताकि बच्चों को साथ में पढ़ने का मौका मिले।
- इस प्रक्रिया को दो से तीन बार दोहराएँ ताकि बच्चे पठन सामग्री से परिचित हो जाएँ और साथ-साथ पढ़ने का प्रयास करने लगे।
- कहानी में आए मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखती जाएँ और बाद में पेपर पर लिखकर शब्द दीवार पर लगा दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे पढ़ते समय वाक्यों और शब्दों का अनुसरण कर पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो यह गतिविधि 1-2 बार और करवाएँ।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

शिक्षक बिगबुक से एक बार कहानी सुनाएँ। इस दौरान बच्चों की ओर किताब दिखाते हुए शब्दों पर उँगली रखकर धीरे-धीरे कहानी पढ़कर सुनाएँ।

शिक्षक बच्चों को अपने साथ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें (साझा-पठन)। साथ-साथ पढ़ने का मतलब बच्चे और शिक्षक का साथ-साथ पढ़ना है।

पढ़ते समय मुख्य शब्दों पर थोड़ा रुकें, ताकि बच्चों को साथ में पढ़ने का मौका मिले।

इस प्रक्रिया को दो बार करें। (धीरे-धीरे जैसे बच्चे पठन सामग्री से परिचित हो जाएँगे, ये शिक्षक के साथ-साथ पढ़ने का प्रयास करने लगेंगे।)

चौथा दिन: साझा-पठन एवं लोगोग्राफिक पठन

साझा पठन और लोगोग्राफिक पठन

पठन

20 मिनट

तैयारी और सामग्री

- बिगबुक: मुर्गी के तीन चूज़े
- शब्द खोजने के लिए कुछ गतिविधि तैयार रखें।
- शब्द दीवार पर शब्द लिखे हों।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- जब बच्चे पढ़ रहे हों तो उन्हें टोके नहीं।
- बच्चों को शब्द खोजने के मौके दें।

प्रक्रिया

- शिक्षक बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान उन जगह पर रूकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 दोहराएँ।
- अब शिक्षक पिछले दिन लिखे हुए शब्दों को शब्द दीवार से पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। आप यह शब्द बोर्ड पर भी लिख सकते हैं। शिक्षक लगभग 6-7 बच्चों को लिखे गए शब्द पढ़ने के लिए कह कहें।
- शब्दों की पहचान के लिए कुछ खेल गतिविधि करवाएं, जैसे- शब्द दीवार में जिस शब्द पर उंगली रखी है, उस शब्द को बिगबुक में ढूँढ़ना, शिक्षक द्वारा बोले गए शब्द को शब्द दीवार में ढूँढ़ना आदि।
- अंत में, 3-4 बच्चों को बुलाकर बिगबुक की कहानी पढ़ने को कहें। यहाँ उद्देश्य बच्चों द्वारा सही-सही पढ़ने का नहीं है, बल्कि प्रिंट को समझ पाना, किताब को सही तरह से पकड़ना, पलटना, बाएँ से दाएँ पढ़ने की नकल करना है। बच्चे अपने आप से कुछ भी पढ़ सकते हैं, उन्हें टोके नहीं।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या बच्चे चुने गए शब्दों का लोगोग्राफिक पठन कर पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो उन शब्दों को शब्द-दीवार से पढ़वाएँ।

शिक्षक आगे की योजना तैयार करने के लिए इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

1. शिक्षक बच्चों के साथ तीसरे दिन की तरह 2 बार साझा पठन करें।
2. शब्द दीवार का इस्तेमाल करते हुए बच्चों के साथ मुख्य शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करें। (लोगोग्राफिक पठन)
3. बच्चों को शब्द दीवार के पास आकर इन शब्दों पर उंगली रखकर पढ़ने में मदद करें।
4. अंत में, 3-4 बच्चों को बिगबुक में से कहानी पढ़ने के लिए आमंत्रित करें। ऐसा करते समय उन्हें किताब पकड़ने और पन्नों पर छपे चित्रों और शब्दों को देखते हुए कहानी सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

ध्यान रखने योग्य बातें

- इन शब्दों की पहचान के लिए कुछ छोटे खेल और गतिविधियाँ भी करा सकते हैं। जैसे- शब्द दीवार में जिस शब्द पर उँगली रखी है, उसे बिगबुक में ढूँढ़ना या शिक्षक द्वारा बोले गए शब्द को शब्द दीवार पर ढूँढ़ना। (इन शब्दों को पहले से बड़े अक्षरों में शब्द दीवार पर लिख कर रखें। ध्यान रखें कि शब्द दीवार पर लिखे शब्द अधिकतम 7-8 ही हों।)

बच्चों द्वारा किताब पढ़ना (किताबें उलटना-पलटना)

20 मिनट

सामग्री: कहानी की किताबें

बच्चों को किताब पढ़ने के लिए स्वतंत्र समय देना चाहिए। इस समय बच्चे कहानी पढ़ नहीं पा रहे होंगे, मगर उन्हें किताब पकड़ने, चित्र देखने इत्यादि के मौके मिलते हैं। इनमें पाठ्यपुस्तक के अलावा कविता-कहानियों की रोचक किताबें हों। बच्चे व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग बैठकर किताबें पढ़ें।

- शुरुआत में ऐसी किताबें बच्चों को देखने के लिए दें, जिनमें अच्छे चित्र हों।
- सभी बच्चों को किताबें देकर देखने व पढ़ने के लिए कहें।
- पढ़ी हुई कहानी पर पर चर्चा करें कि उन्होंने क्या पढ़ा? क्या अच्छा लगा? इत्यादि।

मार्गदर्शन में पठन

20 मिनट

सामग्री : अभ्यास पुस्तिका

अभ्यास पुस्तिका (नई उमंग) के खण्ड ब में डिकोडेबल पाठ और ग्रेडेड पाठ दिए गये हैं। डिकोडेबल पाठों पर कार्य सप्ताह 7 से शुरू हो जायेगा। जबकि ग्रेडेड पाठों पर कार्य सप्ताह 12 से शुरू होगा। इन दोनों तरह के पाठों पर कार्य करने की रणनीति एक सी है। भले ही डिकोडेबल पाठ बच्चों द्वारा सीख लिये गए वर्ण मात्राओं का उपयोग करके बनाए गए है। जबकि ग्रेडेड पाठ ऐसे पाठ हैं जो किसी परिवेशीय विषय पर चित्रों के साथ छोटा पाठ होता है। इन दोनों तरह के पाठों पर काम कार्य में निम्न चरणों का अनुसरण करें :

पहला दिन

- शिक्षक पाठ के शीर्षक और चित्र पर चर्चा करें।
- पाठ को गति और हाव–भाव के साथ पढ़ें। बच्चे अपनी–अपनी किताबों में इसे देखें।
- उन शब्दों को बोर्ड पर लिखकर पढ़ें जो पाठ में कठिन या अपरिचित की तरह लिए गए हैं।
- अब बच्चे जोड़ों में इस पाठ को पढ़ें। शिक्षक बच्चों को देखें कि वे सही–सही पढ़ पा रहे हैं या नहीं। आवश्यकतानुसार उनको पढ़ने में मदद करें।

दूसरा दिन

- पिछले दिन बच्चों द्वारा पढ़े गये पाठ पर शिक्षक द्वारा चर्चा
- बच्चों को स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने को कहें। किन्हीं दो या तीन बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चे अपनी–अपनी पुस्तक में देखें।
- अंत में शिक्षक पाठ पर एक संक्षिप्त चर्चा कर लें।

नोट : डिकोडेबल पाठ पर दो दिन कार्य में ऊपर दिए गए चरणों का अनुसरण करें। ग्रेडेड पाठ पर केवल एक दिन ही कार्य होगा।

आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग हैं। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण को उद्देश्य आधारित प्रक्रिया बनाता है, जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन के उद्देश्य

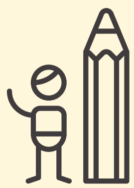

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग-अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे समझने में आकलन हमारी मदद करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों का विश्लेषण करने में सहायता करता है।

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों को अवधारणाओं को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को समझने में सतत आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न और बच्चों द्वारा दिए गए जवाब उनकी सीखने की वास्तविक तस्वीर उजागर करते हैं।

3. बच्चों की मदद के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने का कार्य करता है। यह शिक्षण कार्य की तैयारी एवं योजना बनाने में मदद करता है, साथ ही बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उनके लिए प्रभावी शिक्षण रणनीति बनाने में भी मार्गदर्शन करता है।

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्ययोजनाओं के लिए संदर्भ बिंदु की तरह है। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में मदद करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना, अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए उचित समय और अभ्यास के लिए पर्याप्त अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने बच्चे लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिह्नित कर, लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यकता के अनुसार बदलाव करें और नई-नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

2024-25 की आकलन प्रक्रिया

इस अकादमिक सत्र में तीन प्रकार के आकलन है: साप्ताहिक, सावधिक एवं वार्षिक। इस पर आगे एक-एक करके बात की गई है।

साप्ताहिक आकलन पुनरावृत्ति	सावधिक आकलन	वार्षिक आकलन
हर सप्ताह दिवस 5-6	सप्ताह 11 एवं 20 में	अकादमिक सत्र के अंत में

साप्ताहिक पुनरावृत्ति और आकलन

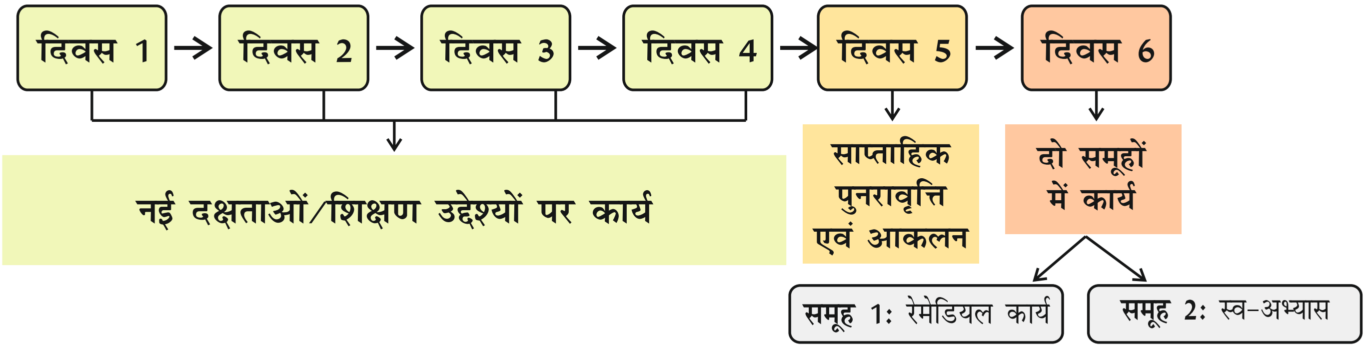

सप्ताह के पहले चार दिनों में हम बच्चों के साथ नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य करेंगे, जिसमें डिकोडिंग कौशल के अंतर्गत नए वर्ण/मात्रा पहचान और शब्द पठन का कार्य होगा। दैनिक योजना के अनुसार इन पर कार्य किया जाएगा।

दिवस 5 : साप्ताहिक पुनरावृत्ति एवं आकलन (मैने सीख लिया)

- साप्ताहिक पुनरावृत्ति और आकलन का कार्य प्रत्येक सप्ताह के 5वें दिन रखा गया है।
- सीखी गई विषयवस्तु का दोहरान किया जाएगा। इससे बच्चों के सीखने के बेहतर परिणाम देखे जा सकते हैं। पुनरावृत्ति में वर्ण स्तर की गतिविधि के साथ-साथ ब्लेंडिंग, शब्द पठन, वाक्य पठन की गतिविधियों को भी सम्मिलित किया गया है।

'नई उमंग' अभ्यास पुस्तिका के पुनरावृत्ति के पाठों के पृष्ठ पीले रंग के हैं।

- डिकोडिंग से संबंधित दक्षताओं के साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों को पहचानना है, जो उन दक्षताओं को हासिल नहीं कर पाए हैं।
- साथ-साथ उन बिन्दुओं को चिह्नित करना है, जहाँ कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है और फिर से इन दक्षताओं का शिक्षण करना है।
- इस कार्य को प्रत्येक सप्ताह के दिवस 5 में किया जाएगा। इस दौरान, आकलन के बाद जिन बच्चों ने लक्षित दक्षता प्राप्त नहीं की है, उनके साथ छठे दिन योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाना है।

5-24 सप्ताह

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटे:

समूह 1 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने दोनों दक्षताओं में या किसी एक दक्षता में 50% या उससे कम अंक पाए हैं

समूह 2 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने दोनों दक्षताओं में 50% से अधिक अंक पाए हैं

जब आप समूह 1 के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों तब कक्षा के समूह-2 के बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, अभ्यास पुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने दें।

दिवस 6: रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/स्व-अभ्यास कार्य

5-24 सप्ताह

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटे:

दो समूहों में कार्य

समूह-1
जो बच्चे सीखने में पीछे छूट रहे हैं, उनके साथ कार्य

वर्ण स्तर का कार्य
- वर्णों/अक्षरों की दोबारा पहचान करवाएँ।
- वर्णों/अक्षरों को शब्दों में ढूँढ़कर गोला लगवाएँ।
- ग्रिड से वर्ण/अक्षर की पहचान करवाएँ।
- कॉपी में वर्ण/अक्षर को लिखना और गृहकार्य देना।

शब्द स्तर का कार्य
- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (शिक्षक करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें।)
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखना और पढ़ना।
- लेखन अभ्यास के लिए गृहकार्य देना।

समूह-2
जो बच्चे सीख चुके हैं, उनके साथ कार्य

शिक्षक इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि ये बच्चे खुद इन गतिविधियों को कर पाएँ:
- डिकोडिंग खेल
- कहानी की किताबें पढ़ना
- देखकर शब्द/वर्ण/अक्षर लिखना
- स्वतंत्र रूप से कार्य करने को देना।

सावधिक आकलन प्रक्रिया

सप्ताह 11 एवं 20

24 सप्ताह की शिक्षण योजना में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा। पहला आकलन 11वें सप्ताह में और दूसरा आकलन 20वें सप्ताह में किया जाना है। इसे आंतरिक आकलन प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य भी बच्चों को कक्षा स्तर की दक्षताओं को हासिल करने में मदद करना है।

सावधिक आकलन का सप्ताह 12 दिवस का होगा। पहले दो दिवस में आकलन किया जाएगा तथा शेष 10 दिवसों में सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा।

सावधिक आकलन ⟶ सावधिक पुनरावृत्ति ->

3 4 5 6 7 8 9 10 11 12

सावधिक आकलन एवं समूह निर्धारण

बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को सावधिक आकलन के लिए बने ट्रैकर पर दर्ज करना होगा और समूह निर्धारण करना होगा।

- **समूह 1 :** आकलन में जिन बच्चों के 50% या 50% से कम अंक आए हैं।
- **समूह 2 :** आकलन में जिन बच्चों के 50% से अधिक अंक आए हैं।

3-12 सावधिक पुनरावृत्ति के पाठों को दोनों समूहों (समूह 1 एवं 2) के बच्चों के लिए आवश्यकतानुसार उपयोग में लाएँ।

साप्ताहिक व दैनिक योजना

कक्षा 1 की पूरे वर्ष की शिक्षण योजनाएँ यहाँ नीचे दी गयी है। इसमें कुल 24 सप्ताह का कार्य दिया गया है जिसको सप्ताहवार और दिवसवार विभाजित किया गया है। प्रत्येक सप्ताह के लिए 6 दिन का शिक्षण कार्य मानते हुए दैनिक कार्य दिया गया है। दैनिक शिक्षण कार्य तीन अलग–अलग खंड में होगा। प्रत्येक खंड की प्रस्तावित गतिविधियों पर कैसे काम करना है इससे संबंधित दिशानिर्देश संदर्शिका के पृष्ठ 16–50 पर दिए गए हैं। शिक्षक प्रत्येक दिन की कार्य योजना पूरी होने के बाद ट्रैकर वाले कॉलम में अपने हस्ताक्षर करके दिनांक लिखें। सप्ताह 11 और 20 में आकलन के साथ–साथ दी गई योजनानुसार कार्य करें।

सप्ताह–1

दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत / कविता: (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक कहानी: (नानी कहे कहानी या स्थानीय कहानी) सुनाना, चर्चा • अपनी पसंद का चित्र बनाना	• ध्वनि चेतना: परिवेशीय आवाजों की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 1	• बिग बुक 'मुर्गी के तीन चूज़े' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत / कविता: (झिलमिल, नानी कहे कहानी, कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चा: चित्र–चार्ट 1 • साझा लेखन	• ध्वनि चेतना: परिवेशीय आवाजों की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 2	• बिग बुक 'मुर्गी के तीन चूज़े' से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविता: (झिलमिल पेज 3) • चित्र पर चर्चा: चित्र–चार्ट 1 • अपनी पसंद का चित्र बनाना	• ध्वनि चेतना: परिवेशीय आवाजों की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 3	• बिग बुक 'मुर्गी के तीन चूज़े' से साझा पठन	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविता: (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी) • साझा लेखन	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 4	• बिग बुक 'मुर्गी के तीन चूज़े' से लोगोग्राफिक पठन	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविता: (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना (दिनचर्या) • साझा लेखन	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 5	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविता: (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक खेल / गतिविधि–1 (पेज 25)	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–2				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या स्थानीय कहानी) सुनाना, चर्चा करना • अपनी पसंद का चित्र बनाना	• ध्वनि चेतनाः तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः पाठ 6	• बिग बुक 'हाथी और बकरी' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविताः (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः चित्र–चार्ट 2 • साझा लेखन	• ध्वनि चेतनाः तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः पाठ 7	• बिग बुक 'हाथी और बकरी' से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविताः (झिलमिल, पेज 4) • चित्र पर चर्चाः चित्र–चार्ट 2 • अपनी पसंद का चित्र बनाना	• ध्वनि चेतनाः वाक्य में शब्द की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः पाठ 8	• बिग बुक 'हाथी और बकरी' से साझा पठन	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविताः (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी) • साझा लेखन	• ध्वनि चेतनाः वाक्य में शब्द की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः पाठ 9	• बिग बुक 'हाथी और बकरी' से लोगोग्राफिक पठन	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/ कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना (मेरा परिवार झिलमिल पेज 1,2) • साझा लेखन	• ध्वनि चेतनाः शब्दों में ध्वनि पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः पाठ 10	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि– कोई स्थानीय खेल	• ध्वनि चेतनाः शब्दों में ध्वनि पहचान	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-3				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक कहानी: (नानी कहे कहानी या स्थानीय कहानी) सुनाना, चर्चा करना • अपनी पसंद का चित्र बनाना	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 11	• बिग बुक 'बंदर की पूँछ' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविता: (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चा: झिलमिल पेज 6 • साझा लेखन	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 12	• बिग बुक 'बंदर की पूँछ' से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविता: (झिलमिल पेज 7) • चित्र पर चर्चा: झिलमिल पेज 6 • अपनी पसंद का चित्र बनाना	• ध्वनि चेतना: शब्दों में ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 13	• बिग बुक 'बंदर की पूँछ' से साझा पठन	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविता: (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकालय की किताब) • साझा लेखन	• ध्वनि चेतना: प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 14	• बिग बुक 'बंदर की पूँछ' से लोगोग्राफिक पठन	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी/ कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना (मेरा परिवार झिलमिल पेज 1,2) • साझा लेखन	• ध्वनि चेतना: प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 15	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी/ कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि-2 (पेज 26)	• ध्वनि चेतना: प्रथम ध्वनि की पहचान	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने-पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–4				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • मौखिक कहानी: (नानी कहे कहानी या स्थानीय कहानी) सुनाना, चर्चा करना • अपनी पसंद का चित्र बनाना	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 16	• बिग बुक 'चिड़िया' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविता: (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चा: चार्ट–3 • साझा लेखन	• ध्वनि चेतना: तुकांत शब्द बनाना • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 17	• बिग बुक 'चिड़िया' से कहानी पढ़कर सुनाना व विस्तृत चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविता: (कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चा: चार्ट–3 • स्वतंत्र चित्र कार्य	• ध्वनि चेतना: शब्दों में ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 18	• बिग बुक 'चिड़िया' से साझा पठन	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविता: (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकालय की किताब) • साझा लेखन	• ध्वनि चेतना: प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 19	• बिग बुक 'चिड़िया' से लोगोग्राफिक पठन	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी/ कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• ध्वनि चेतना: प्रथम ध्वनि की पहचान • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ 20	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी/ कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि–3 (पेज 26)	• ध्वनि चेतना: प्रथम ध्वनि की पहचान	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–5				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या स्थानीय कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी के किसी पात्र का चित्र बनाना	• वर्ण– 'न' (अभ्यास पुस्तिका पाठ 21) पर कार्य • डिकोडिंग का खेल	• बिग बुक 'मुर्गी और मगरमच्छ' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत / कविताः (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः झिलमिल पेज 8 • साझा लेखन	• वर्ण– 'न' (अभ्यास पुस्तिका पाठ 22) पर कार्य • डिकोडिंग का खेल	• बिग बुक 'मुर्गी और मगरमच्छ' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविताः (कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः झिलमिल पेज 9 • स्वतंत्र लेखन	• वर्ण– 'र' (अभ्यास पुस्तिका पाठ 23) पर कार्य • झिलमिल के पेज 42, 43 पर कार्य)	• बिग बुक 'मुर्गी और मगरमच्छ' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविताः (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी / पुस्तकालय की किताब) • साझा लेखन	• वर्ण– 'र' (अभ्यास पुस्तिका पाठ 24) पर कार्य • डिकोडिंग का खेल	• बिग बुक 'मुर्गी और मगरमच्छ' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और "मैने सीख लिया" (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 25) पर कार्य	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक खेल / गतिविधि– कोई स्थानीय खेल	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–6				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या स्थानीय कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी के किसी पात्र का चित्र बनाना	• वर्ण– 'ल' (अभ्यास पुस्तिका पाठ 26) पर कार्य • झिलमिल के पेज 32,33 पर कार्य	• बिग बुक 'शेर की गुफा' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविताः (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः चार्ट–4 • साझा लेखन	• वर्ण– 'ल' (अभ्यास पुस्तिका पाठ 27) पर कार्य • डिकोडिंग का खेल	• बिग बुक 'शेर की गुफा' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविताः (कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः चार्ट–4 • स्वतंत्र लेखन	• वर्ण– 'क' (अभ्यास पुस्तिका पाठ 28) पर कार्य • झिलमिल के पेज 42, 43 पर कार्य	• बिग बुक 'शेर की गुफा' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविताः (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकालय की किताब) • साझा लेखन	• वर्ण– क (अभ्यास पुस्तिका पाठ 29) पर कार्य • डिकोडिंग का खेल	• बिग बुक 'शेर की गुफा' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/ कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 30) पर कार्य	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/ कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि–4 (पेज 26) • कविता के मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-7				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत / कविता: (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक कहानी: (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी के किसी पात्र का चित्र बनाना	• अक्षर– ना, रा, का, ला, मिलाकर पढ़ना, शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 31) पर कार्य; झिलमिल के पेज 63 पर कार्य	• बिग बुक 'सोनू के लड्डू' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत / कविता: (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चा: चार्ट–5 • साझा लेखन	• अक्षर– ना, रा, का, ला, मिलाकर पढ़ना, शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 32) पर कार्य; • झिलमिल के पेज 63 पर कार्य	• बिग बुक 'सोनू के लड्डू' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविता: (झिलमिल पेज 11) • चित्र पर चर्चा: चार्ट–5 • चार्ट से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• वर्ण– 'स' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 33) पर कार्य • झिलमिल के पेज 63 पर कार्य, झिलमिल के पेज 46, 47 पर कार्य	• बिग बुक 'सोनू के लड्डू' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविता: (कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी / पुस्तकालय की किताब) • किसी पात्र का चित्र बनाना	• वर्ण– 'ब' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 34) पर कार्य • झिलमिल के पेज 30, 31 पर कार्य	• बिग बुक 'सोनू के लड्डू' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविता: (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 35) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 1 पर कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविता: (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक खेल / गतिविधि–5 (पेज 27) • कविता के मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–8				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत / कविता: (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक कहानी: (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी के किसी पात्र का चित्र बनाना	• वर्ण– 'म' और मिलाकर पढ़ना, (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 36) पर कार्य • झिलमिल के पेज 30, 31 पर कार्य	• बिग बुक 'सुरीली और मोनी' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत / कविता: (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चा: झिलमिल पेज 12 पर कार्य • चित्र चर्चा से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'प' और मिलाकर पढ़ना, (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 37) पर कार्य • झिलमिल के पेज 48, 49 पर कार्य	• बिग बुक 'सुरीली और मोनी' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविता: (झिलमिल पेज 13) • चित्र पर चर्चा: झिलमिल पेज 12 पर कार्य • झिलमिल के पेज 15 पर लेखन	• वर्ण– 'द' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 38) पर कार्य • झिलमिल के पेज 38, 39 पर कार्य	• बिग बुक 'सुरीली और मोनी' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविता: (कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी / पुस्तकालय की किताब) • किसी पात्र का चित्र बनाना	• वर्ण– 'त' पर कार्य और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 39) पर कार्य • झिलमिल के पेज 40, 41 पर कार्य	• बिग बुक 'सुरीली और मोनी' से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविता: (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 40) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 2 पर कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविता: (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक खेल / स्थानीय खेल • कविता के मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–9				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी के किसी पात्र का चित्र बनाना	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ 41 पर अक्षर पहचान, शब्द पठन कार्य • झिलमिल के पेज 65 पर कार्य	• अपनी पसंद की किसी भी बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत / कविताः (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः चार्ट–6 • चित्र चर्चा से जुड़ा लेखन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ 42 पर अक्षर पहचान, शब्द पठन कार्य • झिलमिल के पेज 65 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविताः (झिलमिल पेज 14) • चित्र पर चर्चाः चार्ट–6 • चार्ट से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ट' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 43) पर कार्य • झिलमिल के पेज 32, 33 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविताः (कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी / पुस्तकालय की किताब) • किसी पात्र का चित्र बनाना	• वर्ण– 'ग' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 44) पर कार्य • झिलमिल के पेज 32, 33 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• मात्रा 'ा', 'ि' पहचान, और "मैने सीख लिया" (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 45) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग ब से पाठ 3 पर कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक खेल / झिलमिल पेज–16 • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-10				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी के पात्रों के नाम लिखना	• वर्ण– 'च' पर कार्य और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका पाठ 46) पर कार्य • झिलमिल के पेज 42, 43 पर कार्य	• अपनी पसंद की किसी भी बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविताः (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः झिलमिल पेज 18 • चित्र चर्चा से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ख' पर कार्य और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका पाठ 47) पर कार्य • झिलमिल के पेज 46, 47 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविताः (झिलमिल पेज 19) • चित्र पर चर्चाः झिलमिल पेज 20 • चित्र से जुड़ा लेखन	• मात्रा े (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 48) पर कार्य • झिलमिल के पेज 69 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविताः (कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकालय की किताब) • कहानी के किसी पात्र का चित्र बनाना	• मात्रा े और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 49) पर कार्य • झिलमिल के पेज 69 पर कार्य	• बिग बुक से कहानी पढ़कर सुनाना व सामान्य चर्चा	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/ कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• साप्ताहिक पुनरावृत्ति और "मैने सीख लिया" (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 50) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के भाग ब से पाठ 4 पर कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/ कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि–6 (पेज 27) • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को कहानी की किताबें उलटने–पलटने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-11 (सावधिक आकलन-1 और रेमेडियल)				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• सावधिक आकलन 1 का संचालन • आकलन के समय बाकी बच्चों को स्वतंत्र कार्य			हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• सावधिक आकलन 1 का संचालन • आकलन के समय बाकी बच्चों को स्वतंत्र कार्य			हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • मौखिक कहानी– बच्चे सुनाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 51 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • किसी कहानी के चित्रों पर चर्चा • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 52 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • कहानी पढ़कर सुनाना– बच्चे सुनाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 53 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • खेल/गतिविधि–बच्चें अपनी पसंद से खेल खिलाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 54 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-11 (सावधिक आकलन-1 और रेमेडियल)				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
7	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • मौखिक कहानी– बच्चे सुनाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 55 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
8	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चों द्वारा लीड • चित्रों पर चर्चा–पुस्तकालय की किताब से • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 56 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
9	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चों द्वारा लीड • चित्रों पर चर्चा–पुस्तकालय की किताब से • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 57 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
10	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • कहानी पढ़कर सुनाना– बच्चे सुनाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 58 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
11	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • चर्चा– कोई भी मनपसंद विषय • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 59 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
12	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • खेल/गतिविधि–बच्चें अपनी पसंद से खेल खिलाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 60 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–12

दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी के पात्रों के नाम लिखना	• वर्ण– 'ज' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 61) पर कार्य • झिलमिल के पेज 34, 35 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 5	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत / कविताः (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः चार्ट–7 • चित्र चर्चा से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'य' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 62) पर कार्य • झिलमिल के पेज 42, 43 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 6	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविताः (झिलमिल पेज 17) • चित्र पर चर्चाः चार्ट–7 • चार्ट से जुड़ा लेखन	• मात्रा– ‘ं’ मिलाकर शब्द पठन, (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 63) पर कार्य • झिलमिल के पेज 73 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 6	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविताः (कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी / पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• मात्रा– ‘ं’ मिलाकर शब्द पठन, (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 64) पर कार्य • झिलमिल के पेज 73 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 7	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 65) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 7	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक खेल / गतिविधि–7 (पेज 28) • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–13				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'छ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 66) पर कार्य • झिलमिल के पेज 40, 41 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 8	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत / कविताः (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः झिलमिल पेज 21 • चित्र चर्चा से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'श' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 67) पर कार्य • झिलमिल के पेज 36, 37 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 9	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविताः (झिलमिल पेज 23) • चित्र पर चर्चाः झिलमिल पेज 22 • चार्ट से जुड़ा लेखन	• मात्रा– ' ो ' और मिलाकर शब्द बनाना (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 68) पर कार्य • झिलमिल के पेज 71 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 9	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविताः (कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी / पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• मात्रा– ' ो ' और मिलाकर शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 69) पर कार्य • झिलमिल के पेज 71 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 10	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 70) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 10	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक खेल / गतिविधि–8 (पेज 28) • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–14				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ह' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 71) पर कार्य • झिलमिल के पेज 38, 39 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 11	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत / कविताः (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः चित्र–चार्ट–8 • चित्र चर्चा से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'व' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 72) पर कार्य • झिलमिल के पेज 34, 35 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 12	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविताः (झिलमिल पेज 29) • चित्र पर चर्चाः चित्र–चार्ट–8 • चार्ट से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'अ' और शब्द पठन, (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 73) पर कार्य • झिलमिल के पेज 31 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 12	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविताः (कविता पोस्टर) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी / पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'आ' और शब्द पठन, (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 74) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 13	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 75) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 13	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक खेल / गतिविधि–9 (पेज 28) • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-15				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'इ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 76) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 14	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविताः (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः झिलमिल पेज 24, 25 • लेखन–झिलमिल पेज 26	• वर्ण– 'ई' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 77) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 15	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविताः (झिलमिल पेज 29) • चित्र पर चर्चाः झिलमिल पेज 24, 25 • लेखन–झिलमिल पेज 27	• वर्ण– 'ए' और शब्द पठन, लेखन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 78) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 15	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविताः (कोई स्थानीय) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'उ' और मिलाकर शब्द पठन, वाक्य पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 79) पर कार्य • झिलमिल के पेज 32, 33 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 16	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' अभ्यास पुस्तिका के पाठ 80) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 16	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि– स्वेच्छा से • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना और चर्चा करना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–16				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ओ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 81) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 17	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविताः (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः कोई भी चित्र–चार्ट • लेखन–चित्र–चार्ट से जुड़ा	• वर्ण– 'घ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 82) पर कार्य • झिलमिल के पेज 48, 49 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 18	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविताः (झिलमिल पेज 44) • चित्र पर चर्चाः कोई भी चित्र–चार्ट • लेखन–चित्र–चार्ट से जुड़ा	• मात्रा– 'ू' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 83) पर कार्य • झिलमिल के पेज 66 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 18	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविताः (कोई स्थानीय) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• मात्रा– 'ू' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 84) पर कार्य • झिलमिल के पेज 66 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 19	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • अनुभव सुनना सुनाना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 85) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 19	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि– स्वेच्छा से • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना और चर्चा करना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–17				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक कहानी: (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ध' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 86) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 20	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविता: (झिलमिल/नानी कहे कहानी, कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चा: कोई भी चित्र–चार्ट • लेखन–चित्र–चार्ट से जुड़ा	• वर्ण– 'झ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 87) पर कार्य • झिलमिल के पेज 36, 37 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 21	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविता: (झिलमिल पेज 45) • चित्र पर चर्चा: कोई भी चित्र–चार्ट • लेखन–चित्र–चार्ट से जुड़ा	• मात्रा ' ि' और शरब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 88) पर कार्य • झिलमिल कें पेज 64 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 21	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविता: (कोई स्थानीय) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• मात्रा ' ि' और शरब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 89) पर कार्य • झिलमिल कें पेज 64 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 22	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • किसी पात्र का अभिनय करना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 90) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 22	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि– स्वेच्छा से • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना और चर्चा करना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-18				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ठ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 91) पर कार्य • झिलमिल के पेज 34, 35 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 23	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविताः (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः कोई भी चित्र–चार्ट • लेखन–चित्र–चार्ट से जुड़ा	• वर्ण– 'फ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 92) पर कार्य • झिलमिल के पेज 46, 47 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 24	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी, कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः कोई भी चित्र–चार्ट • लेखन–चित्र–चार्ट से जुड़ा	• मात्रा– ' ृ ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 93) पर कार्य • झिलमिल के पेज 67 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 24	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविताः (कोई स्थानीय) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• मात्रा– ' ृ ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 94) पर कार्य • झिलमिल के पेज 67 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 25	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • किसी पात्र का अभिनय करना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और "मैने सीख लिया" (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 95) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 25	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि– स्वेच्छा से • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना और चर्चा करना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–19				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ड' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 96) पर कार्य • झिलमिल के पेज 40, 41 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 26	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत / कविताः (झिलमिल / नानी कहे कहानी, कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः झिलमिल पेज 77 • लेखन–चित्र–चार्ट से जुड़ा	• वर्ण– 'ढ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 97) पर कार्य • झिलमिल के पेज 40, 41 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 27	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी, कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः झिलमिल पेज 77 • लेखन–चित्र–चार्ट से जुड़ा	• वर्ण– 'भ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 98) पर कार्य • झिलमिल के पेज 46, 47 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 27	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविताः (कोई स्थानीय) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी / पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'औ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 99) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 28	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • किसी पात्र का अभिनय करना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और "मैने सीख लिया" (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 100) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 28	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक खेल / गतिविधि– स्वेच्छा से • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना और चर्चा करना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-20 (सावधिक आकलन-2 और रेमेडियल)				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• सावधिक आकलन 2 का संचालन • आकलन के समय बाकी बच्चों को स्वतंत्र कार्य			हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• सावधिक आकलन 2 का संचालन • आकलन के समय बाकी बच्चों को स्वतंत्र कार्य			हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविता– कोई भी मनपसंद, कविता बच्चे लीड करें • मौखिक कहानी, चर्चा– बच्चे सुनाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 101 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविता– कोई भी मनपसंद, कविता बच्चे लीड करें • मनपसंद चित्र पर चर्चा • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 102 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • कहानी पढ़कर सुनाना– बच्चे सुनाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 103 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • खेल / गतिविधि–बच्चे अपनी पसंद से खेल खिलाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 104 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-20 (सावधिक आकलन-2 और रेमेडियल)				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
7	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • मौखिक कहानी– बच्चे सुनाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 105 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
8	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चों द्वारा लीड • चित्रों पर चर्चा–पुस्तकाल की किताब से • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 106 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
9	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चों द्वारा लीड • चित्रों पर चर्चा–पुस्तकाल की किताब से • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 107 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
10	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • कहानी पढ़कर सुनाना– बच्चे सुनाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 108 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
11	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • चर्चा– कोई भी मनपसंद विषय • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 109 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY
12	• बालगीत/कविता– कोई भी मनपसंद बच्चे लीड करें • खेल/गतिविधि–बच्चें अपनी पसंद से खेल खिलाएँ • नोट : समूह 1 के बच्चों पर विशेष ध्यान	• अभ्यास पुस्तिका पाठ 110 • समूह 1 के साथ शिक्षक द्वारा कार्य • समूह 2 स्वतंत्र कार्य	• समूह 1– शिक्षक द्वारा स्तरीय पठन सामग्री देना • समूह 2– स्वतंत्र रूप से पठन कार्य	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-21				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी/ या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ण' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 111) पर कार्य • झिलमिल के पेज 38, 39 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 29	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविताः (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः कोई भी चित्र पर चर्चा • लेखन–चित्र से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'थ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 112) पर कार्य • झिलमिल के पेज 48, 49 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 30	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविताः (झिलमिल पेज 52 कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः कोई भी चित्र पर चर्चा • लेखन–चित्र से जुड़ा लेखन	• मात्रा– ' ौ ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 113) पर कार्य • झिलमिल के पेज 72 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 30	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविताः (कोई स्थानीय) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• मात्रा– ' ौ ' और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 114) पर कार्य • झिलमिल के पेज 72 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 31	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • किसी कहानी के पात्रों पर अभिनय करना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और "मैने सीख लिया" (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 115) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 31	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविताः (नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि– स्वेच्छा से • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना और चर्चा करना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–22				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक कहानीः (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– **'ङ'** और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 116) पर कार्य • झिलमिल के पेज 48, 49 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 32	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत / कविताः (झिलमिल / नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः कोई भी चित्र पर चर्चा • लेखन–चित्र से जुड़ा लेखन	• वर्ण– **'ष'** और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 117) पर कार्य • झिलमिल के पेज 36, 37 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 33	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत / कविताः (झिलमिल पेज 83, कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चाः कोई भी चित्र पर चर्चा • लेखन–चित्र से जुड़ा लेखन	• मात्रा– **'ै'** और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 118) पर कार्य • झिलमिल के पेज 70 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 33	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत / कविताः (कोई स्थानीय) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी / पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• मात्रा– **'ै'** और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 119) पर कार्य • झिलमिल के पेज 70 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 34	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • किसी कहानी के पात्रों पर अभिनय करना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 120) पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 34	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत / कविताः (नानी कहे कहानी / कविता पोस्टर) • मौखिक खेल / गतिविधि– स्वेच्छा से • खेल से जुड़े मुख्य शब्दों का लेखन	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना और चर्चा करना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह–23				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30 मिनट	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 40 मिनट	पठन 20 मिनट	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • मौखिक कहानी: (नानी कहे कहानी या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ऐ' और शब्द पठन लेखन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 121) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 35	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविता: (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चा: कोई भी चित्र पर चर्चा • लेखन–चित्र से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'त्र' और शब्द पठन लेखन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 122) पर कार्य • झिलमिल के पेज 38, 39 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 36	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविता: (झिलमिल पेज 74, कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चा: कोई भी चित्र पर चर्चा • लेखन–चित्र से जुड़ा लेखन	• अनुनासिक– 'ँ' और शब्द पठन लेखन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 123) पर कार्य • झिलमिल के पेज 73 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 36	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविता: (कोई स्थानीय) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकालय की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• अनुनासिक– 'ँ' और शब्द पठन लेखन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 124) पर कार्य • झिलमिल के पेज 73 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 37	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • किसी घटना पर अभिनय करना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और "मैने सीख लिया" (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 125) पर कार्य • झिलमिल पेज 75	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 37	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविता: झिलमिल पेज 59/कविता पोस्टर) • मौखिक खेल/गतिविधि– स्वेच्छा से • लेखन–झिलमिल पेज 59	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना और चर्चा करना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

सप्ताह-24				
दिन	मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)	डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)	पठन (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • मौखिक कहानी: (नानी कहे कहानी, या अन्य कोई कहानी) सुनाना, चर्चा करना • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ऋ' और शब्द पठन लेखन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 126) पर कार्य • झिलमिल के पेज 68 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 38	हस्ताक्षर DD/MM/YY
2	• बालगीत/कविता: (झिलमिल/नानी कहे कहानी/कविता पोस्टर) • चित्र पर चर्चा: झिलमिल पेज 86 • लेखन–झिलमिल पेज 81	• वर्ण– 'ढ़', 'ऊ', और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 127) पर कार्य • झिलमिल के पेज 30, 31, 36, 37 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 39	हस्ताक्षर DD/MM/YY
3	• बालगीत/कविता: (झिलमिल पेज 78, 79,80,) • चित्र पर चर्चा: झिलमिल पेज 78,79,80 • लेखन–चित्र से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'अं', 'श्र', और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 128) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 39	हस्ताक्षर DD/MM/YY
4	• बालगीत/कविता: (कोई स्थानीय) • कहानी पढ़कर सुनाना (नानी कहे कहानी/पुस्तकाल की किताब) • कहानी से जुड़ा लेखन	• वर्ण– 'ज्ञ', 'क्ष', और शब्द पठन (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 129) पर कार्य • झिलमिल के पेज 36, 37, 38 39 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 40	हस्ताक्षर DD/MM/YY
5	• बालगीत/कविता: (नानी कहे कहानी /कविता पोस्टर) • किसी घटना पर अभिनय करना • साझा लेखन	• पुनरावृत्ति और ''मैने सीख लिया'' (अभ्यास पुस्तिका के पाठ 130) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पठन भाग से पाठ 40	हस्ताक्षर DD/MM/YY
6	• बालगीत/कविता: झिलमिल पेज 59 /कविता पोस्टर) • पहेलियाँ झिलमिल पेज 32 • लेखन–झिलमिल पेज 76	• शिक्षक आकलन के आधार पर दो समूह में रेमेडियल कार्य योजना स्वयं बनायें	• बच्चों को पुस्तकालय की किताबें पढ़ने को देना और चर्चा करना	हस्ताक्षर DD/MM/YY

दैनिक शिक्षण योजनाओं के नमूने

सप्ताह 8
दिवस 1

कहानी सुनकर समझना और चर्चा करना

मौखिक भाषा — 30 मिनट

तैयारी और सामग्री

- धम्मक-धम्मक हाथी (कविता चार्ट)।
- कहानी- कछुआ और खरगोश (नानी कहे कहानी)।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- बच्चों को अपनी भाषा में अलग-अलग श्रेणियों से जुड़े नामों को बताने के लिए प्रोत्साहित करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

कविता पर कार्य: धम्मक-धम्मक हाथी

- शिक्षक पहले बच्चों को कविता लय के साथ गाकर सुनाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों को साथ में दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा 2-3 बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने को कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी हुई कविता उनसे सुनें।

मौखिक कहानी सुनाना

- अब बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और शिक्षक स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ और कहें- आज मैं आप सभी को एक कहानी सुनाऊँगा/सुनाऊँगी, जिसका नाम है- 'कछुआ और खरगोश।' अब बच्चों से कहानी के नाम से अनुमान लगाने के लिए कहें, जैसे- बच्चों के अनुसार कहानी में कौन-कौन होगा? क्या हुआ होगा? आदि।
- अब शिक्षक 'कछुआ और खरगोश' कहानी को बच्चों को आवाज में उतार-चढ़ाव और हाव-भाव का उपयोग करते हुए कहानी मौखिक रूप से सुनाएँ।
- कहानी सुनाते समय अधिक चर्चा करने से बचें। बीच-बीच में 1-2 अनुमान लगाने वाले प्रश्नों को पूछकर यह सुनिश्चित करें कि बच्चों का पूरा ध्यान कहानी सुनने पर है या नहीं। जैसे- क्या खरगोश जीत जाएगा? खरगोश बीच में क्यों रुका होगा? अब कछुआ क्या करेगा? आदि।
- कहानी सुनाने के दौरान यदि कोई कठिन या अनजान शब्द आता है तो बच्चों को उनका अर्थ संदर्भ के साथ समझाएँ, जैसे- जीत, गति, रेस आदि। कहानी सुनाते समय या चर्चा के लिए स्थानीय भाषा का ही प्रयोग करें।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों से कहानी से संबंधित बंद छोर (तथ्यात्मक) और खुले छोर (उच्च स्तरीय चिंतन) दोनों तरह के प्रश्न पूछें। जैसे- कहानी में कौन-कौन था? दौड़ लगाने की बात किसने की थी? दौड़ में जीत किसकी हुई? अगर खरगोश आराम न करता तो दौड़ कौन जीतता? कहानी में कछुआ की जगह अगर लोमड़ी होती तो दौड़ कौन जीतता? इस कहानी को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है? आदि।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों को चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले खण्ड में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह-8 दिवस-1

‘म’ वर्ण पहचानना और लिख पाना

डिकोडिंग

40 मिनट

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक, बच्चों का नाम चार्ट।
- ‘म’ से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची बनाकर रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अभ्यास पुस्तिका पर कार्य करने के लिए बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

‘म’ वर्ण की पहचान

- कक्षा की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसमें सभी बच्चों को हिस्सा लेने के लिए उनका प्रोत्साहन करें। इस खेल गतिविधि के लिए 5 से 7 मिनट का ही समय दें।
- बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और शिक्षक स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ।
- शिक्षक बच्चों के साथ किसी परिचित शब्द (जैसे- मटका) को मौखिक रूप से तोड़कर-जोड़कर बोलें, जैसे- (मटका- ‘म’ ‘ट’ ‘का’) और (‘म’ ‘ट’ ‘का’- मटका)। अब बच्चों से शब्द की पहली आवाज (‘म’) पहचानने को कहें। इस प्रक्रिया को 3-4 सरल एवं परिचित शब्दों के साथ करें।
- अब ‘मटका’ शब्द को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक (‘म’) पर घेरा लगाएँ और बच्चों को ‘म’ का उच्चारण करके बताएँ।
- फिर बच्चों को ‘म’ वर्ण का कार्ड दिखाएँ और 3-4 बार ‘म’ वर्ण का उच्चारण करें। अब बच्चों से ‘म’ वर्ण से शुरू होने वाले अन्य शब्द या नाम बताने को कहें और आप उन्हें बोर्ड पर लिखते जाएँ, जैसे- मटर, मकान, मछली आदि। शिक्षक लिखे हुए सभी शब्दों को बच्चों के साथ मिलकर पढ़ें और उनकी पहली आवाज के प्रतीक ‘म’ वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- बच्चों को ‘म’ वर्ण कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक से ढूँढ़कर बताने को कहें। शिक्षक पाठ्यपुस्तक में ‘म’ वर्ण पर गोला लगाने को भी कह सकते हैं।
- बच्चों को डिकोडिंग के खेल के माध्यम से ‘म’ वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ, जैसे- सभी बच्चों को गोल घेरे में खड़े होने को कहें। अब शिक्षक हवा में उँगली से ‘म’ वर्ण लिखें और सभी बच्चों को दोहराने के लिए कहें। अब यही प्रक्रिया अलग-अलग प्रकार से करें और करवाएँ जैसे- ‘म’ को पैर से, सिर से, कंधे से, कमर से, कोहनी से, घुटने से, जमीन पर चलकर आदि लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- अंत में, ‘म’ वर्ण लेखन से संबंधित अभ्यास कार्य को अभ्यास पुस्तिका में पूरा करवाएँ।
- सभी बच्चों से अभ्यास पुस्तिका के पाठ-36 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता अनुसार उनकी सहायता करें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने अभ्यास पुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य पूरा करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह-8 दिवस-1

बिगबुक की कहानी सुनकर समझना

पठन | 20 मिनट

तैयारी और सामग्री

- बिगबुक: सुरीली और मोनी
- शिक्षक बिगबुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों को बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक पर सामान्य चर्चा

- बिगबुक का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ और बिगबुक के मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र और कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत करने एवं अनुमान लगाने को कहें।
- बिगबुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और बच्चों से पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर कहानी का अनुमान लगाने को कहें। बिगबुक का आदर्श रूप से पठन कम से कम 2-3 बार करें।
- बच्चों को यह भी समझने का मौका दें कि इस किताब के हर पृष्ठ पर जो चित्र बने हैं, वे कहानी में क्या हो रहा है, उससे संबंधित हैं। अंत में, बच्चों ने चित्रों को देखकर जो अनुमान लगाए गए थे, उन पर बातचीत करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिगबुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

दिवस 2, 3 और 4 पर दिवसवार योजना के अनुसार इसी तरह कार्य करें।

सप्ताह-8 दिवस-5

अनुभव सुनना-सुनाना

मौखिक भाषा | 30 मिनट

तैयारी और सामग्री

- कोई भी कविता (नानी कहे कहानी)
- सामग्री-कुछ नहीं
- अनुभव का विषय चुनने के लिए शिक्षक बच्चों से चर्चा करें। उदाहरण के आज का विषय मेला

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- बच्चों को अपनी भाषा में अनुभव सुनाने की आजादी होनी चाहिए।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

कविता पर कार्य: मोटूराम हलवाई (नानी कहे कहानी से)

- पहले शिक्षक कविता को पूरे हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ करवाएँ। बच्चों को पीछे-पीछे दोहराने को कहें।
- शिक्षक द्वारा बच्चों को गोले में खड़ा कर लिया जाए और कविता करने के निर्देश दें।
- अब शिक्षक कविता की एक-एक पंक्ति को हाव-भाव के साथ गाए और बच्चे पीछे-पीछे दोहराएँ।
- अगर बच्चे ठीक से नहीं दोहरा पाये तो शिक्षक उनको ठीक से दोहराने को कहें।

प्रक्रिया:

- अनुभव सुनने सुनाने का विषय तय करने के बाद शिक्षक पहले स्वयं अपने अनुभव सुनाएँ।
- जैसे आज का विषय मेले का अनुभव है। मै आपको अपना मेला देखने का अनुभव सुनाता हूँ.....
- शिक्षक 3-4 मिनट में अपने मेले के अनुभवों को स्थानीय भाषा या हिन्दी में सुनाएँ।
- अब एक-एक बच्चे से अपने मेले के अनुभव सुनाने को कहें। अगर बच्चे ठीक से अनुभव नहीं सुना पाये तो शिक्षक उन्हें प्रोत्साहित करें।
- शिक्षक कोशिश करें कि कक्षा के हर बच्चे को अपने अनुभव सुनाने का मौका मिल जाये।
- बच्चों को अपनी घर की भाषा में अनुभव सुनाने की पूरी आजादी हो।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- शिक्षक ध्यान दे कि, क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या सभी बच्चे सहजता से अपनी बात (अनुभव) कह पा रहे हैं?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगली बार उन्हें थोड़े और मौके दें। आप समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या असुविधा हो रही है और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

संबन्धित लेखन

- बच्चों से उनके मेले के अनुभव से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें।
- अगर रंग उपलब्ध हो तो रंग भी भरवाएँ और चित्र का नाम भी लिखवाएँ।
- चित्र बनाने के बाद सभी बच्चों को चित्रों को दीवार पर चस्पा दिया जाए।

सप्ताह-8 दिवस-5

पुनरावृत्ति, 'दा, ता, मा' और 'पा' की पहचान और साप्ताहिक आकलन

डिकोडिंग

40 मिनट

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका, 'दा, ता, मा' और 'पा' अक्षर लिखे 6-6 अक्षर कार्ड और 20-25 अन्य वर्ण/अक्षर लिखे हुए अक्षर कार्ड।
- इन अक्षरों से जुड़ी हुई दोनो तरह के ग्रिड कार्ड

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अभ्यास पुस्तिका पर कार्य करने के लिए बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त अवसर दें।

'दा, ता, मा' और 'पा' अक्षर पहचान

- सबसे पहले आप कक्षा के बोर्ड पर द, त, म, प वर्ण बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से उन्हें पहचानने को कहें।
- फिर ना, रा, ला, का बोर्ड पर लिखकर बच्चों को पहचानने को कहें।
- अब बोर्ड पर एक ग्रिड बनाएँ जिसमें एक लाईन में द, त, म, और प लिखें हो जबकि दूसरी लाईन में दा, ता, मा, और पा लिखे हों।
- इसके बाद शिक्षक बच्चों को ग्रिड पढ़ने को कहें। दिक्कत होने पर शिक्षक बच्चों की मदद करें। यह अभ्यास 2-3 बार किया जाए।
- अब बच्चों को उप समूहों में बिठाकर दोनों तरह के ग्रिड कार्ड अभ्यास के लिए दिये जाएँ।
- अंत में अभ्यास पुस्तिका के पाठ 40 पर बच्चों को काम करने के लिए कहा जाए।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।
- पाठ 40 का पुनरावृत्ति कार्य पूरा कर लेने के बाद शिक्षक एक-एक बच्चे का ''मैने सीख लिया'' प्रपत्र से (पेज नं0 44) आकलन करें।
- बच्चों द्वारा सही तरह से पहचाने गए वर्णो/अक्षरों/शब्दों पर एक छोटा-सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी वर्ण/अक्षर/शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (-) का चिन्ह लगा दें। आप शिक्षक संदर्शिका के साप्ताहिक आकलन में बच्चों द्वारा प्राप्त अंको को दर्ज करें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात् आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'देखकर/सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एक साथ करवाएँ।
- अगर सभी बच्चों का आकलन 5वें दिन पूरा नही हो पाता है तो इसे छठे दिन में किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

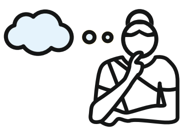

- क्या सभी बच्चों ने पुनरावृत्ति और मैने सीख लिया कार्य पूरा कर लिया है?
- मैने सीख लिया जिन बच्चों के अंक 50 प्रतिशत से कम आये हैं उन्हें समूह 1 मानकर शिक्षक अगले दिन रेमेडियल कार्य करवाएँ।

सप्ताह-8 दिवस-5

शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन

पठन

20 मिनट

तैयारी और सामग्री

- **अभ्यास पुस्तिका**
- बोर्ड और चॉक

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक यह ध्यान रखें कि प्रत्येक बच्चे को पाठ के शब्द पढ़ने का मौका मिले।
- जिन बच्चों को शब्द पढ़ने में दिक्कत आये शिक्षक उनकी मदद करें।

शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन

- अभ्यास पुस्तिका से पाठ 40 पुनरावृत्ति और साप्ताहिक आकलन संबंधी कार्य पूरा कर लेने के बाद शिक्षक पठन कालांश में सभी बच्चों को अभ्यास पुस्तिका के खण्ड ब के पाठ 2 को पढ़ने को दें।
- सबसे पहले शिक्षक शब्दों को स्वयं पढ़कर बताएँ।
- शिक्षक ध्यान रखें की सभी बच्चे ध्यान से सुन रहे हों और अपनी किताब में अंगुली रखकर पढ़ भी रहे हों।
- इसके बाद बच्चों को जोड़े में पाठ पढ़ने के लिए कहें और कक्षा में घूमते हुए बच्चों को पढ़ते हुए सुनें। अगर बच्चे किसी शब्द में कठिनाई महसूस कर रहे हैं तो आवश्यकतानुसार पढ़ने में उनकी मदद करें।
- अंत में बच्चों को स्वतंत्र रूप से पाठ को पढ़ने के लिए कहें। जो बच्चे अभी स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने में सक्षम नहीं है। शिक्षक उन बच्चों की धीरे-धीरे शब्दों को पढ़ने में मदद करें।
- किन्हीं 2-3 बच्चों से कक्षा में सामने आकर पढ़ने को कहें। बाकी बच्चे अपनी किताब में देखें।

शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन

- शिक्षक सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे पाठ से शब्दों को ठीक से पढ़ पाएँ।
- जिन बच्चों को शब्द पठन में समस्या आ रही हो उन्हें थोड़ा बेहतर पढ़ने वाले बच्चों के साथ जोड़े बनाने को कहें।
- ठीक से नहीं पढ़ने वाले बच्चों की शिक्षक अतिरिक्त मदद करें।

सप्ताह-8 दिवस-6

साप्ताहिक रेमेडियल

डिकोडिंग

40 मिनट

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक और अभ्यास पुस्तिका।
- शिक्षक सभी बच्चों की भरी हुई आकलन सीट पढ़ लें और रेमेडियल कार्य की योजना बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक दोनों समूहों के लिए एक स्पष्ट कार्य योजना तैयार कर लें।
- समूह 1 (50 प्रतिशत से कम अंक वाले) के साथ स्वयं कार्य करें जबकि समूह 2 (50 प्रतिशत से ज्यादा अंक वाले) को स्वतंत्र कार्य करने को दें।

रेमेडियल कार्य

- सबसे पहले शिक्षक जिन बच्चों का पिछले दिन आकलन पूरा नहीं हुआ है वह आकलन पूरा करें।
- आकलन के परिणामों के अनुसार, जिन बच्चों के अंक 50 प्रतिशत से कम हों, उनको समूह-1 में बिठा लें और उनके साथ मिलकर आवश्यकता के अनुसार 3-4 तरीकों से वर्ण पहचान/शब्द पठन की पुनरावृत्ति करें।
- इस कार्य के लिए बच्चों की नोट बुक, बोर्ड और अलग से अभ्यास बनाने की जरूरत पड़ सकती है। शिक्षक इसकी पूरी तैयारी रखें।
- शिक्षक सुनिश्चित करें कि समूह 1 का प्रत्येक बच्चा इस सप्ताह की विषय वस्तु को ठीक से सीख जाए।
- समूह-2 के बच्चों से आप आकलन पत्रक के खाली स्थान या स्वतंत्र अभ्यास कार्य करने को कहें या कक्षा में उपलब्ध किताबें पढ़ने को दें। कालांश के अंत के 5-10 मिनट में इन बच्चों से बात करें कि उन्होंने क्या पढ़ा/लिखा या बनाया है।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- शिक्षक ध्यान रखें कि समूह 1 का प्रत्येक बच्चा सप्ताह की पूरी विषय वस्तु को ठीक से सीख जाए।
- अगर जरूरत पड़े तो शिक्षक समूह 1 के बच्चों को अलग से कार्य पत्रक या नोट बुक पर कार्य दें।
- समूह 2 के बच्चों को स्वतंत्र कार्य में उपयुक्त कार्य दिया जाए।

सप्ताह-8 दिवस-6

बच्चे को स्वतंत्र रूप से किताब चुनने, किताब पकड़ने और चित्र देखने के मौके मिल सकेंगे

पठन — 20 मिनट

तैयारी और सामग्री

- कहानी की किताबें (छोटी किताबें)
- शिक्षक बच्चों के अनुसार रोचक चित्रों और सरल शब्दों/वाक्यों वाली छोटी पुस्तकों का चुनाव करके रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक यह ध्यान रखें कि सभी बच्चे इस समय किताब पढ़ नहीं पा रहे होंगे, मगर उन्हें किताब पकड़ने, चित्र देखने आदि के मौके मिल रहे हों।
- बच्चे व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग बैठकर किताबें पढ़ें।

बच्चों द्वारा किताब पढ़ना (किताबें उलटना-पुलटना)

- शिक्षक बच्चों को अपनी पसंद से एक-एक किताब चुनने और उसे अलग-अलग बैठकर पढ़ने को कहें।
- शिक्षक बच्चों को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और उन्हें खुद से पढ़ने/देखने के लिए प्रेरित करें।
- बेहतर होगा कि बच्चों को पुस्तकालय से स्वतंत्र रूप से किताबे चुनने और उलटने-पलटने के मौके मिले।
- अंत में, शिक्षक बच्चों से पढ़ी हुई/देखी हुई कहानी पर चर्चा करें कि उन्होंने क्या पढ़ा/देखा? क्या अच्छा लगा और क्यों? पढ़ी गई कहानी में कौन-कौन था? कहानी किसके बारे में थी? आदि।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने प्रक्रिया में भाग लिया? यदि नहीं तो उन बच्चों की पहचान करें, जो प्रतिभाग नहीं कर सके और अगली बार उनके बेहतर प्रतिभाग की योजना बनाएँ।
- क्या दी गई किताबें बच्चों के लिए रोचक रहीं? यदि नहीं तो बच्चों को किस प्रकार की किताबें अधिक पसंद आ रही थीं?

नोट: चूँकि समूह-1 के बच्चों के साथ विशेष पुनरावृत्ति कार्य होगा। इस समूह का डिकोडिंग कार्य पठन कालांश के समय भी चलता रह सकता है। इसलिए पठन की गतिविधि समूह-2 के बच्चों के साथ ही हो सकती है।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

सप्ताह 5-24
दिवस 6

प्रत्येक सप्ताह डिकोडिंग से संबंधित आकलन एवं मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन करें। साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' के प्राप्तांकों और अवलोकन के आधार पर बच्चों का समूह दर्ज करें।

डिकोडिंग

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।
- पाठ 'मैंने सीख लिया' के प्राप्तांकों के आधार पर जो बच्चे स्तर-1 पर हैं, उनके लिए 1 और जो स्तर-2 पर हैं, उनके लिए 2 लिखें।

मौखिक रूप से अभिव्यक्ति

- किसी चित्र को पहचानकर उसका नाम **स्थानीय भाषा और** हिन्दी में बता पाना।
- चर्चा के दौरान स्थानीय भाषा और हिन्दी में प्रश्नों के जवाब देना या प्रश्न पूछना।
- मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन नियमित रूप से करें और जिन बच्चों को अधिक मदद की आवश्यकता है, उनके नाम के आगे '–' चिह्न और जिन बच्चों को मदद की आवश्यकता नहीं है उनके नाम के आगे '✓' का चिह्न लगाएँ।

क्रं.	बच्चों के नाम	5		6		7		8		9		10		12		13		14	
1																			
2																			
3																			
4																			
5																			
6																			
7																			
8																			
9																			
10																			
11																			
12																			
13																			
14																			
15																			
16																			
17																			
18																			
19																			
20																			

नोट – अगर कक्षा में बच्चों की संख्या 20 से अधिक हो तो शिक्षक अतिरिक्त सीट का उपयोग करें।

डिकोडिंग   मौखिक भाषा   सप्ताह

क्रं.	बच्चों के नाम	15		16		17		18		19		21		22		23		24	
1																			
2																			
3																			
4																			
5																			
6																			
7																			
8																			
9																			
10																			
11																			
12																			
13																			
14																			
15																			
16																			
17																			
18																			
19																			
20																			

नोट - अगर कक्षा में बच्चों की संख्या 20 से अधिक हो तो शिक्षक अतिरिक्त सीट का उपयोग करें।

सावधिक आकलन के बाद शिक्षक विद्यार्थी की स्किल पासबुक भरें। हर दक्षता के लिए ट्रैकर में मार्क करने हेतु तय किए गए मार्क **हाँ - Y, आंशिक - P और नहीं - N ।**

सप्ताह 11

सावधिक आकलन-1

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	लिंगः स्त्री/पुरूष	HIN 101 अध्यापक की बात/सरल निर्देश (जैसे 'घेराबनाओ', 'बैठो', 'अंदर आओ' आदि) सुनकर प्रतिक्रिया देना।	HIN 102 बालगीत/कविता सुनकर पीछे-पीछे दोहराना।	HIN 103 खेल गतिविधियों में प्रतिभागिता करना।	HIN 105 फलों, सब्जियों व पशु-पक्षियों के नाम की जानकारी होना।	HIN 106 विभिन्न व्यवसायों (जैसे फौजी, डॉक्टर, किसान आदि) से जुड़े चित्रों की पहचान करना।	HIN 104 अपना व अपने परिवार का सामान्य परिचय देना।	HIN 104/1 आस-पास के परिवेश की सामान्य पहचान होना।	HIN 111 दी गई आकृति के बिन्दुओं पर पेन्सिल फेरकर आकृति पूरी करना।	HIN 108 देखकर वर्णों का अनुलेखन करना।	HIN 105 रंगों की पहचान करते हुए रंग भरना।
1												
2												
3												
4												
5												
6												
7												
8												
9												
10												
11												
12												
13												
14												
15												
16												
17												
18												
19												
20												

नोटः शिक्षक कक्षा में बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ और बच्चों का आकलन डाटा भरें। बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ।

सप्ताह 20

सावधिक आकलन-2

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	लिंग: स्त्री/ पुरूष	HIN 103 कहानी सुनकर घर की भाषा में सरल प्रश्नों के उत्तर देना।	HIN 104 स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा में भाग लेना।	HIN 106 चित्र देखकर उसके बारे में अपनी भाषा में बताना।	HIN 106 चित्र पहचान कर अनुमान लगाना।	HIN 106 चित्रकथा को समझने का प्रयास करना।	HIN 108 मात्रा के प्रयोग से वर्ण ध्वनि में अंतर की पहचान करना।	HIN 108 वर्णों की बनावट पहचानते हुए, उनका उच्चारण करना (34 वर्ण, 7 मात्रा और अनुस्वार)।	HIN 109 शब्दों में आई मात्राओं की पहचान करना।	HIN 107 लोगोग्राफिक पठन के रूप में बार बार आने वाले शब्दों को पहचानना।	HIN 113 वर्णों को जोड़कर पढ़ना एवं शब्द बनाना।	HIN 109 2-3 वाक्यों (20 शब्द वाले) वाले सरल पाठ को पढ़कर समझना।	HIN 110 3-4 शब्दों से बने सरल वाक्यों को पढ़कर समझना।	HIN 113 वर्णों और मात्राओं को जोड़कर सरल शब्दों का लेखन करना।	HIN 114 3-4 शब्दों वाला एक वाक्य लिखना।	HIN 112 परिचित चित्रों/वस्तुओं के नाम लिखना।
1																	
2																	
3																	
4																	
5																	
6																	
7																	
8																	
9																	
10																	
11																	
12																	
13																	
14																	
15																	
16																	
17																	
18																	
19																	
20																	

नोटः शिक्षक कक्षा में बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ और बच्चों का आकलन डाटा भरें। बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ।

सत्र के अंत में

वार्षिक आकलन

क्र. सं.	विद्यार्थी का नाम	लिंग: स्त्री/ पुरूष	HIN 101	HIN 102	HIN 103	HIN 104	HIN 105	HIN 106	HIN 107	HIN 108	HIN 109	HIN 110	HIN 111	HIN 112	HIN 113	HIN 114
			विद्यार्थी सरल निर्देश/अभिवादन/शिष्टाचार/परिचय से सम्बन्धित शब्दों/वाक्यों को सुनकर समझ सकते हैं और उसके अनुसार काम कर सकते हैं।	विद्यार्थी 4-6 पंक्तियों की कविता/बालगीत को सुनकर लय के साथ दोहरा सकते हैं।	विद्यार्थी 5-6 पंक्तियों की छोटी कहानी को सुनकर समझ सकते हैं और उसे अपने शब्दों में बता सकते हैं तथा उस पर आधारित सरल प्रश्नों के जवाब दे सकते हैं। (घर की भाषा में)	विद्यार्थी अपने परिवेश में उपलब्ध परिचित चीज के नाम हिन्दी में बता सकते हैं।	विद्यार्थी अपने बारे में और अपने आस-पास के परिवेश की चीजों के बारे में 3-4 वाक्य बोल सकते हैं और उसके बारे में, सरल प्रश्नों के जवाब दे सकते हैं (घर की भाषा में)।	विद्यार्थी चित्र को देखकर उसके बारे में 3-4 वाक्य बोल सकते हैं (घर की भाषा में)।	विद्यार्थी परिचित लिखे हुए शब्दों को पढ़कर बता सकते हैं। (लोगोग्राफिक पठन)	विद्यार्थी वर्ण एवं मात्रा सहित वर्णों की ध्वनि एवं आकृति/चिन्ह को पहचान कर बता सकते हैं। (सभी वर्ण और 9 मात्राएँ, अनुस्वार व अनुनासिक - ा, ि, ी, ु, ू, े, ै, ो, ौ, ं, ँ)	विद्यार्थी दो/तीन/चार अक्षर वाले सरल शब्दों को एवं चार-पाँच शब्दों वाले एक/दो सरल वाक्यों को पढ़ कर समझ सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले)	विद्यार्थी चार-पाँच वाक्यों वाली सरल कहानी/पाठ को पढ़ कर समझ सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले)	विद्यार्थी बिन्दुओं को मिलाकर चित्र बना सकते हैं एवं आड़ी-तिरछी रेखाओं को ठीक से बना सकते हैं।	विद्यार्थी अपना एवं अपने दोस्तों का नाम लिख सकते हैं तथा सुनी गई कहानी/कविता, घटना, पात्र के चित्र तथा परिवेश की चीजों के चित्र बनाकर उनमें रंग भर सकते हैं और देखकर उनके नाम लिख सकते हैं।	विद्यार्थी बिना मात्रा एवं मात्रा सहित वर्ण तथा दो/तीन/चार अक्षरों वाले शब्द लिख सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले)	विद्यार्थी चार-पाँच शब्दों वाला एकसरल वाक्य लिख सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले)
1																
2																
3																
4																
5																
6																
7																
8																
9																
10																
11																
12																
13																
14																
15																
16																
17																
18																
19																
20																

नोट: शिक्षक कक्षा में बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ और बच्चों का आकलन डाटा भरें। बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ।

प्रिंट–रिच वातावरण

पढ़ने–लिखने के शुरुआती चरणों में बच्चों को जितनी अलग–अलग तरह की शिक्षण अधिगम सामग्री और प्रिंट की चीज़ें मिलती हैं, उनका सीखना उतना ही रोचक हो जाता है। समृद्ध कक्षा–कक्ष बच्चों के पढ़ने–लिखने, कक्षा और अपने सहपाठियों से जुड़कर कार्य करने एवं झिझक दूर करने में काफी मददगार होता है। यह वातावरण उन बच्चों के सीखने में और ज़्यादा मदद करता है जिनके घरों में प्रिंट सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है।

प्रिंट–रिच वातावरण के मुख्य 6 घटक हैं।

1. किताबों का कोना

बच्चों के स्तर की किताबों को कक्षा के किसी कोने में सजाकर इस तरह रखें कि बच्चे उसे लेकर देख सकें। दीवार में रस्सी टाँगकर भी कुछ किताबों को रखा जा सकता है।

2. चित्र–चार्ट

इनको कक्षा में इस तरह दीवारों और खिड़कियों के सहारे रखें कि ये सबको दिख जाएँ। इन्हें दीवारों पर न चिपकाएँ क्योंकि चित्र पर चर्चा के लिए इन्हें बच्चों के बीच में रखकर कार्य करना पड़ता है।

3. कविता/कहानी पोस्टर

इन्हें दीवारों पर लगाएँ। ज़मीन से इनकी ऊँचाई ऐसी हो कि बच्चे आसानी से इन्हें देख सकें और इनके साथ कार्य कर सकें।

4. लेबलिंग

कक्षा में मौजूद वस्तुओं के नाम कागज़ पर लिखकर प्रत्येक वस्तु के पास चिपकाए जा सकते हैं। जैसे–दरवाजा, खिड़की, अलमारी आदि।

5. बच्चों का कोना

बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को दीवार पर प्रदर्शित करने के लिए एक निश्चित जगह चुनें। उस पर उनके नाम सहित उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को चिपकाएँ या टांग दें।

6. शब्द दीवार

दीवारों पर कई तरह के शब्द चार्ट लगाए जा सकते हैं – जैसे बच्चो के नाम, जन्मदिन चार्ट, स्थानीय शब्द, कहानी/कविता के शब्द आदि।

नोट– कक्षा में प्रदर्शित सामग्री को समय–समय पर शिक्षण योजना के अनुरूप बदलते रहना चाहिए। इससे कक्षा में नवीनता बनी रहती है और बच्चें इस सामग्री के उपयोग से स्व अभ्यास, नया सीखने के लिए आतुर रहते हैं।

कक्षा-कक्ष प्रबंधन

कक्षा प्रबंधन एक विशेष प्रकार की रणनीति एवं तकनीक है जो सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही गतिविधियों से जोड़कर रखती है। प्रभावी कक्षा प्रबंधन वह है जो सीखने में मदद करे जैसे शिक्षक का व्यवहार एवं कक्षा का वातावरण, वास्तविक अपेक्षाएँ, अधिगम शिक्षण सामग्री का उपयोग, गतिविधियों एवं शिक्षण कार्य में विविधता, समय प्रबंधन/नियोजन आदि।

प्रभावी कक्षा प्रबंधन के मुख्य बिंदु–

1. बैठक व्यवस्था

- बैठक की व्यवस्था, कक्षा–कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार हो जैसे– गोल घेरे में बैठना, छोटे–छोटे समूहों में बैठना।
- शिक्षण के समय बच्चों और बोर्ड के बीच में दूरी कम हो।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- कक्षा में शिक्षण के दौरान, आप जब भी बच्चों के साथ बातचीत करें तो उनकी भावनाओं के प्रति सचेत और संवेदनशील रहें।
- ऐसे ही बातचीत में सभी बच्चों को मौका दें।
- जो बच्चे डर या झिझक महसूस करें उन्हें कक्षा में जोड़ने के लिए अधिक मौके दें।

3. सहज वातावरण

- कक्षा के सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें।
- कक्षा–व्यवस्था संबंधी नियमों को बच्चों के साथ मिलकर तय करें।
- शिक्षण कार्य के दौरान, बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करें।

4. समय प्रबंधन/नियोजन

- बेहतर शिक्षण के लिए यह समझना आवश्यक है कि बच्चों को 'इंतजार का समय' (wait time) और 'काम का समय' (time on task) कितना मिला।
- इंतजार का समय वह समय होता है जिसमें बच्चों को सोचने का समय दिया जाता है और काम के समय में बच्चे किसी गतिविधि आदि पर समय लगाते हैं।
- जिन शिक्षण सामग्रियों को काम में लेना है उन्हें पहले से ही इकट्ठा कर लें।
- शिक्षण योजनाओं को कक्षा में क्रियान्वयन करने से एक दिन पहले अवश्य पढ़ें एवं आवश्यक तैयारी कर लें।
- बहुकक्षीय शिक्षण की अवस्था में शिक्षक को अपने समय–संतुलन पर भी खास ध्यान देना चाहिए।

नोट्स

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्

निपुण हरियाणा शैक्षणिक प्रकोष्ठ, छठा तल, शिक्षा सदन, सेक्टर 5, पंचकूला, हरियाणा

Website: www.harprathmik.gov.in

Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

CENTRAL SQUARE FOUNDATION